9 सितंबर 2025
मंगलवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

फर्स्ट आइडिया के चयन पर लटकी तलवार, शिक्षा विभाग में हड़कंप
3

सांसद अपने क्षेत्र में स्वदेशी मेला लगवाएं : प्रधानमंत्री

❍ व्यापारियों से जीएसटी में कटौती की चर्चा भी करें

आत्मनिर्भर भारत से जोड़ा संदेश

प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि ह्यआत्मनिर्भर भारतह्ण केवल आत्मनिर्भरता का विचार नहीं है बल्कि देश के भविष्य की सुरक्षा है। उन्होंने कहा कि जब भारतीय उत्पादों की खपत बढ़ेगी तो न केवल रोजगार के अवसर पैदा होंगे बल्कि विदेशी आयात पर निर्भरता भी घटेगी। मोदी ने कहा कि चाहे निवेश कोई भी करे, उत्पादन भारतीय होना चाहिए और यही ह्यस्वदेशी मंत्रह्ण है।

पहले भी दे चुके हैं ऐसे निर्देश

पीएम मोदी ने 28 अगस्त को हुई कैबिनेट बैठक में भी ह्यवोकल फॉर लोकलह्ण पर बल दिया था। उस समय उन्होंने मंत्रियों से कहा था कि लोग ज्यादा से ज्यादा ह्यमेड-इन-इंडियाह्ण उत्पाद खरीदें और दुकानदार ह्यस्वदेशी वस्तु उपलब्ध हैह्ण के बोर्ड लगाएं। मोदी ने उस बैठक में कहा था कि भारत किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है और इसके लिए आत्मनिर्भरता सबसे बड़ा हथियार है।

एजेंसी/दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए सांसदों से स्वदेशी मेला आयोजित करने और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि जीएसटी दर कटौती से बाजार में सकारात्मक माहौल बना है, जिसे जनता तक पहुंचाना जरूरी है। पीएम स्वनिधि योजना के विस्तार और गरीबों-छोटे व्यापारियों तक लाभ पहुंचाने की बात भी कही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए सांसदों से देशभर में स्वदेशी मेला आयोजित करने की अपील की है, ताकि मेड-इन-इंडिया उत्पादों को प्रोत्साहन मिले और लोगों को आत्मनिर्भर भारत अभियान से जोड़ा जा सके। मोदी ने यह भी कहा कि सांसद अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापारियों से मुलाकात करें और जीएसटी दरों में कटौती को लेकर सरकार की पहल का संदेश जनता तक पहुंचाएं। पीएम मोदी ने सोमवार को उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले हुई संसदीय दल की बैठक में कहा कि स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि वोकल फॉर लोकल केवल नारा नहीं बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन का मजबूत आधार है। उन्होंने सांसदों को समझाया कि स्वदेशी मेला से छोटे कारीगरों, हस्तशिल्पकारों और स्थानीय उद्योगों को नया मंच मिलेगा। मोदी ने सांसदों से कहा कि सरकार द्वारा हाल में की गई जीएसटी दर कटौती से बाजार में एक सकारात्मक लहर बनी है। यह संदेश जनता तक पहुंचाना सांसदों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के साथ बैठकें करके इस कदम का लाभ समझाया जाए और लोगों को भरोसा दिलाया जाए कि सरकार उनके साथ है। पीएम मोदी ने 28 अगस्त को हुई कैबिनेट बैठक में भी ह्यवोकल फॉर लोकलह्ण पर बल दिया था। उस समय उन्होंने मंत्रियों से कहा था कि लोग ज्यादा से ज्यादा मेड-इन-इंडिया उत्पाद खरीदें और दुकानदार ह्यस्वदेशी वस्तु उपलब्ध हैह्ण के बोर्ड लगाएं। मोदी ने उस बैठक में कहा था कि भारत किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है और इसके लिए आत्मनिर्भरता सबसे बड़ा हथियार है।

उपराष्ट्रपति चुनाव आज इस बार मुकाबला करीबी

एजेंसी/दिल्ली

उपराष्ट्रपति के लिए आज मतदान होगा। उसी दिन शाम तक नतीजे घोषित होंगे। इसके साथ ही देश को 50 दिन बाद जगदीप धनखड़ की जगह नया उपराष्ट्रपति मिलेगा। 21 जुलाई को धनखड़ के अचानक इस्तीफा देने के चलते चुनाव हो रहा है। एनडीए ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और विपक्षी गठबंधन इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है। आंकड़ों में एनडीए को स्पष्ट बढ़त है। हालांकि संसद में विपक्ष की मजबूती से पिछले दो दशक में पहली बार मुकाबला करीबी हो सकता है। इस बीच, केसीआर की पार्टी इफ्र और ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक की पार्टी बीजेडी उपराष्ट्रपति चुनाव में किसी भी गठबंधन का समर्थन नहीं करेंगी। राज्यसभा में बीआरएस के 4 और बीजेडी के 7 सदस्य हैं। दिल्ली में आज भाजपा और विपक्ष अपने-अपने सांसदों को उपराष्ट्रपति पद के लिए वोटिंग प्रक्रिया समझाएंगे।

सोशल मीडिया एप्स पर बैन के बाद नेपाल में भड़की हिंसा

नेपाल के विरोध-प्रदर्शन में 20 की मौत, गृहमंत्री का इस्तीफा

एजेंसी/काठमांडु

नेपाल के गृह मंत्री रमेश लेखक ने सोशल मीडिया बैन और भ्रष्टाचार के खिलाफ हिंसक प्रदर्शनों में हुई मौतों की जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को सौंपा और कहा कि सुरक्षा बलों द्वारा प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग में हुई मौतों के लिए उन्हें गहरा दुख है। नेपाल की राजधानी काठमांडू समेत दूसरे शहरों में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान अब तक 20 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 400 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और सोशल मीडिया बैन के खिलाफ बड़ी संख्या में युवा खासकर जेनरेशन ` (18 से 28 साल) सड़कों पर उतर आए हैं। सोमवार सुबह 12 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी संसद भवन परिसर में घुस गए। इसके बाद सुरक्षा बलों ने कई राउंड फायरिंग की। संसद भवन, राष्ट्रपति भवन, उपराष्ट्रपति भवन और प्रधानमंत्री आवास के आसपास कर्फ्यू लागू कर दिया गया है। काठमांडू प्रशासन ने तोड़फोड़ करने वालों को देखते ही गोली मारने के आदेश भी जारी किए। नेपाल के इतिहास में संसद में घुसपैठ का यह पहला मामला है। बढ़ते दबाव के बीच सरकार ने सोशल मीडिया एप्स पर लगाए गए बैन को हटा दिया है।

सरकार ने 3 सितंबर को सोशल मीडिया बैन किया था

नेपाल सरकार ने 3 सितंबर को फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब समेत 26 सोशल मीडिया साइट्स पर बैन लगाने का फैसला किया था। इन प्लेटफॉर्म ने नेपाल के संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में रजिस्ट्रेशन नहीं कराया था। इसके लिए मंत्रालय ने 28 अगस्त को आदेश जारी कर 7 दिन का समय दिया था, यह समय सीमा 2 सितंबर को खत्म हो गई।

नेपाल सरकार ने सभी परीक्षाएं स्थगित की

नेपाल सरकार ने बढ़ते हंगामे को देखते हुए देशभर के परीक्षा केंद्रों पर 9, 10 और 11 सितंबर को होने वाली निर्धारित परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। कई शहरों में अगले दो दिनों के लिए स्कूल और कॉलेज बंद करने का ऐलान किया गया है। प्रमुख राजनीतिक दलों के दफ्तरों और बड़े नेताओं के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सत्ताधारी वटछ और नेपाली कांग्रेस के मुख्यालयों के इर्द-गिर्द भी कर्फ्यू लगा दिया गया। यह कदम बढ़ते अशांति को रोकने के लिए उठाया गया।

बिहार एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश, आधार कार्ड को माना जाए 12वां दस्तावेज

एजेंसी/पटना

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के मतदाताओं के लिए राहत का फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि चुनाव अधिकारियों द्वारा आधार कार्ड को 12वें दस्तावेज के रूप में माना जाएगा। बता दें कि बिहार के जो लाखों मतदाता वोटर आईडी और आधार कार्ड को मान्यता न होने की वजह से वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए अपने पुराने दस्तावेज नहीं दिखा पा रहे थे, उन्हें इससे फायदा होगा।सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से अपने अधिकारियों को आधार कार्ड को 12वें दस्तावेज के रूप में स्वीकार करने के बारे में निर्देश जारी करने को कहा है। रक्फ़ पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आधार कार्ड को सूची में जगह दी जा सकती है। हालांकि इसे नागरिकता के प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। आधार कार्ड की प्रामाणिकता और वास्तविकता की जांच करने का अधिकार अधिकारियों को रहेगा। रक्फ़के तहत चुनाव आयोग ने बिहार के सभी नागरिकों से नागरिकता प्रमाण पत्र दिखाने की मांग की थी। इसके लिए चुनाव आयोग ने 11 दस्तावेजों की सूची जारी की थी, जिनसे नागरिकता सिद्ध की जा सकती है। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने 12वें दस्तावेज के रूप में आधार कार्ड को जोड़ने का आदेश दिया है।

जम्मू-कश्मीर में सेना ने दो आतंकी को किया ढेर

एजेंसी/श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर से सोमवार को सुबह-सुबह बड़ी खबर सामने आ रही है। प्रदेश के कुलगाम इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई है। इस एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को ढ़ेर कर दिया है। मारे गए आतंकवादी की लाश सेब के बाग में पड़ी है। उसकी तस्वीर भी सामने आई है। सेना इलाके में तलाशी अभियान चला रही है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, कुलगाम में जारी एनकाउंटर में एक आतंकी मारा गया है। कुलगाम के गुड्डार वन क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान कथित तौर पर कुछ गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं थी। फिर इलाके की घेराबंदी कर दी गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इलाके में दो आतंकवादी फंसे हुए हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की एसओजी ऑपरेशन में जुटी हुई है। एक आतंकवादी का शव सेब के बाग में पड़ा हुआ है। मारे गए आतंकी की पहचान अभी बाकी है। कुलगाम में जारी एनकाउंटर पर सेना ने भी बयान जारी किया है। सेना ने बताया है कि जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से मिली विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ श्रीनगर द्वारा कुलगाम के गुड्डर जंगल में संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया था।

दुश्मन के घर में भी घुसकर करेगी वार, जॉइंट वॉर थ्योरी का ब्लूप्रिंट तैयार

भारत बनाएगा अमेरिका-रूस-इजराइल जैसी स्पेशल फोर्स

एजेंसी/नई दिल्ली

सैन्य बलों की एलीट कमांडो फोर्स का संयुक्त युद्ध सिद्धांत बनाया गया है। यह साझा दस्तावेज सेना की स्पेशल फोर्स, वायु सेना की गरुड़ कमांडो फोर्स और नौसेना के मार्कोस कमांडो के लिए बनाया गया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुई इस कवायद में तीनों सेनाओं की एलीट फोर्स की तैयारी का हर पहलू स्पष्ट किया गया है। मसलन, अगर किसी देश या उसकी शह में पलने वाले आतंकी, भारत विरोधी कार्रवाई करते हैं तो उनके खिलाफ क्या होगा? यही नहीं, युद्ध होने पर ये कमांडो क्या करेंगे और शांतिकाल में भूमिका क्या होगी, यह भी स्पष्ट किया गया है। इसका मकसद, दुश्मन के सामरिक महत्व के टारगेट्स को भीतर घुसकर वार करने की क्षमता विकसित करना है। साथ ही, दुश्मन के उन कीमती ठिकानों पर हमला बोलने की रणनीति बनी है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था चरमरा जाए और उसका युद्ध छेड़ने का हौसला भी टूट जाए। अमेरिका की डेल्टा फोर्स और नेवी सील्स, स्पेत्सनाज और इजराइल की सयरेट मतकाल दुनिया की सबसे खतरनाक स्पेशल फोर्सेज हैं। इनके ऑपरेशन दुश्मन के घर में घुसकर सटीक वार के लिए मशहूर हैं। खुफिया ऑपरेशन, आतंकवाद-रोधी अभियान, सीक्रेट मिशन को अंजाम देती है। पूरी दुनिया में बंधक छुड़ाने के ऑपरेशन में इनका नाम सबसे ऊपर लिया जाता है। बेहद गुप्त यूनिट है, इनके बारे में जानकारी बहुत सीमित है। एहुद बराक और बेंजामिन नेतन्याहू जैसे कई इजराइली पीएम और अधिकारी कभी न कभी इस यूनिट का हिस्सा रहे हैं।

शिक्षक दिवस पर हुआ आयोजन, बच्चों के चेहरे खिले

डुमरांव के मरियालय महोत्सवः श्रद्धा, संगीत और आध्यात्मिकता का अनूठा संगम

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के पुराना भोजपुर के संत जोसफ स्कूल स्थित मरियालम परिसर गुरुवार की देर शाम से रविवार की रात तक आध्यात्मिक रोशनी और श्रद्धा से जगमगा उठा। धन्य कुँवारी मरियम के जन्मोत्सव को समर्पित चार दिवसीय मरियालय महोत्सव का शुभारंभ पटना धर्मप्रान्त के महामहिम आर्च बिशप सेबेस्टियन कल्लुपुरा ने किया। उन्होंने झंडोतोलन कर माला विनती और मिस्सा बलिदान कार्यक्रम के साथ आयोजन की औपचारिक शुरूआत की। शुरूआती दिन से ही

महोत्सव में सैकड़ों श्रद्धालु जुटे और पूरा वातावरण भक्तिरस से सराबोर हो उठा। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता फादर भास्कर ने की, जबकि फादर चार्ल्स, फादर प्रताप, फादर मनोज, फादर लुर्दू, डॉक्टर टेरेसिटा, सिस्टर शांति, सिस्टर बंदना सहित कई धर्मगुरु मौजूद रहे। इस दौरान भजनों और प्रार्थनाओं की गूंज से मरियालय प्रांगण आध्यात्मिक आलोक में डूब गया। फादर भास्कर ने अपने संदेश में कहा कि ह्लमां मरियम का जन्म मानवता के लिए आशा और ईश्वर की प्रेम भरी योजना की पूर्ति का प्रतीक है ह्व उन्होंने बताया कि विनम्र माता-पिता से जन्मी मरियम का जीवन इस बात का संदेश देता है कि ईश्वर महान कार्यों के लिए सामान्य व्यक्तियों को चुनते हैं। गुरुवार से शुरू हुआ यह चार दिवसीय महोत्सव रविवार की देर रात तक जारी रहा और प्रतिदिन प्रार्थना, भक्ति-गीत तथा धार्मिक अनुष्ठानों से आयोजन स्थल गूंजता रहेगा। विशेष आकर्षण अंतिम दिन आयोजित स्तुति-आराधना एवं चंगाई प्रार्थना होगी, जिसमें देश-विदेश से आए श्रद्धालु शामिल होंगे। आयोजकों का कहना है कि यह अवसर सिर्फ धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में शांति, सद्भाव और भाईचारे की मिसाल भी पेश करता है। स्थानीय अनुयायियों ने भी आयोजन को लेकर हर्ष व्यक्त किया। उनका कहना है कि इस तरह के महोत्सव समाज में आपसी सहयोग और विश्वास की डोर को मजबूत करते हैं। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर महोत्सव को सफल बनाएं। मरियालय परिसर में चारों ओर रौनक का माहौल है–भक्तिमय गीत, सजावट और अनुशासन से भरी श्रद्धालु भीड़ ने इसे उत्साह और श्रद्धा का अद्वितीय संगम बना दिया है। निस्संदेह, डुमरांव का यह महोत्सव सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था और एकता की ऐसी मिसाल है जो लंबे समय तक याद की जाएगी।

दो दिनों में 5 तस्कर गिरफ्तार, घर-परिवार से लेकर गिरोह तक फैला नेटवर्क, डुमरांव एसडीपीओ ने प्रेस वार्ता में दी जानकारी

बक्सर बना ड्रग्स का अड्डा, पुलिस की बड़ी कार्रवाई में 2.75 करोड़ की हेरोइन बरामद

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर पुलिस ने एक बार फिर जिले को हिला देने वाला खुलासा किया है। महज 48 घंटे के भीतर हुई दो ताबड़तोड़ छापेमारियों में पुलिस ने 2 किलो 540.6 ग्राम हेरोइन बरामद की है। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 2.75 करोड़ रुपए है। कार्रवाई में पांच तस्कर गिरफ्तार किए गए हैं, जिनमें पिता-पुत्र से लेकर पति-पत्नी तक शामिल हैं। इस मामले में डुमरांव एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने प्रेस वार्ता आयोजित कर जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि पहली कार्रवाई डुमरांव थाना क्षेत्र के दक्षिण टोला से शुरू हुई। पुलिस ने यहां से राजेश राय उर्फ गोलू राय और उसके पिता उमेश राय को धर दबोचा। तलाशी में उनके पास से 5.5 ग्राम हेरोइन और 8,500 रुपए नकद मिले। पुलिस को शायद यही उम्मीद थी कि छोटे पैमाने पर काम करने वाले ये लोग किसी बड़े नेटवर्क का हिस्सा होंगे। पूछताछ में दोनों ने तुरंत एकौनी निवासी नारायण उपाध्याय का नाम उगल दिया।

नारायण उपाध्याय का ड्रग्स डेन

जैसे ही पुलिस टीम नारायण उपाध्याय के घर पहुंची, मामला और बड़ा हो गया। छापेमारी में 2.256 किलो हेरोइन, 108 ग्राम संदिग्ध पॉलिथीन पाउडर, पैकिंग सामग्री और कई आपत्तिजनक सामान बरामद हुए। नारायण ने स्वीकार किया कि वह अपनी पत्नी कंचन देवी के साथ इस धंधे को चला रहा था। पति-पत्नी की इस ह्यकाली कमाईह्ल का सिलसिला नया नहीं है। पुलिस रिकॉर्ड बताता है कि उस पर पहले से ही एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट के कई मामले दर्ज हैं।

बक्सर पुलिस की इस सफलता ने एक खतरनाक सच्चाई उजागर की है कि नशे का कारोबार अब घरों की चारदीवारी में पल रहा है। एक सामान्य दिखने वाला परिवार असल में करोड़ों के अवैध कारोबार में लिप्त था। स्थानीय लोगों को भनक तक नहीं थी कि उनके आसपास इतने बड़े पैमाने पर हेरोइन का कारोबार चल रहा है।

दूसरी कार्रवाई, केसठ नहर रोड पर गिरा जाल

इसी दौरान पुलिस की दूसरी टीम कोरानसराय थाना क्षेत्र में सक्रिय थी। केसठ नहर रोड पर घेराबंदी कर कोरानसराय के रानीबाग निवासी पिंटू यादव उर्फ विवेक यादव को पकड़ा गया। उसके पास से 229.1 ग्राम हेरोइन, 4.30 लाख रुपए नकद और पैकिंग सामग्री मिली। यह वही पिंटू यादव है, जिस पर पहले से एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट के कई मुकदमे दर्ज हैं। साफ है कि गिरफ्तारी के बाद भी जेल से बाहर आते ही वह दोबारा उसी धंधे में लौट जाता था।

हथियार, गाड़ियां और पैकिंग सिस्टम भी जब्त

दोनों कार्रवाइयों के दौरान सिर्फ नशा ही नहीं, बल्कि उसे फैलाने का पूरा सिस्टम भी बरामद हुआ। पुलिस ने एक कार, इलेक्ट्रिक तराजू, मोबाइल फोन, चाकू और पैकिंग सामग्री जब्त की है। यह साफ करता है कि ये लोग संगठित तरीके से कारोबार कर रहे थे।

एसडीपीओ के नेतृत्व में संयुक्त टीम

पूरा ऑपरेशन डुमरांव अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पोलस्त कुमार के नेतृत्व में चला। इसमें डुमरांव और कोरानसराय थानों की पुलिस, डीआईयू टीम, राजस्व कर्मी और सशस्त्र बल शामिल थे। एसपी ने इसे मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता करार दिया है।

बक्सर क्यों बन रहा है नशे का गढ़

पिछले कुछ वर्षों में बक्सर में एनडीपीएस एक्ट के मामलों में लगातार वृद्धि हुई है। जानकारों का कहना है कि गंगा और सीमावर्ती इलाकों के रास्ते इस अवैध कारोबार को पनाह मिलती है। छोटे-छोटे कस्बों और गांवों में रहने वाले लोग बड़ी मछलियों के लिए ह्यकूरियरह्ल की भूमिका निभाते हैं। इस बार की कार्रवाई से यह भी साबित हो गया कि नशे का नेटवर्क अब पारिवारिक स्तर तक पैठ चुका है।

पुलिस के लिए चुनौती, गिरफ्तारी से आगे की रणनीति

हालांकि पुलिस ने इस बार 5 तस्करों को जेल भेज दिया है, लेकिन यह भी सच है कि गिरफ्तारियों के बाद भी अक्सर ये लोग जमानत पाकर बाहर आ जाते हैं और फिर वही धंधा शुरू कर देते हैं। सवाल यही है कि क्या केवल छापेमारी से इस जड़ को काटा जा सकता है? या फिर अदालतों में पुख्ता सबूत पेश कर इन्हें सख्त सजा दिलवाना ही असली जीत होगी।

स्थानीय समाज के लिए चेतावनी

यह घटना सिर्फ पुलिस की सफलता की कहानी नहीं, बल्कि समाज के लिए चेतावनी भी है। जब पति-पत्नी और पिता-पुत्र तक इस गंदे धंधे में कूद पड़े हैं, तो साफ है कि नशा अब घरों की नींव हिला रहा है। ऐसे में सिर्फ पुलिस ही नहीं, बल्कि समाज को भी जागरूक होकर इसकी रोकथाम में भूमिका निभानी होगी।कुल मिलाकर, यह कार्रवाई पुलिस की बड़ी जीत है, लेकिन यह भी सामने आया है कि जिले में नशे का नेटवर्क गहरी जड़ें जमा चुका है। इसे खत्म करने के लिए अब लंबी और कठोर लड़ाई जरूरी है।

अमरपुरी पासी टोली में डायल 112 की टीम पर हमला

- **दो महिला समेत पांच पर एफआईआर, दो गिरफ्तार**

केटी न्यूज/नावानगर

सोनवर्षा थाना के अमरपुरी पासी टोली में रविवार की शाम डायल 112 की पुलिस टीम पर स्थानीय परिवार के लोगों ने ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। इस हमले में गश्ती दल की वाहन का पिछला शीशा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पांच लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की है। इनमें से दो महिला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार डायल 112 की टीम को सूचना मिली थी कि शिवदयाल पासी अपने भाई हरिदयाल पासी को घर में घुसने नहीं दे रहे हैं और उन पर हमला कर रहे हैं। सूचना पर गश्ती दल मौके पर पहुंचा तो देखा कि शिवदयाल पासी अपने पुत्र कृष्णा पासी और दूसरे पुत्र के साथ मिलकर हरिदयाल पासी की पिटाई कर रहे थे। जैसे ही परिवार के सदस्यों ने पुलिस वाहन को देखा, उन्होंने अचानक ईंट-पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। इससे डायल 112 की वाहन का पिछला शीशा टूटकर बर्बाद हो गया। स्थिति बिगड़ती देख अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा और हालात को नियंत्रित किया। घटना के बाद सोनवर्षा थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दो महिला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। साथ ही कुल पांच लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। डायल 112 के स्टाफ गृस कुमार ने बताया कि हमले में वाहन का शीशा टूट गया है और टीम को जान से मारने की नीयत से हमला किया गया था। थानाध्यक्ष ने बताया कि फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है। पुलिस ने साफ किया कि सरकारी कार्य में बाधा डालने और हमला करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी।

स्वरोजगार करने के लिये महिलाओं को मिल रहे 10 हजार रुपए को लेकर शिविर आयोजित

केटी न्यूज/डुमरांव

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने को लेकर सरकार काफी गंभीर है। उन्हें स्वरोजगार करने के लिये 10 हजार रुपए का अनुदान देने के लिये सरकार ने घोषणा कर रखी है। इसकी जानकारी देने के लिये नगर में आधा दर्जन स्थानों पर शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में जीविका समूह की महिलाओं और नप कर्मियों को लगाया गया है। सोमवार को नप कार्यालय परिसर में लगाए गए शिविर में सिटी मिशन प्रबंधक रश्मी कुमारी के साथ अन्य कर्मी मौजूद रहते हुए महिलाओं और पुरूषों को जो सरकार की तरफ दस हजार रुपए देने की बात कही गई है, उसे बताया जा रहा था। महिलाओं को बताया गया की जो आपको राशि दी जा रही है, उससे आप अपना स्वरोजगार शुरू कीजिये और अपने परिवार को आगे बढ़ाईये। फिर उन्हें बताया गया की छह महीना बाद इसकी समीक्षा की जाएगा, जिसके द्वारा अपने स्वरोजगार को बढ़ाया गया होगा, उसे 2 लाख रुपए का अनुदान दिया जाएगा। महिलाओं को इसकी जानकारी मिलते ही उनमें स्वरोजगार करने के प्रति काफी जागरूकता पैदा हुई। नगर परिषद चाहता है कि सरकार की तरफ से महिलाओं को जो दस हजार रुपए का अनुदान दिया जा रहा है, उससे अधिक से अधिक महिलाएं लाभान्वित होकर अपना स्वरोजगार शुरू करें। सोमवार को आधा दर्जन स्थानों पर शिविर का आयोजन किया गया, काफी महिलाएं उपस्थित होकर जानकारी हासिल की।

निर्वाचन कार्यालय ने जारी किया प्रशिक्षण का सिड्यूल, 8 से 14 सितंबर तक होगा प्रशिक्षण

- **पटना में अलग-अलग केंद्रों पर होगा सहायक निवार्ची पदाधिकारी का प्रशिक्षण**

केटी न्यूज/बक्सर

जिला निर्वाचन कार्यालय ने आगामी चुनावी तैयारियों को लेकर सहायक निर्वाचनी पदाधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु आदेश संख्या 07-714, दिनांक 06 सितम्बर 2025 जारी किया है। इसके तहत 08 सितम्बर से 14 सितम्बर तक पटना स्थित विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित होंगे।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। जिला निर्वाचन कार्यालय का कहना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए निर्वाचन

संबंधी सभी कार्यों की पूरी जानकारी और दक्षता अधिकारियों को होना आवश्यक है।

प्रशिक्षण का उद्देश्य

जारी आदेश के मुताबिक इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों को निर्वाचन कार्यों की कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया से अवगत कराना है। सहायक निर्वाचनी पदाधिकारी के रूप में नियुक्त अधिकारियों को नामांकन दाखिल करने, उसकी जांच (जांच-पड़ताल), मतदान की प्रक्रिया, मतगणना और परिणाम की घोषणा से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं का अभ्यास कराया जाएगा। इसके साथ ही प्रशिक्षण का मकसद चुनावी कार्यों में शुचिता, पारदर्शिता और निष्पक्षता की गारंटी सुनिश्चित करना है। अधिकारियों को यह सिखाया जाएगा कि प्रत्येक प्रक्रिया समयबद्ध और निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरी हो।

अनिवार्य उपस्थिति व अनुशासन

जिला निर्वाचन कार्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि सभी नामित अधिकारियों की निर्धारित समय और स्थान पर उपस्थिति अनिवार्य होगी। बिना अनुमति अनुपस्थित रहने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि किसी भी चरण में चुनावी कार्यों में त्रुटि या लापरवाही की गुंजाइश न बचे।

प्रशिक्षण का महत्व

अधिकारियों के मुताबिक, यह प्रशिक्षण लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी, सुचारु और विश्वसनीय बनाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। इससे जनता का विश्वास चुनावी व्यवस्था पर और मजबूत होगा। चुनावी कार्यों से जुड़ी किसी भी शंका या गलती की संभावना न्यूनतम रह जाएगी।

अपेक्षित परिणाम

इस प्रशिक्षण के उपरांत अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन अधिक दक्षता, पारदर्शिता और प्रभावशीलता के साथ कर सकेंगे। साथ ही चुनावी प्रक्रिया समयबद्ध और सुचारु रूप से पूरी हो पाएगी। निर्वाचन कार्यालय का मानना है कि ऐसे प्रयास ही लोकतंत्र की नींव को और अधिक मजबूत बनाते हैं।

एक नजर

सांप के डसने से मजदूर की मौत, पांच बच्चों का टूटा सहारा

डुमरांव। नया भोजपुर थानाक्षेत्र के निषाद टोले में रविवार की रात एक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। करैत सांप के डसने से 30 वर्षीय सुनील कुमार चौधरी की मौत हो गई। सुनील रोजी-रोटी के लिए कानपुर स्थित जेके सीमेंट फैक्टरी में मजदूरी करता था और कुछ दिनों की छुट्टी लेकर गांव आया हुआ था। जानकारी के अनुसार, रात में सोते समय अचानक उसके कंधे पर सांप चिपक गया और डस लिया। घबराए सुनील ने शोर मचाया तो परिजन दौड़े और तत्काल प्रतापसागर अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने एंटी वेनम इंजेक्शन दिया, लेकिन हालत लगातार बिगड़ती चली गई और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई।सुनील के निधन के बाद गांव में मातम पसर गया। वह अपने पीछे पांच छोटे बच्चों को छोड़ गया है। बच्चों और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गुस्साए ग्रामीणों ने सांप को पकड़कर मार डाला। घटना की सूचना पर सोमवार को स्थानीय विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह और नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार मौके पर पहुंचे। विधायक ने परिवार को सांत्वना दी और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। विधायक ने कहा कि समय पर इलाज और एंटी वेनम उपलब्ध होने के बावजूद कई बार जीवन नहीं बच पाता। उन्होंने लोगों से सावधानी बरतने और सांप के डसने पर तुरंत नजदीकी अस्पताल में पहुंचने की अपील की। गांव में सुनील की असमय मौत की चर्चा हर किसी की जुबां पर है। गरीब मजदूर परिवार का सहारा टूटने से अब बच्चों के भविष्य को लेकर भी ग्रामीण चिंतित हैं।

होल्डिंग टैक्स की मनमानी वसूली पर नगरवासियों ने दिया धरना

डुमरांव। नगर परिषद प्रशासन की मनमानी और अमानवीय वसूली नीति के खिलाफ सोमवार से डुमरांव के सामाजिक मंच एवं नगर की जनता ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। इस आंदोलन की अध्यक्षता मुसाफिर सिंह तथा संचालन अमित कुमार ने किया। धरनार्थियों का आरोप है कि डुमरांव नगर परिषद वर्ष 2016 से कर निर्धारण की विधिवत प्रक्रिया का पालन नहीं कर रही है। इसके बावजूद साजिश के तहत अनुदान प्राप्त करने के उद्देश्य से लोगों से मनमाने ढंग से बढ़े दर पर होल्डिंग टैक्स वसूली का प्रयास किया जा रहा है। नगर विकास एवं आवास विभाग के पत्र संख्या 4 विविध 95/123155 दिनांक 30 दिसंबर 2013 के आदेश को दरकिनार कर परिषद प्रशासन जनता पर जबरन टैक्स थोप रही है, जिसे हमलोग होने नहीं देंगे। उन्होंने कहा की नगर की जनता जाग चुकी है, गरीबों पर आर्थिक बोझ नहीं डालने दिया जाएगा। समाजिक मंच के प्रदीप शरण और आक्रोशित लोगों ने बताया कि परिषद द्वारा मोबाइल संदेशों के माध्यम से संपत्ति कुर्क करने और बैंक खाता फ्रीज करने की धमकी तक दी जा रही है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। सामाजिक मंच ने 3 नवंबर 2023 को 28 सूत्री मांग पत्र नगर प्रशासन को सौंपा था, लेकिन अब तक उसका कोई जवाब नहीं मिला।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरिज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

पटना में रविवार को आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह बक्सर जिले के लिए भी गर्व का अवसर

बक्सर के डब्लू पाठक को पटना में उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से नवाजा गया

केटी न्यूज/बक्सर

पटना में रविवार को आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह बक्सर जिले के लिए भी गर्व का अवसर साबित हुआ। राजधानी स्थित बिहार औद्योगिक संगठन हॉल में सुकृष्णा कॉमर्स संस्थान, पटना द्वारा यह भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें राज्य के कोने-कोने से पहुंचे शिक्षकों को सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता संस्थान के प्रबंधक विनय कुमार ने की, जबकि कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ चिकित्सक सीपी ठाकुर और पूर्व आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर बक्सर जिले के धनसोई प्रखंड के आई मास कंप्यूटर के निदेशक डब्लू पाठक को उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से नवाजा गया। पाठक को यह सम्मान उनके शिक्षा क्षेत्र में योगदान और सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पण के लिए प्रदान किया गया।

72 बार हो चुके हैं सम्मानित

स्थानीय बुद्धिजीवियों का कहना है कि डब्लू पाठक न केवल एक कुशल शिक्षक हैं, बल्कि समाजसेवी के रूप में भी लगातार सक्रिय रहते हैं। शिक्षा के प्रसार से लेकर जरूरतमंदों की मदद तक, उन्होंने अपने प्रयासों से एक अलग पहचान बनाई है। यही कारण है कि देश के विभिन्न राज्यों से अब तक उन्हें 72 बार सम्मान प्राप्त हो चुका है।

बधाइयों की लगी कतार

सम्मानित होने के बाद बक्सर जिले में उनके छात्र-छात्राओं और सामाजिक संगठनों ने खुशी जाहिर की। जगह-जगह से उन्हें बधाइयों और शुभकामनाओं का संदेश मिला। छात्रों ने कहा कि यह उपलब्धि न सिर्फ पाठक की व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि जिले के लिए भी गर्व का क्षण है।

शिक्षा और सेवा का संगम

शिक्षक दिवस के मौके पर मिला यह सम्मान एक संदेश भी देता है कि शिक्षा केवल कक्षा तक सीमित नहीं होती, बल्कि समाज के विकास में भी शिक्षक की भूमिका अहम होती है। डब्लू पाठक की कार्यशैली इसका ज्वलंत उदाहरण है, जहां शिक्षा और सेवा दोनों एक साथ चलते हैं।

एक नजर

चौसा चेकपोस्ट पर भाजपा झंडे वाली गाड़ी से 709 बोतल शराब बरामद, दो गिरफ्तार

चौसा। सोमवार को चौसा चेकपोस्ट पर उत्पाद विभाग की टीम ने शराब तस्करी का बड़ा मामला पकड़ा। जांच के दौरान एक क्रीम कलर की सफारी स्टॉर्म को रोका गया। गाड़ी पर भाजपा का झंडा लगा था और उसमें सवार युवक आधिकारिक पोशाक (सफेद शर्ट, ब्लैक पैंट व जींस) में थे। शुरूआती तौर पर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की गई, लेकिन तलाशी में भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद हुई। उत्पाद अधीक्षक अशरफ जमाल ने बताया कि गाड़ी नई जैसी थी और तस्करी के लिए विशेष रूप से मॉडिफाई कराई गई थी। सीटों के नीचे, बैक सीट और डोर गेट में गुप्त चेंबर बनाए गए थे, जहां शराब की पेटियां छिपाई गई थीं। जांच में आफ्टर डार्क ब्रांड की कुल 709 बोतलें (180 एमएल पैक) मिलीं, जिसकी मात्रा 127.62 लीटर है। गिरफ्तार युवकों की पहचान विमल (19 वर्ष), पिता विजय कुमार राम और रवि कुमार गौतम (21 वर्ष), पिता मुन्ना राम, दोनों निवासी जोगामुसाहिब, गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे आरा में शराब की डिलीवरी देने जा रहे थे। उत्तर प्रदेश और बिहार दोनों में भाजपा गठबंधन की सरकार होने के बावजूद भाजपा का झंडा लगाकर तस्करी करने की इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल उत्पाद विभाग ने दोनों युवकों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम 30(ए) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

चौसा चेकपोस्ट पर भाजपा झंडे वाली गाड़ी से 709 बोतल शराब बरामद, दो गिरफ्तार

चौसा। सोमवार को चौसा चेकपोस्ट पर उत्पाद विभाग की टीम ने शराब तस्करी का बड़ा मामला पकड़ा। जांच के दौरान एक क्रीम कलर की सफारी स्टॉर्म को रोका गया। गाड़ी पर भाजपा का झंडा लगा था और उसमें सवार युवक आधिकारिक पोशाक (सफेद शर्ट, ब्लैक पैंट व जींस) में थे। शुरूआती तौर पर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की गई, लेकिन तलाशी में भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद हुई। उत्पाद अधीक्षक अशरफ जमाल ने बताया कि गाड़ी नई जैसी थी और तस्करी के लिए विशेष रूप से मॉडिफाई कराई गई थी। सीटों के नीचे, बैक सीट और डोर गेट में गुप्त चेंबर बनाए गए थे, जहां शराब की पेटियां छिपाई गई थीं। जांच में आफ्टर डार्क ब्रांड की कुल 709 बोतलें (180 एमएल पैक) मिलीं, जिसकी मात्रा 127.62 लीटर है। गिरफ्तार युवकों की पहचान विमल (19 वर्ष), पिता विजय कुमार राम और रवि कुमार गौतम (21 वर्ष), पिता मुन्ना राम, दोनों निवासी जोगामुसाहिब, गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे आरा में शराब की डिलीवरी देने जा रहे थे। उत्तर प्रदेश और बिहार दोनों में भाजपा गठबंधन की सरकार होने के बावजूद भाजपा का झंडा लगाकर तस्करी करने की इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल उत्पाद विभाग ने दोनों युवकों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम 30(ए) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जांच रिपोर्ट ने बताया चयन नियमविरुद्ध, जिलाधिकारी के फैसले पर टिकी निगाहें

फर्स्ट आइडिया के चयन पर लटकी तलवार, शिक्षा विभाग में हड़कंप

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के शिक्षा विभाग में हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया के चयन पर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद अब इस एजेंसी का चयन रद्द होने की स्थिति बन गई है। जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने इस मामले में कठोर रुख अपनाते हुए शिक्षा विभाग से मूल संचिका की मांग की है। संचिका की मांग होते ही शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है।

बता दें कि बक्सर सांसद सुधाकर सिंह के पत्र के आधार पर जिलाधिकारी ने अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) गिरिजेश कुमार के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की थी। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सौंपते हुए साफ लिखा कि फर्स्ट आइडिया का चयन नियमों के विरुद्ध किया गया।

इसके पहले शिक्षा विभाग की ओर से गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने भी रिपोर्ट में स्पष्ट किया था कि जेकेएसबी को बिना ठोस कारण के तीन प्रखंडों नावानगर, डुमरांव और इटाढ़ी से हटाकर फर्स्ट आइडिया को मनमाने तरीके से चयन किया गया।

डीएम ने मांगी मूल संचिका, शिक्षा विभाग में मची अफरा-तफरी

तीन सितंबर को जांच रिपोर्ट मिलने के बाद जिलाधिकारी ने फर्स्ट आइडिया से संबंधित मूल संचिका तलब की है। चार सितंबर को ही विकास शाखा ने बक्सर के जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) को निर्देश जारी कर 24 घंटे में संचिका उपलब्ध कराने को कहा है। यह कदम शिक्षा विभाग के लिए किसी झटके से कम नहीं रहा। अब स्थिति यह बन गई है कि फर्स्ट आइडिया का चयन कभी भी रद्द किया जा सकता है।

पूर्व डीईओ पर गंभीर आरोप

मामले में तत्कालीन जिला शिक्षा पदाधिकारी अनिल कुमार द्विवेदी की भूमिका सबसे संदिग्ध मानी जा रही है। आरोप है कि उन्होंने बिना ठोस कारण बताए और एकरारनामे की शर्तों को दरकिनार करते हुए जेकेएसबी की जगह फर्स्ट आइडिया का चयन कर लिया। सूत्रों के मुताबिक यह निर्णय विभाग के भीतर सक्रिय तथाकथित माफियाओं के दबाव में लिया गया था। यही कारण है कि चयन प्रक्रिया शुरू से ही विवादों में रही। इस प्रमाण पूर्व डीईओ अमरेन्द्र पांडेय द्वारा जिलाधिकारी को दिए एक पत्र से भी मिलता है कि फर्स्ट आइडिया का संबंध तथाकथित शिक्षा माफिया से है।

डीपीओ पर भी उठे सवाल

तत्कालीन डीपीओ नाजिश अली की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। वहीं, जांच प्रक्रिया के दौरान फर्स्ट आइडिया को भुगतान से जुड़ा मामला सामने आने पर वर्तमान स्थापना डीपीओ विष्णुकांत राय पर भी उंगलियां उठ रही हैं। यानी पूरी चयन और भुगतान प्रक्रिया में कई स्तरों पर गड़बड़ियों की आशंका है।

प्रशासनिक कार्रवाई पर सबकी निगाहें

जांच रिपोर्ट और संचिका की मांग के बाद अब शिक्षा विभाग के अधिकारियों व आम नागरिकों की निगाहें जिलाधिकारी के फैसले पर टिकी हुई हैं। जिलेभर में चर्चा का विषय यही है कि जिलाधिकारी आखिर कब और क्या निर्णय लेते हैं। जांच में चयन को नियमविरुद्ध पाए जाने के बाद एजेंसी का चयन रद्द होना तय माना जा रहा है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या जिला प्रशासन दोषी अधिकारियों पर भी कार्रवाई करेगा या केवल एजेंसी का चयन रद्द कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल देगा।

शिक्षा विभाग में मचा हड़कंप

फिलहाल जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद शिक्षा विभाग के अधिकारी सकते में हैं। कई अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है और उन पर कार्रवाई की तलवार लटक रही है। विभाग के अंदरूनी सूत्र बताते हैं कि जैसे-जैसे संचिका से जुड़ी जानकारी सामने आएगी, वैसे-वैसे नए नाम भी उजागर हो सकते हैं।

लोगों में बढ़ी उत्सुकता

इस मामले ने जिले के आम लोगों का ध्यान भी खींच लिया है। लोग अब जानना चाहते हैं कि जिलाधिकारी किस स्तर तक जाकर कार्रवाई करेंगे। जिले के राजनीतिक हलकों से लेकर प्रशासनिक गलियारों तक हर जगह यही चर्चा है कि शिक्षा विभाग की इस गड़बड़ी को लेकर जिलाधिकारी कितना कठोर कदम उठाते हैं। बता दें कि यह मामला सिर्फ एक एजेंसी के चयन तक सीमित नहीं है, बल्कि बक्सर के शिक्षा विभाग की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा रहा है। जांच रिपोर्टों ने साफ कर दिया है कि नियमों की अनदेखी हुई है। अब देखना यह है कि जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह इस गड़बड़ी के लिए केवल फर्स्ट आइडिया को जिम्मेदार मानते हैं या फिर पूरे तंत्र में फैले दोषियों को भी कटघरे में खड़ा करते हैं।

सात निश्चय योजना की समीक्षा बैठक में कई योजनाओं की सुस्ती पर नाराज हुए डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में सात निश्चय पार्ट-2 के अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में डीएम ने योजनाओं की धीमी प्रगति पर गहरी नाराजगी जताई और कई पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि लक्ष्य हासिल करने में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में सबसे पहले बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड की समीक्षा हुई। जुलाई माह में इसका प्राप्तांक 75ः पाया गया। डीएम ने जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र के प्रबंधक को निर्देश दिया कि प्रखंड और पंचायत स्तर पर कैंप आयोजित कर अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को लाभान्वित करें।

मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता योजना की समीक्षा में 65.2ः उपलब्धि सामने आई। डीएम ने कहा कि पंचायतों में विशेष कैंप लगाकर आवेदन की संख्या बढ़ाई जाए और इसकी सूची नियमित रूप से जिला कार्यालय को सौंपी जाए।

कुशल युवा कार्यक्रम के मामले में 75.8ः प्रगति दर्ज हुई। डीएम ने पाया कि स्वीकृत आवेदन के बावजूद प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की संख्या संतोषजनक नहीं है। इस पर उप विकास आयुक्त को निर्देश दिया गया कि विकास मित्रों की बैठक कर डोर-टू-डोर जाकर युवाओं को इस योजना से जोड़ें।

नल-जल योजना में यूजर चार्ज वसूली और अनुरक्षक मद के भुगतान की स्थिति को लेकर डीएम ने गंभीर असंतोष जताया। उन्होंने कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ्य प्रमंडल को आदेश दिया कि जिला पंचायत राज पदाधिकारी से समन्वय कर वसूली की कार्रवाई शुरू करें और अगले महीने शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करें।

इसी तरह सोलर स्ट्रीट लाइट का अधिष्ठापन भी निर्धारित लक्ष्य तक नहीं पहुंच सका। डीएम ने चेतावनी दी कि समयसीमा का पालन नहीं करने वाली एजेंसियों पर विभागीय कार्रवाई तय होगी।

बक्सर सदर अनुमंडल पदाधिकारी ने की राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

केटी न्यूज/बक्सर

अनुमंडल कार्यालय बक्सर सदर में अनुमंडल पदाधिकारी सह निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी अविनाश कुमार की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मतदाता सूची (ड्राफ्ट रोल 2025) को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक कार्यालय कक्ष में हुई, जिसमें सभी दलों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ भूमि सुधार उप समाहर्ता, अवर निर्वाचन पदाधिकारी तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी बक्सर, इटाढ़ी, चौसा समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि एक अगस्त को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित कर दिया गया है। अब तक किसी भी राजनीतिक दल के प्रतिनिधि (बीएलए-2) की ओर से दावा या आपत्ति दर्ज नहीं कराई गई है। उन्होंने सभी दलों से अपील की कि योग्य मतदाताओं का नाम फॉर्म-6 भरकर क्षेत्रीय मतदाता सूची प्रभारी को दें, ताकि उन्हें जोड़ा जा सके।

उन्होंने कहा कि 90 वर्ष से अधिक आयु वाले मतदाताओं का सत्यापन कराया जाए तथा कम मतदान प्रतिशत वाले केंद्रों पर जागरूकता अभियान चलाकर मतदान प्रतिशत बढ़ाने में सहयोग किया जाए। अनुमंडल पदाधिकारी ने भरोसा दिलाया कि योग्य मतदाताओं का नाम हर हाल में मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा।

अनियमित विद्युत आपूर्ति में सुधार के लिए डुमरांव में शुरू हुआ तीन दिवसीय धरना

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में बिजली आपूर्ति में लगातार आ रही अनियमितताओं और समस्याओं के विरोध में सामाजिक संगठन स्वयं शक्ति ने सोमवार को राजगढ़ चौक पर तीन दिवसीय धरना शुरू किया। यह धरना 10 सितंबर तक चलेगा। संगठन ने स्पष्ट किया है कि यदि उनकी सात सूत्री मांगों पर ठोस पहल नहीं हुई, तो 11 सितंबर से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की जाएगी।

धरने का नेतृत्व स्वयं शक्ति के संयोजक धीरज मिश्रा ने किया, जबकि संचालन में सर्वेश मिश्रा, रोहित सिंह और अविनाश त्रिपाठी शामिल रहे। बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और बिजली विभाग पर आपूर्ति की अनियमितता व उपभोक्ताओं की समस्याओं की अनदेखी का आरोप लगाया।

इन मार्गों के समर्थन में दिया गया धरना

डुमरांव क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में ट्रांसफार्मरों की स्थापना, डुमरांव ग्रिड को उसकी खपत के अनुसार पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना, जर्जर तारों और पुराने केबलों का तत्काल प्रतिस्थापन, तकनीकी कर्मचारियों और मिस्त्रियों की पर्याप्त बहाली, उपभोक्ताओं की शिकायतों के लिए उपलब्ध टोल-फ्री नंबरों का प्रभावी संचालन, लो वोल्टेज की समस्या का स्थायी समाधान और आंधी-पानी या आपदा प्रभावित क्षेत्रों में बिजली तारों को अंडरग्राउंड करने की व्यवस्था शामिल रही। धरनार्थियों का कहना था कि ये सभी मांगें उपभोक्ताओं की सुविधा और सुरक्षा से जुड़ी हैं। लेकिन वर्षों से इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, जिसके कारण लोग रोजाना परेशान

हो रहे हैं। धरना स्थल पर सूचना मिलते ही विभागीय अधिकारी पहुंचे। इनमें कार्यपालक अभियंता कुमार अभिषेक, डुमरांव टाउन के कनीय अभियंता मोहम्मद इम्तियाज और नया भोजपुर के कनीय अभियंता जितेंद्र कुमार शामिल थे। अधिकारियों और धरनारत सदस्यों के बीच वार्ता भी हुई, लेकिन कोई ठोस सहमति नहीं बन सकी। कार्यपालक अभियंता ने आश्वासन दिया कि दिवाली से पहले जर्जर तारों को बदल दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक पीएसएस (पावर सब स्टेशन) के बाहर तकनीकी मिस्त्रियों और कर्मचारियों के मोबाइल नंबर सार्वजनिक किए जाएं ताकि उपभोक्ता आपात स्थिति में सीधे संपर्क कर सकें। इसके अतिरिक्त सभी वार्डों में पुराने केबल और बॉक्स बदलने का कार्य भी दिवाली से पहले पूरा करने का भरोसा दिया गया। एक्सक्यूटिव के निर्देश और सदस्यों की नाराजगी नया भोजपुर क्षेत्र में लो वोल्टेज की समस्या पर कनीय अभियंता जितेंद्र कुमार ने कहा कि जल्द समाधान होगा। उन्होंने बताया कि कई जगह नए ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं और लोड शिफ्टिंग की प्रक्रिया चल रही है।

हालांकि, अधिकारियों के आश्वासनों पर स्वयं शक्ति के सदस्यों ने असंतोष जताया। उनका कहना था कि केवल आश्वासन से अब काम नहीं चलेगा। जब तक ठोस कार्रवाई शुरू नहीं होती, वे धरने से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विभाग के कई तकनीकी कर्मी और अभियंता उपभोक्ताओं के फोन कॉल्स रिसीव नहीं करते, जिससे आपात स्थिति में जनता की परेशानी बढ़ जाती है। इस पर कार्यपालक अभियंता ने संबंधित अधिकारियों को कॉल रिसीव करने और उपभोक्ताओं की समस्याओं पर तत्परता दिखाने का निर्देश दिया। आम जनता और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी धरना स्थल पर नगर परिषद डुमरांव के उप सभापति विकास ठाकुर, अशोक गुप्ता, राजेश मिश्रा, विजय सिन्हा, आलोक कुमार सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बाल श्रम पर अब सख्ती, मजदूरों का होगा निबंधन

- **जिलाधिकारी ने श्रम विभाग की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश**

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में श्रम संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में बाल श्रम उन्मूलन से लेकर मजदूरों के निबंधन और उन्हें योजनाओं से जोड़ने तक कई अहम बिंदुओं पर चर्चा हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने साफ शब्दों में कहा कि जिले में बाल श्रम किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने श्रम संसाधन विभाग को निर्देशित किया कि जिले में संचालित सभी प्रतिष्ठानों की नियमित जांच की जाए और जहां भी बाल श्रमिक पाए जाएं, वहां तुरंत कार्रवाई हो। बाल श्रमिकों को विमुक्त कराने के साथ-साथ संबंधित प्रतिष्ठान पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से श्रमिकों के लिए कई महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन लाभ तभी मिलेगा जब मजदूरों का विधिवत निबंधन होगा। खासकर निर्माण कार्य में लगे मजदूरों का निबंधन कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। निबंधन के बाद ही ये मजदूर प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन, मुख्यमंत्री निबंधित श्रमिक योजना, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और बच्चों की शिक्षा से जुड़ी योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे।

जिलाधिकारी ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि विभागीय लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मजदूरों तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के लिए गांव-गांव में जागरूकता अभियान चलाया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि मजदूरों को योजनाओं का लाभ पाने में किसी प्रकार की दिक्कत न हो।

बैठक में श्रम अधीक्षक बक्सर सहित सभी श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी और संबंधित अधिकारी मौजूद थे। श्रम अधीक्षक ने बताया कि जिले में कई मजदूर पहले से निबंधित हैं, लेकिन अब अभियान चलाकर अधिक से अधिक श्रमिकों को पंजीकृत किया जाएगा। साथ ही बाल श्रम रोकने के लिए निरीक्षण टीमों को सक्रिय किया गया है।

बैठक का समापन जिलाधिकारी ने यह कहते हुए किया कि श्रमिकों की सुरक्षा और कल्याण सरकार की प्राथमिकता है। बाल श्रम उन्मूलन और मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रशासन पूरी गंभीरता से काम करेगा।

धनगाई रोड स्थित एक निजी विद्यालय के सभागार में बैठक आयोजित

आरोप : आंतरिक कलह के बाद कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष के विरुद्ध खोला मोर्चा

केटी न्युज/रोहतास

जिला कांग्रेस कमेटी में गहरे आंतरिक कलह के बाद मतभेद सार्वजनिक हो गए हैं। जिसे लेकर सोमवार को शहर के धनगाई रोड स्थित एक निजी विद्यालय के सभागार में बैठक आयोजित हुई। जिसमें कांग्रेस कार्यकताओं ने वर्तमान जिलाध्यक्ष अमरेंद्र कुमार पांडे के खिलाफ बगावत का झंडा बुलंद करते हुए उन पर मनमानी और संगठन को कमजोर करने के गंभीर आरोप लगाया है। बैठक की अध्यक्षता युवा कांग्रेस नेता मो.अय्यूब खान ने एवं संचालन काराकाट प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष गोपाल तिवारी ने की। अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता बाबा वैद्यनाथ चौबे

ने कहा की जिलाध्यक्ष द्वारा कार्यकताओं की अपेक्षा की जा रही है और उन्हें उचित मान सम्मान नहीं दिया जा रहा है।जिससे कार्यकर्ता नाराज है। उन्होंने कार्यकताओं के साथ अपनी एकजुटता जताई। बहुत सौभाग्य की बात है कि राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस के अध्यक्ष अमरेन्द्र कुमार पांडेय बने हैं। लेकिन चार पांच माह में ही कौन सी परिस्थिति बनी की कार्यकताओं में असंतोष की चिंगारी सुलग गई। करगहर विधायक संतोष मिश्रा एवं सासाराम सांसद मनोज राम सहित प्रदेश नेतृत्व एवं केंद्रीय नेतृत्व से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने एवं कार्यवाई की मांग की। इस तरह की बयानबाजी सार्वजनिक न कि जाए।जिससे कि संगठन और चुनाव पर इसका असर पड़े।वही रोहतास जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष मुन्ना भारती ने जिलाध्यक्ष पर जमकर हमला बोला उन्होंने आरोप लगाया कि अमरेंद्र कुमार पांडे ने बिना कोई कारण बताएं/शो कॉज को जारी किए दो प्रखंड अध्यक्षों नौहट्टा और रोहतास को बर्खास्त कर दिया।जो कांग्रेस पार्टी के संविधान का सीधा उल्लंघन है। भारती ने यहां तक दावा किया कि जिला अध्यक्ष स्वयं कांग्रेस के प्राथमिक सदस्य भी नहीं है।वहां मौजूद काराकाट प्रखंड अध्यक्ष गोपाल तिवारी ने भी जिला अध्यक्ष की कार्यशैली पर सवाल उठाए।उनका कहना था इस तरह की मनमानी से संगठन कमजोर हो रहा है।जबकि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी को एकजुट और मजबूत होने की सख्त जरूरत है। हालांकि इस आंतरिक विवाद के बीच बैठक में यह साकारात्मक फैसला भी लिया गया की पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सभी पुराने और नए कार्यकर्ता एक साथ मिलकर काम करेंगे। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में युवा कांग्रेसी मो.अय्यूब खान ने कहा कि अमरेंद्र कुमार पांडे के नेतृत्व में पार्टी कमजोर हो रही है उनमें पार्टी को मजबूत करने की कोई सार्थक क्षमता नहीं है। वही राहुल गांधी के वोटर अधिकार यात्रा में खर्च करने के लिए पार्टी आला कमान से आई राशि को गटक लिया गया। ऐसे जिला अध्यक्ष को अविलंब हटाया जाना चाहिए। अयूब खान ने कहा कि रोहतास जिला कांग्रेस कमेटी में बहुत कुछ अच्छा नहीं चल रहा है आने वाले समय में यहां कुछ और गुल खिलने वाले हैं मनमाने तरीके से संगठन चला रहे हैं मान-सम्मान नहीं दे रहे हैं।

मौके पर चितंजन मिश्रा,धनंजय दुबे,रामेश्वर पाल, दिलीप सोनी, जितेंद्र मेहता, विनय सोनी, सत्येन्द्र सिंह, मिथिलेश सिंह,गोपाल पांडेय,निर्मल कुमार मिश्रा,रौशन कुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

डीएम ने जिलास्तरीय खनन टास्क फोर्स को लेकर अधिकारियों साथ की बैठक

केटी न्युज/रोहतास

सोमवार को जिला पदाधिकारी, उदिता सिंह की अध्यक्षता में जिलास्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न की गई। जिसमें रोहतास जिला के जिलास्तरीय खनन टास्क फोर्स के सभी सदस्यों ने भाग लिया। उक्त बैठक में खनिज विकास पदाधिकारी, रोहतास द्वारा बताया गया कि, रोहतास जिला के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कुल 34535.76 लाख रुपए का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसमें 1 अप्रैल से 6 सितंबर 2025 तक कुल 5011.33 लाख रुपए की वसूली हुई है। तत्पश्चात जिला पदाधिकारी द्वारा विभाग से प्राप्त लक्ष्य के विरूद्ध शत प्रतिशत वसूली हेतु निदेशित किया गया। खनिज विकास पदाधिकारी रोहतास द्वारा बताया गया कि, रोहतास जिलान्तर्गत वर्त्तमान में 20 बालूघाटों में से कुल 9 बालूघाट संचालित है एवं कुल 3 बालूघाट यथा- रोहतास सोन ब्लॉक 8, 9ए, 9बी की पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने हेतु एसई आईएए बिहार पटना में मामला प्रक्रियाधीन है। जिलान्तर्गत प्रत्यार्पित कुल 05 बालूघाटों यथा रोहतास सोन ब्लॉक 01, 02, 06, 10, 15 एवं बंदोबस्ती राशि के किस्तों का भुगतान नहीं किये जाने के

कारण कुल 02 बालूघाट यथा रोहतास सोन ब्लॉक 04 एवं 12 की पुनः ई नीलामी हेतु कार्रवाई की जा रही है। एक बालूघाट सोन ब्लॉक-16 का मामला माननीय उच्च न्यायालय,पटना द्वारा सी डब्ल्यू आईसी नंबर 9808/2025 में 5 अगस्त 2025 को पारित आदेश के अलोक में नीलामी पर रोक लगायी गयी है। अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण के बिंदु पर खनिज विकास पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि वित्तीय वित्तीय वर्ष 2025-26 में 31अगस्त तक कुल 950 छापेमारी करते हुए 41 प्राथमिकी दर्ज की गयी है। जिसमें कुल 68 वाहनों को जप्त करते हुए 78.76 लाख रुपए जुमार्ना के रूप में वसूली की गई है।

जिला पदाधिकारी द्वारा सभी संबंधित पदाधिकारी को नियमित रूप से छापेमारी को बढ़ाने तथा नियमानुसार कार्रवाई करने हेतु निदेशित किया गया। बालू की उपलब्धता के संदर्भ में खनिज विकास पदाधिकारी द्वारा बताया गया की वर्तमान में रोहतास जिलान्तर्गत कुल 09 बालूघाटों के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति में वर्णित प्रावधानों के आलोक में 15 जून से 15 अक्टूबर 2025 तक बालूघाटों पर बालू खनन पर्यावरणीय हित में जिलान्तर्गत बालू बंदोबस्तधारियों द्वारा बालूघाट पर वर्षा ऋतु मीटर दूरी/सेकेन्ड्री लोडिंग स्थल तक बालू भंडारित है। जिससे वर्षा ऋतु में सुगमता पूर्वक उचित मूल्य पर कार्य विभागों एवं आमजन को बालू उपलब्ध कराया जा रहा है। रोजगार सृजन के दृष्टिकोण से रोहतास जिलान्तर्गत बालू एवं गिट्टी के भंडारण एवं बिक्री हेतु कुल 30 भंडारण अनुज्ञप्ति निर्गत है। जिससे भी वर्षा ऋतु में कार्य विभाग व आमजन द्वारा बालू का क्रय किया जा सकता है।

एक नजर

पुलिस ने शराब के साथ धंधेबाज को भेजा जेल

कैमूर । जिला में पुलिस ने शराब पर इन दिनों काफी गंभीर दिख रही है। क्यों कि राज्य सरकार के शराब बंदी को सफल बनाना है। इसलिए पुलिस का खास फोकस देखा जा रहा है। जहां कि इसी दौरान चैनपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर देउवा गांव में छापेमारी कर पांच पीस 180 एमएल का शराब बरामद किया गया है। मौके पर एक युवक को दबोच लिया गया है। जिसका पुलिस ने चैनपुर अस्पताल से मेडिकल जांच कराकर भभुआ जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार युवक चैनपुर थाना क्षेत्र के देउवा गांव के संजय साह के पुत्र रोहित कुमार बताया गया है। जो कि शराब बेचने का काम करता था। जिस पर पुलिस ने कार्रवाई कर जेल भेज दिया।

रास्ते विवाद को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़े,आठ लोग गिरफ्तार

बिक्रमगंज। थाना क्षेत्र के जोन्ही गांव में रास्ता विवाद को लेकर दो पक्ष आमने-सामने हो गए। दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई,जिसमें कुल पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज बिक्रमगंज अनुमंडलीय अस्पताल में कराया गया। घटना को लेकर दोनों पक्षों ने बिक्रमगंज थाना में एक-दूसरे के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है । पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों ओर से नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। थाना में दर्ज कांड संख्या 622/25 के तहत मंटू अंसारी,अरमान अंसारी,भुवरी उर्फ नरगीस परवीन तथा सलमा खातून को गिरफ्तार किया गया। जबकि कांड संख्या 623/25 में ओहाब खान उर्फ बहाव खान,उष्मा बानो,सलमा खातून एवं अलिसा खातून उर्फ रानी खातून की गिरफ्तारी हुई। इसके अतिरिक्त दर्ज कांड संख्या 624/25 के तहत जोन्ही गांव निवासी गौरव सिंह को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि सभी गिरफ्तार 9 अभियुक्तों को आवश्यक जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

शराब के खिलाफ पुलिस ने छापेमारी कर धंधेबाज को दबोचा

कैमूर । जिला क्षेत्र के चैनपुर थाना पुलिस ने शराब के विरुद्ध एक बड़ी करवाई की है। जहां कि विशेष छापेमारी में एक युवक को बड़ी संख्या में शराब के साथ दबोचा गया। और साथ में एक मोटरसाइकिल भी बरामद किया गया है। इसके बाद पुलिस ने चैनपुर अस्पताल से मेडिकल जांच कराकर भभुआ जेल भेज दिया गया। घटना के संबंध में चैनपुर पुलिस ने बताया कि चैनपुर थाना क्षेत्र के हाटा नहर के पास गुप्त सूचना के आधार पर विशेष छापेमारी किया गया। जहां कि चेकिंग के दौरान एक मोटरसाइकिल का जांच पड़ताल पुलिस ने किया तो उसके पास से 180 एमएल का 239 पीस शराब पुलिस को हाथ लगी। जब इसमें यह भी पाया गया कि जो मोटरसाइकिल का शराब में प्रयोग लायी गई है। वह भी बिना नम्बर का गाड़ी है। इसके बाद पुलिस ने आगे की करवाई करते हुए उस शराब कारोबारी को जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार शराब कारोबारी चैनपुर थाना क्षेत्र के हाटा नगर पंचायत के अंगद चौहान के 15 वर्षीय पुत्र राज कुमार चौहान बताया गया है। जो कि शराब लें जाकर बेचने का काम करता था। लेकिन पुलिस ने उनके मंसूबे पर पानी फेर कर एक बड़ी करवाई कर उन्हें दबोच लिया।

रोहतास डीएम की पहल पर स्लम एरिया के 13 बच्चियों का विद्यालय में हुआ नमांकन

केटी न्युज/रोहतास

सोमवार जब बेटी आगे बढ़ती है, तो दुनिया दस्तूर बदलती है, यह कहावत रोहतास जिले में चरितार्थ हुई है। जिलाधिकारी उदिता सिंह की पहल पर कोचस के स्लम एरिया के कुल 13 बच्चे अब स्कूल की चौखट तक पहुंच गए हैं। विदित हो कि दो दिन पहले जिलाधिकारी कोचस क्षेत्र में निरीक्षण करने गयी थीं। जहां उन्होंने सड़क किनारे एक दुलारी नामक छोटी बच्ची को बर्तन धोते देख उससे बातचीत की। बच्ची की स्थिति जानने के बाद उन्होंने मौके पर ही जिला शिक्षा पदाधिकारी को आदेश दिया कि सोमवार तक बच्ची का विद्यालय में नामांकन हर हाल में कराया जाए। डीएम के आदेश का परिणाम यह हुआ कि सोमवार को कोचस के पश्चिमी स्लम एरिया की दुलारी कुमारी सहित कुल 13 बच्चों का नामांकन मध्य विद्यालय, कोचस में कराया गया। जिन बच्चों का नामांकन हुआ उसमें कृष्ण कुमार, सलोनी कुमारी, नंदनी कुमारी, राहुल कुमार, अंशु कुमारी, नीतीश कुमार, चांदनी कुमारी, पिंकी कुमारी,भोलाशंकर चौहान, सूरज कुमार, मधु कुमारी, प्रिया कुमारी और दुलारी कुमारी शामिल हैं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि स्लम क्षेत्रों में विशेष निरीक्षण चलाकर राशन कार्ड,आवास योजना और खाद्यान्न वितरण की स्थिति की जांच की जाए और हर जरूरतमंद तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए।

स्वास्थ्य वृद्धावस्था नाट्य जीवन पर आधारित कार्यक्रम का आयोजन

केटी न्युज/रोहतास

विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित नारायण इंस्टिट्यूट ऑफ एलाइड एंड हेल्थकेयर साइंसेज के फिजियोथैरेपी विभाग के तत्वावधान में स्वस्थ वृद्धावस्था विषय पर आधारित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में फिजियोथेरेपी का प्रशिक्षण ले रहे छात्र-छात्राओं को बुजुर्गों के साथ उनके जीवन शैली में सुधार कर उन्हें सहज बनाने पर फोकस किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के सचिव गोविंद नारायण सिंह एवं प्रतिकुलपति डॉ. जगदीश सिंह ने उपस्थित शिक्षकों एवं छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में फिजियोथेरेपी एक महत्वपूर्ण विधा के रूप में जानी जा रही है।उम्र दराज होने के बाद लगभग सभी लोगों को इसकी आवश्यकता पड़ रही है। उन्होंने कहा कि फिजियोथेरेपी बगैर औषधि का उपयोग किये कौशल पूर्ण तरीके से व्यक्ति को शारीरिक समस्याओं का समाधान करता है। चाहे वह हड्डी फ्रैक्चर का मरीज हो अथवा कोई अन्य शारीरिक दर्द की समस्याएं हों, सभी में कारगर साबित हो रहा है। अवसर पर नारायण मेडिकल कॉलेज के अस्थि रोग विभाग अध्यक्ष तथा विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण डीन डॉ. अंशुमान ने संबोधित करते हुए कहा कि फिजियोथेरेपी सेवा की भारत के अलावा विदेशों में काफी मांग है तथा इसके छात्र अपने सामर्थ्य और कौशल से स्वतंत्र रूप से कार्य करके काफी ख्याति अर्जित कर सकते हैं। अवसर पर संकाय के डीन डॉक्टर नीरज कुमार ने सभी आगत अतिथियों का स्वागत किया एवं इस महत्वपूर्ण अवसर पर समय देने के लिए आभार प्रकट किया। कार्यक्रम को विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉक्टर कुमार आलोक प्रताप, नारायण केयर के प्रभारी डॉ. अवनीश रंजन आदि ने भी संबोधित किया। मौके पर पैरामेडिकल के सभी शिक्षक गण भी उपस्थित थे। जो एक सप्ताह तक चलने वाले फिजियोथैरेपी शिविर के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले एवं पोस्टर प्रेजेंटेशन, वाद विवाद प्रतियोगिता तथा अन्य स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर अतिथियों द्वारा पुरस्कृत भी किया गया।

स्टेट हाइवे पर जलजमाव से आवागमन हुआ मुश्किल

केटी न्युज/रोहतास

बिहिया-बिहटा स्टेट हाइवे 102 पर बिहिया नगर के दक्षिणी छोर पर शिव मंदिर के समीप जलजमाव होने के कारण लोगों का आवागमन काफी मुश्किल हो गया है. आलम यह है कि सड़क पर पसरे नाली के पानी में घुसकर पैदल जाने वाले लोगों समेत अन्य वाहनों को भी आवागमन करना पड़ रहा है. मालूम हो कि शिव मंदिर के समीप लग रहे जलजमाव को लेकर करोड़ों रुपए की योजना स्वीकृत हो चुकी है फिर भी स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है. जानकारी के अनुसार बिहिया रेलवे ओवरब्रिज के दक्षिण दिशा में बिहिया-बिहटा हाइवे पर 250 मीटर तक पीसीसी सड़क निर्माण के साथ दो आरसीसी ड्रेन नाला बनाये जाने हैं. इस कार्य के लिए पथ निर्माण विभाग द्वारा जहां 93,13,077 लाख की लागत से कार्य कराया जाना है जिसमें 250 मीटर तक जलजमाव से क्षतिग्रस्त पीसीसी सड़क और सड़क से पईन के रास्ते आरसीसी नाला बनाकर पानी को बिहिया नहर में गिराये जाने की योजना है. वहीं दूसरी योजना बुडको द्वारा कार्यान्वित किया जाना है जिसकी लागत एक करोड़ 40 लाख रुपए की है. इस योजना में एक तरफ का नाला खदरा गांव होते हुए बियाड़ा इंडस्ट्रीयल एरिया के नाला में जुड़ेगा. स्टेट हाइवे से जलजमाव हटाने के लिए दो-दो योजनाओं के कार्यान्वित नहीं होने से जलजमाव की स्थिति से आवागमन मुहाल बना हुआ है जिससे हमेशा हीं दुर्घटना की आशंका बनी हुई है. इस संबंध में जदयू के प्रदेश राजनीतिक सलाहकार समिति के सदस्य लाल बहादुर महतो ने जिला प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर जलजमाव को हटवाने की मांग की है।

प्राकृतिक खेती विषय पर पांच दिवसीय किसान प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

केटी न्युज/रोहतास

कृषि विज्ञान केंद्र,रोहतास द्वारा सोमवार से प्राकृतिक खेती विषय पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन। प्रशिक्षण का उद्देश्य जीविका की कृषि सखियों को प्राकृतिक, जैविक एवं स्थायी कृषि पद्धतियों से अवगत कराना है। ताकि गांव-स्तर पर किसानों को प्रशिक्षित कर पर्यावरण के अनुकूल खेती को बढ़ावा दिया जा सकें। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्र प्रधान आर. के. जलज ने किया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में रसायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता, जल स्त्रोतों की गुणवत्ता तथा मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में प्राकृतिक खेती न केवल पर्यावरण-संरक्षण का

माध्यम है, बल्कि किसानों की आय वृद्धि का भी साधन बन सकती है। कार्यक्रम सत्र के दौरान

डॉ. रामाकांत सिंह ने प्राकृतिक खेती में जैविक खाद, जीवामृत, घनजीवामृत, वर्मी कम्पोस्ट से जुड़े इत्यादि उपयोग की विधियों पर चर्चा कर बताया कि इससे मिट्टी की जैविक गतिविधियां सशक्त होती हैं। जिससे फसल उत्पादन में बेहतरीन गुणवत्ता आती है। जबकि डॉ. रतन कुमार ने फल एवं सब्जी उत्पादन में प्राकृतिक खेती के लाभ, बीज उपचार, मल्चिंग जैसे विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि किस प्रकार कम लागत से प्राकृतिक खेती को अपनाकर अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में हरेंद्र कुमार,सुबेश कुमार,प्रवीन कुमार सहित केवीके टीम के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। मौके पर प्रशिक्षणार्थियों के साथ संवाद कर उन्हें कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया।

क्या है प्रशिक्षण की विशेषताएं : प्राकृतिक खेती की मूल अवधारणाओं की जानकारी। जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत आदि की निर्माण विधि। स्थानीय संसाधनों के उपयोग से कृषि उत्पादन। फसल विविधीकरण एवं फसल चक्र प्रबंधन,मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन। कीट एवं रोग नियंत्रण की जैविक विधियां। कार्यक्रम में कुल 30 कृषि सखियां भाग ले रही हैं। जो रोहतास जिले के विभिन्न प्रखंड सासाराम, नौहट्टा, रोहतास, संझौली, तिलौथू, नासरीगंज, चेनारी से चयनित की गई हैं। आयोजित प्रशिक्षण में सहभागी महिलाओं ने इस विषय को उपयोगी और व्यवहारिक बताते हुए, इसे अपने गांवों में लागू करने की प्रतिबद्धता जताई। वही आयोजित प्रशिक्षण 12 सितंबर आयोजित होगी। जिसमें प्रतिदिन विभिन्न विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे।

मुखिया ने अपने पर लगे आरोप को बताया निराधार, बोलें..विकास कार्यों में हो रही पारदर्शिता

केटी न्युज/रोहतास

जिला के तिलौथू प्रखंड क्षेत्र के हुरका पंचायत के बशीबीघा गांव में हो रहे नाला निर्माण को लेकर हाल ही में कुछ लोगों द्वारा अनियमितता का आरोप लगाया गया था। लेकिन यह आरोप निराधार है और पंचायत द्वारा कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ कराया जा रहा है। ग्राम पंचायत मुखिया ने स्पष्ट कहा है कि गांव का विकास हमारी पहली प्राथमिकता है। नाला निर्माण कार्य पंचायत की स्वीकृति और नियमानुसार ही कराया जा रहा है। गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग हो रहा है और किसी भी स्तर पर कोई गड़बड़ी नहीं है। गांव के कई ग्रामीणों ने भी मुखिया का समर्थन करते हुए कहा कि निर्माण कार्य पूरी तरह सही ढंग से हो रहा है। उनका कहना है कि कुछ लोग व्यक्तिगत स्वार्थ और दबाव बनाने की नीयत से गलत अफवाहें फैला रहे है। मुखिया ने यह भी कहा कि अगर किसी को निर्माण कार्य पर संदेह है तो वह खुले तौर पर स्थल निरीक्षण कर सकते हैं। सबकुछ पारदर्शी तरीके से किया जा रहा है और इसका पूरा ब्यौरा पंचायत रिकॉर्ड में दर्ज है। वही ग्राम पंचायत ने दोहराया कि विकास कार्य किसी दबाव या स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि गांव की जरूरत और जनता के हित में किया जा रहा है। जो मुखिया के बयान पर जारी खबर मुखिया को सकारात्मक रूप से प्रस्तुत करती है। साथ ही उन पर लगे आरोपों को निराधार व अफवाह बताती है। लेकिन इस खबर की राष्ट्रीय खबर सत्यापित नहीं करता है। साथ ही लोगों द्वारा मुखिया पर लगाए आरोप की सच्चाई जिला के विभागीय अधिकारियों द्वारा जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकता है।

मोदी 15 सितंबर को पूर्णिया से चार ट्रेनों के परिचालन का शुभारंभ कर सकते हैं

पीएम मोदी 15 सितंबर को देंगे बिहार को चार नई ट्रेनों की सौगात, पूर्णिया से होगा शुभारंभ

उत्तर बिहार में पहले से पांच अमृत भारत एक्सप्रेस का परिचालन हो रहा है। वंदे भारत का जोगबनी और दानापुर के बीच परिचालन से कोसी, मिथिलांचल के तिरहुत के लोगों को फायदा होगा देश के पीएम

व्यापार और यात्री सुविधाओं को बढ़ावा

मिली जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरपुर-हैदराबाद अमृत भारत एक्सप्रेस पहली सीधी ट्रेन सेवा होगी जो लगभग 3-5 हजार यात्रियों को फायदा पहुंचाएगी. यह सेवा क्षेत्रीय व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क को भी मजबूत करेगी. इसके अतिरिक्त नेपाल से जुड़े व्यापारिक संबंध भी मजबूत होंगे. सहरसा से अमृतसर के लिए अमृत भारत एक्सप्रेस भी शुरू होगी. यह ट्रेन सहरसा की दूसरी अमृत भारत एक्सप्रेस होगी जो पहले से चल रही सहरसा-लोकमान्य तिलक टर्मिनल ट्रेन के बाद है. इससे पूर्वी बिहार के लोगों को और विकल्प मिलेंगे।

नरेंद्र मोदी एक बार फिर बिहार आने वाले हैं। इस दौरान वह बिहार कोई कई तरह की सौगात देने वाले हैं। इसी कड़ी में जो जानकारी निकल कर सामने आई है। उसके मुताबिक बिहार में चार ट्रेनों की सौगात मिलने वाला है। इसके बाद खुशियों की लहर दौड़ पड़ी है। जानकारी हो कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 सितंबर को पूर्णिया से चार ट्रेनों के परिचालन का शुभारंभ कर सकते हैं। इसमें जोगबनी-दानापुर वंदे भारत, मुजफ्फरपुर-हैदराबाद अमृत भारत, सहरसा-अमृतसर अमृत भारत और जोगबनी से इरोड अमृत भारत शामिल है। इसमें वंदे भारत और दो अमृत भारत एक्सप्रेस मुजफ्फरपुर होकर गुजरेगी। इसके अलावा जोगबनी से इरोड (तमिलनाडु) के बीच भी एक अमृत भारत एक्सप्रेस का परिचालन होगा। मालूम हो कि उत्तर बिहार में पहले से पांच अमृत भारत एक्सप्रेस का परिचालन हो रहा है। वंदे भारत का जोगबनी और दानापुर के बीच परिचालन से कोसी, मिथिलांचल के तिरहुत के लोगों को फायदा होगा। इससे नेपाल तक व्यापारिक संबंध मजबूत होंगे। नेपाल आना-जाना और भी आसान होगा। वर्तमान में मुजफ्फरपुर से जोगबनी के लिए सिर्फ एक इंटरसिटी चलती है।मुजफ्फरपुर और हैदराबाद के बीच चलने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस पहली सीधी ट्रेन सेवा होगी। अब तक हैदराबाद के लिए मुजफ्फरपुर से सीधी ट्रेन सेवा उपलब्ध नहीं थी। इस ट्रेन से औसतन तीन से पांच हजार लोगों को फायदा होगा। यह मुजफ्फरपुर की पहली अमृत भारत एक्सप्रेस होगी। वहीं, सहरसा-अमृतसर अमृत भारत एक्सप्रेस का भी परिचालन शुरू होगा। सहरसा से यह दूसरी अमृत भारत एक्सप्रेस होगी। इससे पहले सहरसा-लोकमान्य तिलक टर्मिनल साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस का परिचालन हो रहा है। यह ट्रेन मुजफ्फरपुर होकर हाजीपुर के रास्ते लोकमान्य टर्मिनल के बीच चलती है।

गया जी आ रहे बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री

10 से 16 सितंबर तक गया प्रवास करेंगे, शिष्यों और भक्तों को एकादश भागवत कथा सुनाएंगे

एजेंसी। गयाजी

पितृपक्ष मेले के बीच बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री 10 सितंबर को गया जी पहुंचेंगे। वे यहां अपने शिष्यों के साथ पितरों की आत्मशांति के लिए पिंडदान, तर्पण और त्रिपिंडी श्राद्ध कराएंगे। साथ ही एकादश भागवत कथा का आयोजन भी होगा।गया जी तीर्थ के पुरोहित गजाधर लाल कटरियार ने सोमवार को बताया कि पंडित शास्त्री के आने की सूचना मिली है। उन्होंने बताया कि शास्त्री के पूर्वज भी गया आकर अपने पितरों का पिंडदान और तर्पण कर चुके हैं। उनके वर्षो पुराने बही-खाते में इसका उल्लेख और हस्ताक्षर मौजूद है।बागेश्वर धाम सरकार ने अपने फेसबुक पेज पर भी गया जी आने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि वे 10 से 16 सितंबर तक गया प्रवास करेंगे। इस दौरान अपने शिष्यों और भक्तों को एकादश भागवत कथा सुनाएंगे और श्राद्ध कार्य कराएंगे। हालांकि इस दौरान उनका दिव्य दरबार आयोजित नहीं होगा। कहां होगा कथा और पिंडदान का आयोजन, यह फिलहाल तय नहीं है। हालांकि बताया जा रहा है कि पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री बोधगया के एक निजी रिसॉर्ट में ठहरेंगे और वहीं कथा एवं श्राद्ध कार्य सम्पन्न कराएंगे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 में भी उन्होंने इसी स्थान पर अपने शिष्यों के साथ कथा कराई थी।

परियोजना का शिलान्यास मुख्यमंत्री नीतीश कुमार वर्चुअल माध्यम से करेंगे

मुजफ्फरपुर जिले के बागमती नदी पर 814 करोड़ की लागत से बनेगा हाईटेक पुल : सीएम नीतीश

एजेंसी। पटना

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के औराई में बागमती नदी पर एक उच्चस्तरीय पुल का निर्माण होने जा रहा है। यह परियोजना 814 करोड़ 22 लाख 18 हजार रुपए की लागत से पूरी की जाएगी और इसमें पुल-पुलिया निर्माण, बाईपास निर्माण, उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण कार्य भी शामिल हैं। इस परियोजना का शिलान्यास मुख्यमंत्री नीतीश कुमार वर्चुअल माध्यम से करेंगे। कार्यक्रम स्थल पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन और जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी की मौजूदगी में कायारंभ किया जाएगा।पथ निर्माण विभाग की ओर से इस परियोजना का टेंडर पूरा हो चुका है, जिसमें बीएनसी कंपनी को कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके तहत बागमती नदी पर मुख्य पुल के अलावा, गरहां, अतरार, बभनगामा और औराई पथ पर 21.30 किलोमीटर लंबाई में पुल और पुलिया का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा, बाईपास निर्माण एवं सड़कों के उन्नयन और सुदृढ़ीकरण का भी कार्य इस परियोजना में शामिल है। रविवार को स्थानीय विधायक ने पटना स्थित अपने आवास पर पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन का अभिनंदन किया और इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए धन्यवाद दिया। इस पुल और सड़क निर्माण के पूरा होने के बाद, औराई से मुजफ्फरपुर की दूरी घटकर मात्र 30 किलोमीटर रह जाएगी। वर्तमान में यह दूरी रून्नीसैदपुर होते हुए लगभग 55 किलोमीटर है।

हसनी चांदपुरा में नदी पर सात करोड़ की लागत से होगा पुल निर्माण

प्रखंड के हसनी चांदपुरा गांव से गुजरने वाली वाया नदी पर पुल निर्माण कार्य की आधारशिला विधायक राजेश कुमार सिंह ने रविवार को रखी। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि यहां के लोगों की यह चीर प्रतिक्षित मांग थी। इसे पूरा कर आज मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता रामेश्वर पासवान ने की। संचालन जितेन्द्र चौहान ने किया। बताते हैं कि पुल निर्माण मुख्यमंत्री सेतु योजना के तहत लगभग सात करोड़ की लागत से होगर। विभागीय स्वीकृति मिल चुकी है। पुल के अभाव में मोहिउद्दीनगर बाजार, करीमनगर, बहादुर चक सहित दर्जनों गांव के लोगों को लंबी दूरी तय अनुमंडल मुख्यालय व मो नगर मुख्य बाजार आना पडता है। अब इसके निर्माण हो जाने से यह दूरी काफी कम होगी व यातायात सरल हो जाएगा। मौके पर अमित कुमार सिंह गुल्लू, जितेश कुमार सिन्हा, लालबाबू पासवान, सुरेंद्र पासवान, शिव शंकर राम, प्रकाश कुमार साह,सुभाष चौधरी, विजय राय,प्रवीण चक्रवर्ती,नसीमा खातुन, विजय चौधरी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर आधारित पुस्तक 'विकास पुरुष' का भव्य लोकार्पण

एजेंसी। पटना

प्रख्यात लेखक मुरली मनोहर श्रीवास्तव द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के व्यक्तित्व और कार्यों पर आधारित पुस्तक 'विकास पुरुष' का लोकार्पण बिहार विधान परिषद सभागार में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव और बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने संयुक्त रूप से पुस्तक का विमोचन किया। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार विधान परिषद उपसभापति प्रो राम वचन राय ने किया। लेखक मुरली मनोहर श्रीवास्तव ने बताया कि इस पुस्तक के माध्यम से उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संघर्ष, दृष्टिकोण और विकासोन्मुख सोच को शब्दों में पिरोने का प्रयास किया है। विधानसभा अध्यक्ष अवधेश नारायण सिंह ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री को विकास कार्यों को प्रारंभिक दौर से देखता आ रहा हूँ। इन्होंने विकास कार्य को प्राथमिकता दी है। लेखक मुरली जी ने इस पुस्तक के माध्यम से नीतीश सरकार की क्षवि को बहुत ही करीने से प्रस्तुत करने का सफल प्रयास किया है। विधान परिषद के सभापति नन्द किशोर यादव ने कहा- बिहार का गौरवशाली इतिहास है। नीतीश जी ने बिहार में बसावट तक कनेक्टिविटी कर बिहार को विकसित राज्य बना दिया है। मुरली मनोहर श्रीवास्तव ने विकास पुरुष पुस्तक में उन सारे विकासात्मक तथ्यों को भी उजागर किया है जो नई पीढ़ी को जानना बहुत जरूरी है। विशिष्ट अतिथि प्रो. नवल किशोर यादव ने अपने सम्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री के विकास कार्य ही उनकी पहचान है। नीतीश जी खुद में ही इतिहास पुरुष बन चुके हैं। बिहार धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो रणबीर नन्दन ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कार्य बोल रहा है। इन्होंने इतना कार्य किया है कि पूरी दुनिया इनकी मुरीद है। पूर्व मंत्री श्याम रजक ने अपने सम्बोधन में कहा कि नीतीश जी ने बिहार के विकास में खुद को पूरी तरह झोंक दिया आज उसी का नतीजा है कि बिहार अलग पहचान कायम कर चुका है। वरिष्ठ पत्रकार सुजीत झा ने कहा नीतीश जी की कार्यशैली ही उनकी पहचान बन चुकी है। इन पर इतना बेहतर काम किया है मुरली जी ने यह गौरव की बात है। किरण पब्लिकेशन के प्रबंधक निदेशक संकेत कुमार ने कहा हम गर्व करते हैं कि बिहारी हैं और मुख्यमंत्री जी ने बिहार के अस्तित्व को पुनः स्थापित कर दिया। किरण पब्लिकेशन समूह के सीएमडी सत्यनारायण प्रसाद ने कहा मेरे लिए गौरव का क्षण है कि साहित्यिक पुस्तक पहली बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का हमारे पैनग्राम पब्लिशर्स ने प्रकाशित किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बिहार विधान परिषद के उपसभापति प्रो रामवचन राय ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि यह कृति नीतीश कुमार के राजनीतिक जीवन, सुशासन, और बिहार के विकास में उनके योगदान को गहराई से उजागर करती है।

शुरू होते ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना

- **लाभुकों से वसूले जा रहे रुपए**

एजेंसी। पूर्णिया

पूर्णिया में शुरू होते ही मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। महिलाओं से लाभ दिलाने के नाम पर 500 रुपये की अवैध वसूली की जा रही है। स्थानीय महिलाओं ने संबंधित कर्मियों पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है।पूर्णिया के डगरूआ प्रखंड के दुबेली पंचायत स्थित आसजा मोबैया गांव में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं को रोजगार के लिए 10 हजार रुपये दिलाने के नाम पर जीविका दीदी से पांच सौ रुपये की मांग करने का मामला सामने आया है। योजना का लाभ मिलने से पहले किश्त के नाम पर अवैध वसूली का खेल शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि ग्रुप का सीएम गुलशन प्रवीण ने 15 समूहों की जीविका दीदी से 500 रुपये की मांग की। महिलाएं कहती हैं कि यदि रिश्वत नहीं देंगे तो उनके कागजात को रोक दिया जाएगा योजना का लाभ नहीं मिलेगा। इन ग्रुपों में रहीम ग्रुप, मुस्कान ग्रुप, खुशी ग्रुप, साजन ग्रुप समेत कई अन्य शामिल हैं। अशिया खातून, रजिया प्रवीण, मसूरा खातून और बिजलो प्रवीण समेत कुल 6 महिलाओं ने आरोप लगाते हुए कहा कि रोजगार के किश्त दिलाने के नाम पर बार-बार 500 रुपये की डिमांड की जा रही है। अशिया खातून ने बताया कि जब 500 रुपये देने से इनकार किया तो उनसे कम से कम 200 रुपये देने की मांग की। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर धांधली करने वाले पर कार्रवाई कब होगी।

बोलेरो-ट्रक की भीषण टक्कर में 11 लोग घायल

सारण। बिहार के सारण जिले के सोनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पहलेजा-सोनपुर रोड पर रविवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। खड़ी ट्रक में एक अनियंत्रित बोलेरो ने जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें बोलेरो सवार 11 लोग घायल हो गए। सभी यात्री झारखंड के देवघर में बाबा बैद्यनाथ धाम जलाभिषेक कर वापस लौट रहे थे और सोनपुर पहलेजा घाट से जल लेकर मुजफ्फरपुर के बाबा गरीबनाथ मंदिर में जल चढ़ाने जा रहे थे। घटना के तुरंत बाद इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोग और राहगीर मौके पर पहुंचे और घायलों को तुरंत सोनपुर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद 8 घायलों को बेहतर इलाज के लिए हाजीपुर स्थित सदर अस्पताल रेफर कर दिया। बोलेरो दुर्घटना में पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि बोलेरो चालक मौके से फरार हो गया है।

पटना, गया, भागलपुर, पूर्णिया, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, रोहतास, सासाराम, बक्सर, अररिया, कटिहार जिले शामिल

पटना में झमाझम बारिश, बिहार के कई जिलों में बारिश-वज्रपात का अलर्ट

एजेंसी। पटना

बिहार में एक बार फिर मानसून सक्रिय हो गया है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले सात दिनों तक राज्य के कई हिस्सों में बारिश और वज्रपात के आसार हैं। पटना, गया, भागलपुर, पूर्णिया, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, रोहतास, सासाराम, बक्सर, अररिया, कटिहार जिले शामिल हैं। हालांकि कहीं-कहीं पर ही जोरदार बारिश होगी, बाकी इलाकों में रुक-रुक कर या हल्की बौछारें पड़ सकती हैं। इन इलाकों में वज्रपात के भी आसार जताए हैं। वहीं रविवार रात को पटना के कई इलाके में बारिश हुई। इससे गर्मी से थोड़ी राहत जरूर मिली लेकिन उमस ने काफी परेशान किया। आज सुबह से ही धूप छांव का खेल जारी था, लेकिन दोपहर बाद करीब ढाई बजे झमाझम बारिश ने पटना को भिगो दिया।मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम राजस्थान और उससे सटे इलाकों में बने दबाव क्षेत्र का असर अब पूर्व-मध्य भारत तक देखने को मिलेगा, जिसका सीधा असर बिहार के मौसम पर भी पड़ेगा। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, 10 सितंबर से 13 सितंबर के बीच बिहार के अधिकतर जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। खास तौर पर पश्चिम, उत्तर-मध्य और उत्तर-पूर्व बिहार में कई स्थानों पर बारिश के आसार हैं। दक्षिण बिहार के जिलों में भी कुछ जगहों पर बादल बरस सकते हैं। राज्य में अगले 48 घंटे के भीतर अधिकतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है, लेकिन इसके बाद तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। वहीं न्यूनतम तापमान में भी अगले 5 दिनों तक कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। मौसम विभाग ने किसानों और आम लोगों से अपील की है कि वे मौसम की जानकारी पर नजर रखें और खेतों में अनावश्यक जलभराव से बचने के उपाय करें। खासकर जिन जिलों में अगले दिनों में लगातार बारिश की संभावना है, वहां प्रशासन भी सतर्कता बरतने के निर्देश दे सकता है।

सुभाषितम्

मिलने पर मित्र का आदर करो, पीठ पीछे प्रशंसा करो और आवश्यकता के समय उसकी मदत करो। - जातक कथा

आत्महत्या और नशा चिंतनीय

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की जोधपुर में हुई हालिया बैठक में देश की आर्थिक और सामाजिक वास्तविकताओं पर विभिन्न संगठनों के प्रमुख वक्ताओं द्वारा अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। मुरली मनोहर जोशी ने देश की आर्थिक स्थिति को बताते हुए सरकार के गाल में तमाचा मारा है। इस तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला में वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने मोदी सरकार के 11 वर्षों के शासन का विश्लेषण करते हुए उसके दोष एक-एक करके उजागर किए हैं। उन्होंने अपने अनुभव और विशेषज्ञता के आधार पर सरकार की विफलताओं को बेधड़क संघ के सामने रखा। सबसे महत्वपूर्ण चिंता देश में बढ़ती आत्महत्या की घटनाएं और नशे का विकराल प्रभाव जो बड़ी तेजी के साथ शहरों से गांव तक पहुंच गया है। बड़ी संख्या में युवा नशे की चपेट में आ गए हैं। नशे का कारोबार पिछले 10 वर्षों में बड़ी तेजी के साथ बढ़ा है। रासायनिक ड्रग्स का बढ़ता कारोबार और युवाओं को नशे की लत को लेकर जोशी ने सरकार पर कड़ा प्रहार किया है। जोशी जी ने चिंता व्यक्त की, भारत में 10 से 17 साल की उम्र के 1 करोड़ 58 लाख बच्चे नशीली दवाओं के आदी बन चुके हैं। दिल्ली में सड़क किनारे फुटपाथ पर रहने वाले एक तिहाई बच्चे नशे की गिरफ्त में हैं। एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं, 2018 में 1.34 लाख आत्महत्या के मामले सामने आए थे। जो 2022 में बढ़कर 1.70 लाख हो गये हैं। 2019 से 2021 के बीच में 3950 छात्रों ने आत्महत्या की है। पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रोफेसर जोशी ने यह आंकड़े बैठक में रखते हुए भयावह स्थिति का वर्णन किया। उन्होंने कहा यह आंकड़े दशार्ते हैं, हमारे देश की युवा पीढ़ी संकट के दौर से गुजर रही है। मुरली मनोहर जोशी ने देश की आर्थिक स्थिति और सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि भारत की कुल घरेलू संपत्ति का 65प्रतिशत हिस्सा केवल 10प्रतिशत लोगों के पास एकत्रित हो गया है। मोदी सरकार भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बताकर गर्व करती है। वास्तविक स्थिति यह है कि प्रति व्यक्ति भारत में जीडीपी मात्र 2878 डॉलर है। जबकि जापान में प्रति व्यक्ति यह आय लगभग 34,000 डॉलर है। इससे स्पष्ट है कि देश में आम जनता का समुचित आर्थिक विकास का लाभ नहीं पहुंच रहा है। अर्थव्यवस्था का लाभ कुछ ही परिवारों तक पहुंच रहा है। इस पर जोशी ने बड़ी चिंता जताई है। जोशी जी ने विगत 10 वर्षों के सरकार के कामकाज का उल्लेख करते हुए कहा, भारत ने स्वदेशी उद्योगों और कृषि क्षेत्र की भारी उपेक्षा की है। सरकार ने जो भी नीतियां बनाई हैं उसका लाभ बड़े-बड़े कारपोरेट को हुआ है। उन्होंने कहा विदेशी निर्भरता ने देश की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डाला है। जिसके कारण स्थानीय रोजगार के अवसर बड़ी तेजी के साथ खत्म हुए हैं। सरकार की वर्तमान नीतियों के कारण राष्ट्रीय हित बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। वयोवृद्ध मुरली मनोहर जोशी ने बैठक में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को रेखांकित करते हुए कहा, भारत को कृषि और स्वदेशी उद्योग पर विशेष ध्यान देना चाहिए था। जिसकी उपेक्षा वर्तमान सरकार द्वारा बड़े स्तर पर की गई है। संघ प्रमुख मोहन भागवत सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने जोशी जी की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि जोशी जी ने बैठक में देश की वास्तविक स्थिति का सही आईना दिखाया है। उन्होंने महत्वपूर्ण तथ्यों को बेबाकी के साथ बैठक में रखा है। जोशी ने कहा इस बैठक की सार्थकता तभी है जब सरकार अपनी नीतियों में बदलाव करे। देश की वर्तमान दिशा पर इस गंभीर चिंतन के दौरान जो सहमति बनती हुई दिख रही है वह सरकार के लिए आगे चलकर मुसीबत खड़ी कर सकती है। देश की सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को समाप्त करने की दिशा में संघ परिवार का यह पहला कदम है। वर्तमान स्थिति में बदलाव के साथ काम करने की जिम्मेदारी सरकार के भरोसे नहीं छोड़ी जाएगी।

चिंतन-मनन

शांति के लिए संतुलन जरूरी है...

अति हमेशा नुकसान दायक है। यह नियम अच्छी और बुरी दोनों आदतों पर लागू होता है। ऋषि-मुनियों ने अति को वर्जित ही बताया है। बुद्ध ने एक शब्द दिया था मंझम मगन यानी मध्यम मार्ग। जीवन का यह संतुलन उन्हें एक दिन वह सब दिला गया जिसके लिए उनकी पूरी तपस्या थी। अपनी बोध प्राप्त की अवस्था में उनसे एक प्रश्न पूछा गया था जिसका उन्होंने बड़ा सुंदर उत्तर दिया था। किसी का प्रश्न था उनसे अब आपको क्या मिला? क्या वह प्राप्त हो गया जिसके लिए आपके सारे प्रयास थे? बुद्ध ने कहा- नया कुछ नहीं मिला, जो कुछ मेरे पास पहले से था, पाया ही हुआ था, पूर्व उपलब्ध था, उसका ज्ञान हो गया, पता चल गया उसका। वह दौलत अपने ही भीतर थी हम बाहर ढूंढ रहे थे। जिसके कारण बाहर निकला, वो तो मेरे भीतर निकला। हम दो भूलें कर जाते हैं या तो बिल्कुल बाहर संसार पर टिक जाते हैं या एकदम भीतर उतर जाते हैं। वे अतियां हमारे लिए हमारे अध्यात्म की दुश्मन बन जाती हैं। आचार्य श्रीराम शर्मा संसार में संतुलन से चलने के लिए एक अच्छा उदाहरण बताया करते थे। दुनिया में ऐसे चलो जैसे पानी में हाथी चलता है। हाथी जानता है पानी में जल्दबाजी करूंगा तो कीचड़ या गड्ढे में गिर सकता हूं। लिहाजा आगे और पीछे के पैर रखने में वह गजब का संतुलन बनाता है। बस, ऐसा ही संतुलन हमें बाहर और भीतर की यात्रा में रखना होगा। जैसे ही हम संतुलन में आते हैं हमारी अंतर दृष्टि स्पष्ट हो जाती है और हम स्वयं को पहचान जाते हैं। स्वयं को जानते ही परमात्मा दिख जाता है। भगवान होना नहीं पड़ता, बस यह समझना पड़ता है कि हम हैं ही भगवान। जरा सा स्वयं का पता लगा और दुनिया बदली। इसीलिए संतुलन जरूरी है संयम की अति से।

आखिर कब साकार होगा पूर्ण साक्षर भारत का सपना?

- योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर में लोगों को साक्षरता के महत्व के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 8 सितम्बर को विश्वभर में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जाता है। दुनिया से अशिक्षा को समाप्त करने के संकल्प के साथ आज 59वां अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जा रहा है। पहली बार यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) द्वारा 17 नवम्बर 1965 को 8 सितम्बर को ही अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसके बाद प्रथम बार 8 सितम्बर 1966 से शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने तथा विश्वभर के लोगों का इस ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिवर्ष इसी दिन यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया। वास्तव में यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों का ही प्रमुख घटक है। निरक्षरता को खत्म करने के लिए ईरान के तेहरान में शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन के दौरान वर्ष 1965 में 8 से 19 सितम्बर तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए पहली बार बैठक की गई थी और यूनेस्को ने नवम्बर 1965 में अपने 14वें सत्र में 8 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस घोषित किया। उसके बाद से सदस्य देशों द्वारा प्रतिवर्ष 8 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जा रहा है। साक्षरता दिवस के अवसर पर निरक्षरता समाप्त करने के लिए जन जागरूकता को बढ़ावा देने तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के पक्ष में वातावरण तैयार किया जाता है। यह दिवस लगातार शिक्षा को प्राप्त करने की ओर लोगों को बढ़ावा देने के लिए तथा परिवार, समाज और देश के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझने के लिए मनाया जाता है। दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है। साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में फिलहाल करीब चार अरब लोग साक्षर हैं लेकिन विडम्बना यह है कि आज भी विश्वभर में करीब एक अरब लोग ऐसे हैं, जो पढ़ना-लिखना नहीं जानते। तमाम प्रयासों के बावजूद दुनियाभर में 77 करोड़ से भी अधिक युवा भी साक्षरता की कमी से प्रभावित हैं अर्थात प्रत्येक पांच में से एक युवा अब तक साक्षर नहीं है, जिनमें से दो तिहाई महिलाएं हैं। आंकड़े बताते हैं कि 6-7 करोड़ बच्चे आज भी ऐसे हैं, जो कभी विद्यालयों तक नहीं पहुंचते जबकि बहुत से बच्चों में नियमितता का अभाव है या फिर वे किसी न किसी कारणवश विद्यालय जाना बीच में ही छोड़ देते हैं। कोरोना काल में यह समस्या और ज्यादा गहरी हुई। करीब 58 फीसदी के साथ सबसे कम व्यस्क साक्षरता दर के मामले में दक्षिण और पश्चिम एशिया सर्वाधिक पिछड़े हैं।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक विशेष थीम चुनी जाती है और इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम है डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना, जो संचार को बेहतर बनाने और विविध संस्कृतियों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देने के लिए कई भाषाओं में शिक्षा प्रदान करने के महत्व पर जोर देती है। पिछले साल साक्षरता दिवस बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देनाः आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरता थीम के साथ मनाया गया था। इस विशेष दिवस के लिए 2006 से लेकर अब तक निर्धारित थीम पर नजर डालें तो 2006 में सामाजिक प्रगति प्राप्ति पर ध्यान देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का विषय साक्षरता सतत विकास रखा गया था। वर्ष 2007 और 2008 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की विषय-वस्तु साक्षरता और स्वास्थ्य थी, जिसके जरिये टीबी, कॉलेरा, एचआईवी, मलेरिया जैसी फैलने वाली बीमारियों से लोगों को बचाने के लिए महामारी के ऊपर ध्यान केन्द्रित करने का लक्ष्य रखा गया था। वर्ष 2009 में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देने के लिए इसका विषय साक्षरता और सशक्तिकरण रखा गया था जबकि 2010 की थीम साक्षरता विकास को बनाए रखना थी। 2011 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए थीम साक्षरता और महामारी (एचआईवी, क्षय रोग, मलेरिया आदि संक्रमणीय बीमारियों) पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थी। 2012 में लैंगिक समानता और महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थीम थी साक्षरता और सशक्तिकरण। 2013 में शांति के लिए साक्षरता के महत्व पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए साक्षरता और शांति, 2014 में 21वीं शताब्दी के लिए साक्षरता, 2015 में साक्षरता और सतत विकास, 2016 में अतीत पढ़ना, भविष्य लिखना, 2017 में डिजिटल दुनिया में साक्षरता, 2018 में साक्षरता और कौशल विकास अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी। 2019 में साक्षरता और बहुभाषावाद, वर्ष 2020 में कोविड-19 संकट और उससे संबंधित शिक्षा और शिक्षण, 2021 में मानव-केन्द्रित पुनर्प्राप्ति के लिए साक्षरताः डिजिटल विभाजन को कम करना (लिटरेसी फॉर ए मन-सेंट्रड रिकवरीः नैरोइंग द डिजिटल डिवाइड), 2022 में ट्रांसफॉर्मिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेसेस (साक्षरता सीखने के स्थान को बदलना) तथा 2023 में संक्रमण काल में दुनिया के लिए साक्षरता को बढ़ावा देनाः टिकाऊ और शांतिपूर्ण समाजों की नींव का निर्माण (प्रोमोटिंग लिटरेसी फॉर ए वर्ल्ड इन ट्रांजिशनः बिल्डिंग द फाउंडेशन फॉर सस्टेनेबल एंड पीसफुल सोसायटीज) अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी।

बहरहाल, भारत हो या दुनिया के अन्य देश, गरीबी मिटाना, बाल मृत्यु दर कम करना, जनसंख्या वृद्धि नियंत्रित करना, लैंगिक समानता प्राप्त करना आदि समस्याओं के समूल विनाश के लिए सभी देशों का पूर्ण साक्षर होना बेहद जरूरी है। दरअसल साक्षरता ही सामाजिक विकास का आधार स्तंभ बन सकती है। साक्षरता में ही वह क्षमता है, जो परिवार और देश की प्रतिष्ठा बढ़ा सकती है। आंकड़े देखें तो दुनिया में 100 से भी अधिक देश अभी भी ऐसे हैं, जो पूर्ण साक्षरता हासिल करने के लक्ष्य से अभी दूर हैं और चिंता की बात है कि भारत भी इनमें शामिल है। हालांकि आजादी के बाद देश में साक्षरता दर काफी तेजी से बढ़ी है लेकिन अभी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है।

ट्रंप की नीति अमेरिका फर्स्ट को अमेरिकन ने ही नकारा

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता में आने के बाद अमेरिका फर्स्ट का नारा देते हुए व्यापार युद्धों की शुरूआत की और टैरिफ को अपनी आर्थिक नीति का प्रमुख हथियार बना लिया। उनका दावा रहा है कि इससे अमेरिकी उद्योग दोबारा खड़ा होगा और विदेशी आयात पर निर्भरता घटेगी। लेकिन हाल के आँकड़े और वैश्विक रेटिंग एजेंसियों की चेतावनियाँ उनके इन दावों की पोल खोल रही हैं। यह आंकड़ें और चेतावननी बता रही हैं कि कई अमेरिकन ने ही डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका फर्स्ट का नारा नकार दिया है। दरअसल, इस संबंध में ग्लोबल एजेंसी ह्यमूडीजह्न एनालिटिक्स ने स्पष्ट कहा है कि अमेरिका आज मंदी की कगार पर खड़ा है और सकल घरेलू उत्पाद का लगभग एक-तिहाई हिस्सा पहले से ही गंभीर संकट में फँस चुका है। रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका के कई राज्य या तो मंदी का सामना कर रहे हैं या निकट भविष्य में उसमें घिरने वाले हैं। केवल कुछेक राज्यों में ही आर्थिक वृद्धि दर्ज की जा रही है जबकि बहुसंख्यक राज्यों में ठहराव या गिरावट का माहौल है। यह परिदृश्य उस देश की असली हालत दिखाता है जो खुद को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कहता है। राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियों का सबसे गहरा प्रहार अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर हुआ है। आयात शुल्कों के कारण कच्चे माल और पुर्जों की कीमतें इतनी बढ़ गई हैं कि उत्पादन महँगा और अलाभकारी हो गया है। जिन उद्योगों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से लाभ मिल रहा था, वे अचानक महंगे उत्पादन की मार झेलने लगे हैं। रिपोर्ट के अनुसार अगस्त 2025 में अमेरिका का मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स घटकर 48.7 पर आ गया, जो लगातार छठा महीना है जब इस क्षेत्र में गिरावट दर्ज हुई। इंस्टीट्यूट फॉर सप्लाई मैनेजमेंट का सर्वे भी यही संकेत देता है कि उद्योगपतियों का विश्वास डगमगा चुका है और वे विस्तार की जगह सिमटने की रणनीति अपना रहे हैं। कई कंपनियाँ छंटनी कर रही हैं और नई नौकरियाँ देने से बच रही हैं। यह स्थिति महामंदी से भी बदतर बताई जा रही है। रोजगार के मोर्चे पर भी तस्वीर चिंताजनक है। ट्रंप प्रशासन ने बार-बार रोजगार सृजन का दावा किया लेकिन हकीकत इसके उलट है। सरकारी नौकरियों में कटौती ने हालात को और खराब कर दिया है। केवल जनवरी से मई के बीच वाशिंगटन डीसी क्षेत्र में ही बाईस हजार से अधिक सरकारी नौकरियाँ खत्म हो चुकी हैं। उत्तर-पूर्व और मध्य-पश्चिम के राज्य भी इससे प्रभावित हुए हैं। सरकारी नौकरियों की कटौती का असर केवल रोजगार तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह आम लोगों की आय और उपभोग क्षमता पर भी सीधा प्रहार करता है। जब लोगों के पास काम नहीं होगा तो उनकी खपत घटेगी और बाजार सिकुड़ेगा, जिससे मंदी का चक्र और गहराता जाएगा। इन सबके बीच अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज भी तेजी से बढ़ रहा है। आज यह कर्ज लगभग पैंतीस ट्रिलियन डॉलर तक पहुँच चुका है। कर कटौती और बढ़ते सैन्य व्यय ने इस बोझ को और बढ़ा दिया है। हालत यह है कि अमेरिकी बजट का एक बड़ा हिस्सा केवल ब्याज भुगतान में चला जाता है और शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा तथा बुनियादी ढाँचे जैसे अहम क्षेत्रों पर खर्च सीमित होता जा रहा है। दीर्घकाल में इसका असर अमेरिकी जनता की जीवनशैली और सामाजिक सुरक्षा पर पड़ना तय है।

ट्रंप लगातार दावा करते रहे हैं कि उनकी टैरिफ नीति अमेरिका को चीन जैसे देशों पर निर्भरता से मुक्त करेगी और घरेलू उद्योगों को नई ताकत देगी। लेकिन वास्तविकता यह है कि आयात महँगा होने से अमेरिकी उपभोक्ताओं पर सीधा बोझ पड़ा है। रोजमर्रा की वस्तुएँ महँगी हुई हैं, महँगाई बढ़ी है और उपभोग घटा है। व्यापारिक साझेदार देशों ने भी पलटवार करते हुए अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ लगाया है। इससे अमेरिकी निर्यात घटा है और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा कमजोर हुई है। जिस नीति को अमेरिका की मजबूती का औजार बताया जा रहा था, वही उसकी कमजोरी का कारण बन गई है। अमेरिका की मंदी का असर केवल उसके भीतर सीमित नहीं रहेगा बल्कि इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। जब अमेरिकी मांग घटेगी तो चीन, भारत, जापान और यूरोप जैसे देशों का निर्यात प्रभावित होगा। डॉलर की अस्थिरता वैश्विक वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल मचाएगी और विदेशी पूँजी का प्रवाह कमजोर होगा। उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव बढ़ेगा। ट्रंप की नीतियों ने अमेरिका को न केवल आर्थिक बल्कि कूटनीतिक मोर्चे पर भी अलग-थलग कर दिया है। व्यापार युद्धों ने सहयोगी देशों के बीच अविश्वास पैदा किया है और अमेरिका की साख पर गहरी चोट की है। यदि अमेरिकी प्रशासन को अपनी अर्थव्यवस्था को वास्तविक मजबूती देनी है तो उसे संरक्षणवाद छोड़कर निवेश और नवाचार की दिशा में कदम बढ़ाने होंगे। शिक्षा और कौशल विकास में निवेश, नई तकनीकों और हरित ऊर्जा को प्रोत्साहन और सामाजिक सुरक्षा तंत्र की मजबूती जैसे कदम ही अमेरिका को टिकाऊ विकास की ओर ले जा सकते हैं। लेकिन मौजूदा हालात में ट्रंप प्रशासन इन बुनियादी सुधारों की बजाय टकराव और दावों की राजनीति में उलझा हुआ दिखाई देता है। मूडीज की चेतावनी, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की गिरावट, सरकारी नौकरियों में कटौती और बढ़ते राष्ट्रीय कर्ज सब मिलकर यही संकेत देते हैं कि ट्रंप की नीतियाँ अमेरिका को मजबूती देने के बजाय और कमजोर कर रही हैं। अमेरिका फर्स्ट की आड़ में अपनाई गई टैरिफ रणनीति अल्पकाल में राजनीतिक लाभ तो दे सकती है, लेकिन दीर्घकाल में यह अमेरिका को मंदी, बेरोजगारी और वैश्विक अलगाव की ओर धकेल रही है। यदि जल्द ही ठोस और संतुलित नीतियाँ नहीं अपनाई गईं तो दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का यह डगमगाना पूरे वैश्विक आर्थिक ढाँचे को हिलाने का एक अहम कारण बनेगा।

स्वास्थ्य सुधारों की नई इबारत है शिशु मृत्यु दर में ऐतिहासिक गिरावट

- डॉ. निवेदिता शर्मा

भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश में स्वास्थ्य सेवाएँ हमेशा से एक जटिल चुनौती रही हैं। सीमित संसाधन, बड़ी जनसंख्या, ग्रामीण-शहरी असमानता और स्वास्थ्य ढाँचे की कमजोर स्थिति ने लंबे समय तक इस क्षेत्र को अपेक्षित ऊँचाई तक पहुँचने से रोके रखा। इसके बावजूद हाल के वर्षों में शिशु मृत्यु दर में लगातार गिरावट दर्ज होना उत्साहजनक संकेत है। भारत के महापंजीयक द्वारा जारी आँकड़े बताते हैं कि आम लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में देश ने उल्लेखनीय कदम बढ़ाए हैं। देखने में यही आ रहा है कि एक दशक पहले जहाँ शिशु मृत्यु दर प्रति हजार जीवित जन्म पर 40 थी, वहीं अब यह घटकर 25 तक पहुँच गई है। यह 37.5 प्रतिशत की गिरावट केवल सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं, इससे भी आगे योजनाओं और प्रयासों की सफलता का प्रमाण है। 2014 से पहले भी मातृ-शिशु स्वास्थ्य और टीकाकरण से जुड़ी योजनाएँ मौजूद थीं, किंतु उनका लाभ अंतिम छोर तक सीमित रूप से ही पहुँच पाता था। मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद इन योजनाओं को नए दृष्टिकोण के साथ लागू किया। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान ने गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय देखभाल की सुविधा दी। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना ने पहली बार गर्भधारण करने वाली महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की, जिससे वे गर्भावस्था के दौरान पोषण और स्वास्थ्य के प्रति अधिक सजग हो सकें। इसी दिशा में जननी सुरक्षा योजना और जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम जैसे प्रयासों ने सुरक्षित प्रसव की दर बढ़ाई और प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं को घटाया। नतीजतन, शिशु मृत्यु दर में लगातार कमी दर्ज हुई। आँकड़े बताते हैं कि ग्रामीण इलाकों में यह दर 44 से घटकर 28 और शहरी क्षेत्रों में 27 से घटकर 18 पर आ गई। यह बदलाव संकेत करता है कि स्वास्थ्य सेवाएँ अब गाँव-गाँव तक पहुँचने लगी हैं। शिशु मृत्यु दर में गिरावट का सबसे अहम कारण टीकाकरण का व्यापक कवरेज है। 2017 में शुरू हुआ इंटेंसिफाइड मिशन इंद्रधनुष बच्चों और गर्भवती महिलाओं के पूर्ण टीकाकरण को सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ। जहाँ पहले टीकाकरण की दर सीमित थी, वहीं अब यह 90 प्रतिशत से अधिक तक पहुँच चुकी है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने जो 200 करोड़ से अधिक टीके रिकॉर्ड समय में लगाए, भारत के संदर्भ में यह प्रयास स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ ही प्रशासनिक दक्षता का भी उदाहरण है। भारत की यह उपलब्धि वैश्विक स्तर पर सराही गई। यानी हम अब टीकाकरण अभियान की निर्णायक भूमिका में पहुंच चुके हैं, जिसके कि आज सार्थक परिणाम भी दिखाई देते हैं। मोदी सरकार ने 2018 में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर योजना शुरू कर 1.5 लाख से अधिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने का लक्ष्य रखा। इन केंद्रों में अब सामान्य बीमारियों के इलाज के साथ-साथ टेली मेडिसिन, गैर-संक्रामक रोगों की जांच और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। ई-संजीवनी नामक डिजिटल टेलीमेडिसिन सेवा ने गाँव-गाँव तक डॉक्टरों से ऑनलाइन परामर्श की सुविधा पहुँचाई। लाखों लोग इस सेवा से लाभान्वित हुए और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच अधिक समावेशी बनी।

आज का राशिफल

राशि	फल	राशि	फल
मेष	आपका ज्यादा समय सेवा तथा पुण्य के कार्यों में व्यतीत हो सकता है। धन खर्च करना भी पसंद करेंगे।	तुला	आज नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर ज्यादा मेहनत और प्रयास करने होंगे।
वृषभ	आज राजनीतिक क्षेत्र में प्रतिद्वंदी आपसे आगे निकलने का प्रयास कर सकते हैं।	वृश्चिक	कोई प्रोजेक्ट या सौदा आपके पक्ष में आ सकता है, जिससे थोड़ा सुकून महसूस होगा।
मिथुन	आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी।	धनु	सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों का दिन अच्छा रहने वाला है। आप सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे।
कर्क	आज कार्यक्षेत्र में आपके द्वारा लिए गए निर्णय लाभ दिलाने वाले रहेंगे, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।	मकर	आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी और कार्यक्षेत्र में कामकाज की स्थिति भी अच्छी बनी रहेगी।
सिंह	आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है और हर स्थान पर आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा।	कुंभ	कार्यक्षेत्र में किए प्रयासों से अच्छा लाभ प्राप्त होगा और सभी जरूरी काम समय पर पूरे हो जाएंगे।
कन्या	आपको कार्यक्षेत्र में एक साथ कई जिम्मेदारियों का सामना करना पड़ सकता है।	मीन	आज नौकरी करने वालों के लिए दिन बेहतरीन है। कार्यस्थल पर आपके सभी काम समय पर पूरे होंगे।

विशेष

सवालिया निशान?

विगत वर्षों में जिस तरह से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में सरकार के पक्ष में निर्णय किए जाते हैं, या फेसलों को टालकर न्यायपालिका सरकार की अप्रत्यक्ष मदद करती है। न्यायपालिका की भूमिका को लेकर अब जनता जन अदालत की बात करने लगी है। जन अदालत भीड़ तंत्र की होती है। वोट अधिकार यात्रा में यह बिहार में दिखने लगा है। चुनाव आयोग को लेकर जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट तारीख पर तारीख देकर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार की मदद कर रही है। उसको लेकर जनता के मन में न्यायपालिका को लेकर शंका बढती जा रही है। न्यायपालिका के प्रति आमजन का यह अविश्वास चिंता का कारण है। लोग बार-बार बांग्लादेश और श्रीलंका की याद करने लगे हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को सरकार अपनी सुविधा के अनुसार मानती है ,या कचरे के ढेर में डाल देती है।

मराठा आरक्षण

महाराष्ट्र में मराठाओं का आंदोलन सरकार के लिए जी का जंजाल बन गया है। एक से निपटते हैं, दूसरा खड़ा हो जाता है। मनोज जरान्गे को जैसे तैसे मना पठाकर वापस भेजा। अब छगन भुजबल सामने आकर खड़े हो गए हैं। मुख्यमंत्री फडणवीस को समझ नहीं आ रहा है, मराठाओं की इस लड़ाई से वह कैसे निपटे। वैसे भी मराठाओं की लड़ाई का इतिहास भरा पड़ा है। मुख्यमंत्री फड़नवीस को इतिहास से सबक लेने की जरूरत है। मराठाओं का इतिहास अच्छे से पढ़ लेंगे तो समस्या का समाधान भी निकल आएगा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1831: रूस ने वारसा पर कब्जा किया. 1855: क्रीमिया युद्ध समाप्त हुआ. 1915: रूस के जार निकोलस द्वितीय ने सेना की कमान भी अपने हाथ में ले ली. 1926: जर्मनी लीग ऑफ नेशंस का सदस्य बना. 1934: न्यू जर्सी के पास समुद्र में मोरो कैसिल जहाज में आग से 131 व्यक्तियों की मौत हुई. 1943: मित्र राष्ट्रों के सैनिक कमांडर डवाइट डी आजिनहावर ने द्वितीय विश्व युद्ध में इटली के बिना शर्त समर्पण की घोषणा की. 1944: जर्मनी ने पहली बार बी 2 राकेट से ब्रिटेन पर हमला किया. 1952: विश्व कापीराइट समझौते पर जेनेवा में 35 देशों ने हस्ताक्षर किए. 1962: चीन ने भारत के पूर्वी क्षेत्र पर हमला किया. 1982: जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री शेख अब्दुल्ला का निधन. 1987: मराके (वेनेजुएला) में भूस्खलन से राजमार्ग पर डेढ़ सौ से अधिक लोग मारे गए.

दैनिक पंचांग

सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति	
सूर्य	सिंह में
चंद्र	कुंभ में
मंगल	कन्या में
बुध	सिंह में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	कर्क में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कन्या	06.25 बजे से
तुला	08.36 बजे से
वृश्चिक	10.51 ब.से
धनु	13.07 बजे से
मकर	15.12 बजे से
कुंभ	16.58 बजे से
मीन	18.31 बजे से
मेष	20.02 बजे से
वृष	21.42 बजे से
मिथुन	23.40 बजे से
कर्क	01.53 बजे से
सिंह	04.10 बजे से

2025 वर्ष का 251 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण
तिथि प्रतिपदा 21.12 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाभाद्रपदा 20.03 बजे को समाप्त। **योग** धृति 06.30 बजे तदनन्तर शूल 03.20 बजे रात्र को समाप्त।
करण बालव 10.28 बजे तदनन्तर कौलव 21.12 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 15.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 05° 40'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872461
जूलियन दिन 2460926.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल **तारीख** 15
विशेष प्रतिपदा श्राद्ध।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मात्र 1500 रुपये में तैयार होगा लाइफ सपोर्ट सिस्टम वाला फोल्डेबल स्ट्रेचर, मिला पेटेंट

रांची, एजेंसी। एम्पावरिंग माइंड्स को बढ़ावा देते हुए बीआइटी मेसरा के पूर्ववर्ती छात्र सह शहर के शिक्षाविद् डा. राहुल कुमार ने अब तक 45 से अधिक शोध कार्यों का पेटेंट कराकर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हालिया रिसर्च में उन्होंने लाइफ सपोर्ट सिस्टम वाला फोल्डेबल स्ट्रेचर एक अभिनव डिजाइन को डेवलप किया है, जिसका उद्देश्य आपातकालीन चिकित्सा देखभाल को बेहतर बनाना है। सिर्फ 1500 रुपये में तैयार इस डिजाइन में कई आधुनिक फीचर्स को समाहित किया गया है। यह पोर्टेबल, काम्पैक्ट स्ट्रेचर आक्सीजन आपूर्ति अनुकूलता, स्टैंड प्रविधान और रोगी सुरक्षा पट्टियों जैसी बुनियादी जीवन रक्षक सुविधाओं को एकीकृत करता है। कम कीमत में तैयार इस डिजाइन को पेटेंट कराने के साथ साथ इसके व्यवसायिक तौर पर निर्माण कराने को लेकर भी डा. राहुल प्रयासरत हैं। उनका कहना है कि लाइफ सपोर्ट सिस्टम वाला फोल्डेबल स्ट्रेचर एंबुलेंस, सैन्य उपयोग और आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों के लिए आदर्श है। हाल ही में केंद्र सरकार के पेटेंट कार्यालय द्वारा पंजीकृत, यह डिजाइन व्यावहारिक, जीवन रक्षक नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें गतिशीलता, दक्षता और गंभीर परिस्थितियों में रोगी देखभाल पर ध्यान केंद्रित किया गया है। डा. राहुल ने बताया कि लाइफ सपोर्ट सिस्टम वाला फोल्डेबल स्ट्रेचर डिजाइन अधिनियम 2000 के तहत 10 वर्षों के लिए संरक्षित है, जिसे 15 वर्षों तक बढ़ाया जा सकता है।

भाजपा दिल्ली के इशारे पर नाचना छोड़े, जेएमएम महासचिव विनोद पांडेय ने बीजेपी पर लगाए गंभीर आरोप

रांची, एजेंसी। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव व प्रवक्ता विनोद पांडेय ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सत्ता से बेदखल भाजपा समानांतर सरकार चलाने के भ्रम में है। भ्रम फैलाकर जनता को गुमराह करना ही भाजपा का एजेंडा है। उन्होंने सूर्या हांसदा प्रकरण में भाजपा की राजनीति को आदिवासी समाज का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि झामुमो विधायक हेमलाल मुर्मू ने सूर्या के आपराधिक रिकॉर्ड को सार्वजनिक किया है। भाजपा उसे सामाजिक कार्यकर्ता बताकर जनता को भटकाने की कोशिश कर रही है। पांडेय ने पूछा कि क्या सूर्या से जुड़े अवैध खनन और तस्करी में भाजपा के चेहरे शामिल नहीं हैं? उन्होंने भाजपा से दिल्ली के इशारों पर नाचना बंद कर हेमंत सरकार को अस्थिर करने के षड्यंत्र को त्यागने की मांग की। नगड़ी भूमि विवाद पर विनोद पांडेय ने कहा कि हेमंत सरकार रैयतों के अधिकारों की रक्षा और विकास को संतुलित कर रही है। विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा के पास न जनादेश है, न ठोस मुद्दा। वह सीबीआई या भूमि विवाद जैसे बहानों से जनता को गुमराह कर रही है। यदि मरांडी आदिवासी हितैषी हैं तो केंद्र से झारखंड के बकाया खनिज राजस्व, विशेष पैकेज और एमएसपी गारंटी की मांग करें। उन्होंने भाजपा से एसटी, ओबीसी और एससी आरक्षण के लिए हेमंत सरकार की पहल को केंद्र व राज्यपाल से लागू कराने की मांग की।

स्टंट कर रहे बाइक सवार ने बुजुर्ग को मारी टक्कर, घटनास्थल पर दर्दनाक मौत

कुमारडुंगी, एजेंसी। रविवार सुबह तेज रफ्तार में स्टंट कर रहे बाइक सवार ने सड़क किनारे खड़े एक वृद्ध को जोरदार धक्का मार दिया। हादसे में वृद्ध की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान कुमारडुंगी थाना क्षेत्र के दिकू बालकांड गांव निवासी 54 वर्षीय मिलू नायक के रूप में हुई है। घटना सुबह करीब 6 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार मिलू नायक अपने घर से निकलकर मझगांव–हाटगम्हरिया मुख्य सड़क के किनारे खड़े थे। उसी दौरान हाटगम्हरिया गांव के गाड़ासाई निवासी तीन युवक दो बाइक पर सवार होकर तेज रफ्तार से स्टंट करते हुए वहां से गुजर रहे थे। अचानक एक बाइक ने सड़क किनारे खड़े मिलू नायक को धक्का मार दिया। धक्का लगते ही वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके हाथ–पांव टूट गए और छाती में गहरी चोट आई। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद बाइक चालक भीड़ से बचकर फरार हो गया, जबकि उसके दो साथी मिलू को उठाने के लिए रुके। इस दौरान गांव वालों ने दोनों को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फरार बाइक चालक की तलाश जारी है। घटना के बाद गांव में आक्रोश का माहौल है।

पिता से मारपीट और पत्नी के अपमान पर भड़का जमीन कारोबारी कुणाल,

दो पर बरसाईं गोलियां, एक की मौत

रांची, एजेंसी। रांची के रातू थाना क्षेत्र में रविवार को आपसी रंजिश ने एक बार फिर खूनी रूप ले लिया। जमीन कारोबारी कुणाल ने पुराने विवाद और हालिया पारिवारिक अपमान का बदला लेते हुए दो जमीन कारोबारी रवि कुमार साहू और बलमा पर गोलियां बरसा दीं।

इस हमले में रवि साहू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बलमा गंभीर रूप से घायल हो गया। इस मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपित कुणाल को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि फरार साथियों की तलाश में छापेमारी जारी है।

एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि आठ माह पहले जमीन के एक सौदे को लेकर बलमा ने कुणाल के पिता के साथ मारपीट की थी। मामला यहीं नहीं रुका 10 दिन पहले कुणाल ने एक व्यक्ति से 10 हजार रुपये उधार लिए थे, जिस पर बलमा ने ताना मारते हुए उस व्यक्ति से कहा कि अगर हिम्मत है तो पैसे वापस लेकर दिखाओ।

इसी बात को लेकर बलमा और कुणाल की पत्नी के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद से ही कुणाल ने बलमा को सबक सिखाने की ठान ली थी।

जानकारी के अनुसार रविवार को कुणाल अपने एक साथी के साथ बाइक पर सवार होकर बलमा की तलाश में निकला।

जानकारी के मुताबिक, बलमा अपनी पड़ोसी सरिता देवी के घर के बाहर, अपने साथी रवि के साथ शराब पी रहा था। मौका पाकर उसने कुणाल ने वहां पहुंचकर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। बलमा तो घायल हो गया, लेकिन रवि जो उस वक्त शराब पी रहा था, गोली लगने से मौके पर ही मारा गया।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि कुणाल और उसके साथियों को उनके लोकेशन की सटीक जानकारी थी। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि घटना से पहले दो संदिग्धों को बाइक से क्षेत्र में घूमते देखा गया था। इससे स्पष्ट है कि हमलावरों ने वारदात की पूरी योजना पहले ही बना रखी थी।

घटनास्थल से पुलिस ने पांच खोखे बरामद किए हैं। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कुल कितनी गोलियां चलाई गईं। एफएसएल की टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं। घटनास्थल से एक लाल रंग की बुलेट बाइक भी बरामद की गई है।

घायल बलमा का इलाज जारी है और उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। फिलहाल वह बयान देने की स्थिति में नहीं है, लेकिन पुलिस को उसके होश में आने के बाद पूरे मामले का विस्तृत ब्योरा मिलने की उम्मीद है।

बलमा चतरा जिले के टंडवा प्रखंड का रहने वाला है और रांची में जमीन कारोबार करता है। उसके पिता का नाम किशुन गोप है, जबकि मां प्रखंड मुख्यालय में सफाईकर्मी हैं। मृतक रवि भी टंडवा का ही रहने वाला था। जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़ा हुआ था। बलमा कुछ दिनों से बुढ़मू इलाके में रह रहा था।

जमशेदपुर में देर रात जमकर हुई गोलीबारी, बाइक सवार बदमाशों ने युवक को मारी गोली

जमशेदपुर, एजेंसी। ओलिडीह थाना क्षेत्र के डिमना चौक के पास देर रात अपराधियों ने बंटी कुमार नामक युवक पर गोली चला दी। गोली लगने से घायल युवक को एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। अपराधी मौके से फरार हो गए।

पुलिस घटना की जांच कर रही है, लेकिन फायरिंग का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। युवक के परिवार वाले अभी अस्पताल नहीं पहुंचे हैं। पिछले चार दिनों से शहर में अपराधिक घटनाओं की बाढ़ आई हुई है।

ओलिडीह थाना क्षेत्र के लक्ष्मणनगर में यह घटना रात के करीब 12 बजे के आसपास हुई। अपराधियों ने अचानक बंटी कुमार पर हमला किया और गोली मारकर भाग गए। आसपास के लोगों ने घायल युवक को तुरंत एमजीएम अस्पताल पहुंचाया।

डॉक्टरों ने बताया कि गोली युवक के शरीर में लगी है, जिससे उसकी हालत चिंताजनक है। इलाज जारी है, लेकिन खतरा अभी टला नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, अपराधी दो-तीन की संख्या में थे और वे बाइक पर सवार होकर आए थे। सूचना मिलते ही ओलिडीह थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। उन्होंने घटनास्थल की जांच की और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए।

थाना प्रभारी ने बताया कि घायल युवक से पूछताछ की जा रही है, लेकिन उसकी हालत के चलते ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस का कहना है कि फायरिंग का मकसद क्या था और किस परिस्थिति में यह हुआ, इसकी पड़ताल की जा रही है।

अपराधियों की तलाश में छापेमारी जारी है। थाना प्रभारी ने कहा, डिमना चौक इलाका व्यस्त है, इसलिए जल्द ही सुराग मिलने की उम्मीद है।

यह घटना शहर में पिछले चार दिनों से जारी आपराधिक सिलसिले की कड़ी है। इससे पहले भी लूट, चाकूबाजी और मारपीट की कई घटनाएं हो चुकी हैं।

गोविंदपुर जलापूर्ति से 1.5 लाख लोगों का पानी हो जाएगा बंद, बकाया राशि भुगतान करने की मांग

जमशेदपुर, एजेंसी। गोविंदपुर जलापूर्ति से 1.5 लाख लोगों का पानी आज से बंद हो जाएगा। इसके साथ ही जलापूर्ति करने वाले संवेदक जेमिनी इंटरप्राइजेज के अंदर काम कर रहे 35 कर्मचारियों का रोजी-रोटी पर प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। संवेदक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि अब तक 10 बार पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को पत्र लिखकर बकाया राशि का भुगतान करने का अनुरोध किया जा चुका है, लेकिन आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला।

उन्होंने बताया कि पिछले सात माह से कर्मचारियों का वेतन नहीं दिया जा सका। अरुण कुमार सिंह ने कहा है कि विभाग के पास तीन मांग रखी गई है।

पहला बकाया राशि का भुगतान किया जाए, गोविंदपुर में पांच पानी का टंकी है, उसमें बिजली का कनेक्शन दिया जाए, तथा गदड़ा में बिजली विभाग ने गार्ड पर बिजली चोरी करने का एफआईआर दर्ज कराया है, जबकि एफ आई आर पीएचईडी विभाग के कार्यपालक अभियंता पर होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक तीन मांग पूरी नहीं होती, गोविंदपुर से जलापूर्ति बाधित रहेगी।

अरुण कुमार सिंह ने कहा कि पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता, मुख्य अभियंता ने कई बार आश्वासन दिया कि एक सप्ताह के अंदर बकाया राशि का भुगतान कर दिया जाएगा। लेकिन पेयजल एवं स्वच्छता विभाग बीते 19 माह से बकाया तीन करोड़ की राशि का भुगतान नहीं किया।

वह नियमित जलापूर्ति के लिए खुद कर्ज लेकर काम कर रहे थे। अब खर्च वहन करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारियों से अनुरोध किया है कि उनका बकाया राशि का भुगतान जल्द से जल्द कराया जाए, ताकि पानी बंद करने की नौबत न आए।

इस संबंध में जब पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता सुनील कुमार से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने अपना फोन नहीं उठाया।

कतरास भू-धंसान हादसा-दूसरे दिन भी चला रेस्क्यू ऑपरेशन, खाई से निकाले गये कुल 7 शव

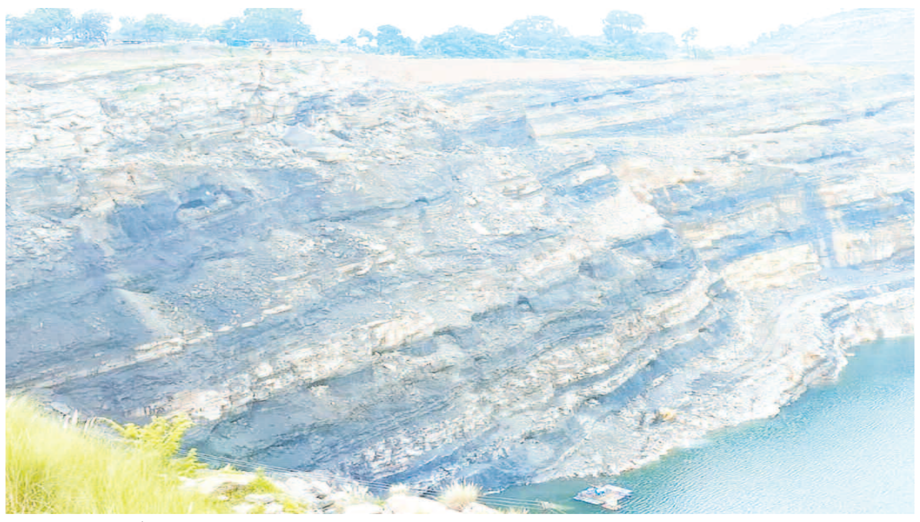

धनबाद, एजेंसी। धनबाद जिले के कतरास क्षेत्र के अंगारपथरा कांटा पहाड़ी स्थित मां अंबे आउटसोर्सिंग में शुक्रवार को हुई भू-धंसान में सर्विस वैन के साथ दबे लोगों की खोजबीन कल शनिवार को भी जारी रही। बीसीसीएल के बचाव दल, एनडीआरएफ और धनसार रेस्क्यू की टीम ने युद्धस्तर पर अभियान चलाकर खाई से शवों को बाहर निकाला।

हादसे के बाद शुक्रवार को गोताखोर दल ने तीन शवों को पानी से बाहर निकाला था। वहीं कल शनिवार को बचाव टीम ने पहला शव दिन के 11 बजे पैच के पोखरिया (तालाब) से निकाला। वहीं दो अन्य शवों को जो गहरी खाई में फंसे थे, दोपहर 3:30 बजे काफी मशक्कत के बाद निकाला जा सका। बचाव दल ने पत्थर में दबे शवों को भी रस्सी के सहारे निकाला। बरामद शवों में 6 की पहचान कर ली गयी है, जबकि एक अज्ञात है। उसके पहचान की कोशिश जारी है। बरामद शवों की पहचान आउटसोर्स के कर्मी अमन सिंह, गयासुर दास, राहुल रवानी, रूपक महतो, स्वरूप गोप व अमित बगाल के रूप में हुई हैं।

रेस्क्यू अभियान के बीच बीसीसीएल, आउटसोर्सिंग कंपनी, प्रशासन, पीड़ित परिजन और मजदूर नेताओं के बीच समझौता वार्ता हुई, जिसमें सभी मृतकों के परिजनों को सभी मद मिला कर 36 लाख रुपये मुआवजे पर सहमति बनी। इसके बाद परिजनों ने शव उठने दिया। दो शवों का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया था, जबकि अन्य चार शव एसएनएमएमसीएच व बीसीसीएल के अस्पताल के शवगृह में रखे गये हैं।

चतरा के खधैया नदी में अचानक आई बाढ़ : बाइक धोते समय बहे जीजा-साला

चतरा, एजेंसी। चतरा जिले के टंडवा थाना क्षेत्र में खधैया गांव के पास खधैया नदी में अचानक आए पानी के तेज बहाव में बाइक सहित दो युवक बह गए। इस हादसे में एक युवक को ग्रामीणों ने बचा लिया, लेकिन दूसरा अब तक लापता है। घटना के बाद से पूरे गांव में मातम का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना के संबंध में बताया गया कि खधैया गांव निवासी रिश्ते में जीजा-साला चांदो दास और उनके जीजा संजू दास रविवार दोपहर अपनी मोटरसाइकिल नदी किनारे धो रहे थे। यह नदी आमतौर पर सूखी रहती है, लेकिन ऊपर के इलाकों में हुई तेज बारिश के कारण अचानक इसमें पानी आ गया। पानी का बहाव इतना तेज था कि दोनों युवकों को संभलने का मौका ही नहीं मिला और वे बाइक समेत बह गए।

स्थानीय ग्रामीणों ने घटना को अपनी आंखों से देखा और तुरंत बचाव कार्य में जुट गए। ग्रामीणों की अथक कोशिश से चांदो दास को करीब सौ मीटर दूर नदी से बेहोशी की हालत में बाहर निकाला गया। उन्हें तत्काल 108 एंबुलेंस से नजदीकी अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं, संजू दास का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है।

घटना की सूचना मिलते ही टंडवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से लापता युवक की खोज शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि एसडीआरएफ की टीम को भी सूचना दे दी गई है और जल्द ही वे भी रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल होंगे। ग्रामीण और पुलिस मिलकर नदी के किनारों और बहाव क्षेत्र में तलाश कर रहे हैं।

इस हादसे के बाद खधैया गांव में शोक और डर का माहौल है। परिजनों की स्थिति बेहद दयनीय हो गई है। संजू दास की पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों का कहना है कि अचानक आई इस बाढ़ ने सभी को सकते में डाल दिया है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द लापता युवक को खोजा जाए और परिवार को हर संभव मदद दी जाए।

झारखंड में प्रजनन दर में बड़ी गिरावट, एसआरएस रिपोर्ट से खुला राज

रांची, एजेंसी। देश के 22 बड़े राज्यों में दिल्ली और गुजरात के बाद 10 वर्षों में कुल प्रजनन दर (टीएफआर) में सबसे अधिक कमी झारखंड में आई है।

दिल्ली में वर्ष 2011-13 और 2021-23 के बीच औसत कुल प्रजनन दर में सबसे अधिक (27.8 प्रतिशत) हुई, जिसके बाद गुजरात (24 प्रतिशत) और झारखंड (21.4 प्रतिशत) की दर में कमी आई। रजिस्ट्रार जनरल आफ इंडिया द्वारा तीन सितंबर को जारी सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस)-2023 की रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011-13 के दौरान झारखंड में यह औसत दर 2.8 थी जो वर्ष 2021-23 में 2.2 हो गई। एसआरएस-2023 की रिपोर्ट के अनुसार, झारखंड में पहली बार यह दर घटकर वर्ष 2023 में 2.1 हुई है। यह दर एक प्रतिस्थापन स्तर मानी जाती है, जहां एक पीढ़ी अगली पीढ़ी को प्रतिस्थापित करने के लिए पर्याप्त बच्चे को जन्म देती है।

पाकुड़ में दर्दनाक हादसा, तेज रफ्तार हाईवा से कुचली गई मासूम, गुस्साए ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

रांची, एजेंसी। पाकुड़ जिले के सोनाजोड़ी में सोमवार को हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। सोनाजोड़ी उत्क्रमित मध्य विद्यालय के पास सड़क पार कर रही सात वर्षीय बच्ची को चिप्स लदा तेज रफ्तार हाईवा ने कुचल दिया। मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान सोनाजोड़ी निवासी रियाज अंसारी की पुत्री के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सना अनाथ थी और उसकी परवरिश परिवार के अन्य सदस्य कर रहे थे।

हादसे से आक्रोशित ग्रामीण सड़क पर उतर आए और मुख्य मार्ग को घंटों जाम कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन की लापरवाही के कारण आए दिन ऐसे हादसे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि शाम 6 बजे के बाद इस मार्ग पर भारी वाहनों की नो-एंट्री लागू रहती है, लेकिन बावजूद इसके ओवरलोडेड ट्रक और हाईवा तेज रफ्तार से गुजरते हैं।

ग्रामीण रहमान अंसारी ने बताया कि सोनाजोड़ी के उत्क्रमित मध्य विद्यालय में लगभग 500 बच्चे पढ़ते हैं और उन्हें रोज इसी सड़क को पार करना पड़ता है। बावजूद इसके स्कूल के समाने न तो स्पीड ब्रेकर है और न ही कोई अन्य सुरक्षा व्यवस्था। यही स्थिति सोनाजोड़ी सदर अस्पताल के पास भी है। ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि जब तक स्कूल और अस्पताल के पास स्पीड ब्रेकर नहीं बनाए जाते, उनका सड़क जाम आंदोलन जारी रहेगा। साथ ही उन्होंने दोषी वाहन चालक और परिवहन विभाग पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। यह हादसा प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करता है और उन ग्रामीणों की पीड़ा सामने लाता है, जो बार-बार ऐसे हादसों से जूझ रहे हैं।

ओरमांझी चिड़ियाघर में जिराफ की मौत पर बड़ा खुलासा! पोस्टमार्टम रिपोर्ट चौंकाने वाला; उद्यान निदेशक का फोन बंद

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के ओरमांझी स्थित भगवान बिरसा जैविक उद्यान में बीते 3 सितंबर को जिराफ मिष्ठी की मौत हो गयी थी। मिष्ठी की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह बात सामने आयी कि वह गर्भवती थी। उसके गर्भ में भ्रूण पाया गया है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो सका कि गर्भ कितने माह का था। रिपोर्ट में जिराफ के पैर में जख्म होन की भी पुष्टि की गयी है। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि जख्म की वजह से ही वह बाड़े में गिर गयी और गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गयी।

जिराफ का सार्वजनिक प्रदर्शन करने के पूर्व भगवान बिरसा जैविक उद्यान प्रबंधन ने निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया गया था। नियमों का उल्लंघन करते हुए जिराफ को लोगों के सामने प्रदर्शित कर दिया गया। किसी भी वन्य प्राणी को एक चिड़ियाघर से दूसरे चिड़ियाघर लाये जाने पर 30 दिनों तक क्वारेंटाइन (अलग और अकेले) रखने का नियम है, जिससे वह नयी जगह के वातावरण के अनुरूप खुद को ढाल सके। लेकिन, उद्यान प्रबंधन ने जिराफ को पर्याप्त समय दिये बिना ही आमलोगों के सामने प्रदर्शित कर दिया।

पिछले महीने 8 अगस्त को मिष्ठी रांची पहुंची थी। और केवल एक सप्ताह बाद 15 अगस्त से उसका सार्वजनिक प्रदर्शन किया जाने लगा। माना जा रहा है कि कम समय मिलने के कारण मिष्ठी खुद को नये वातावरण में नहीं ढाल पायी होगी। इससे पैदा हुए तनाव में रहने की वजह से जिराफ को समस्या उत्पन्न हुई होगी। इस संबंध में पूछने के लिए उद्यान के निदेशक जब्बर सिंह से संपर्क करने का प्रयास किया गया। लेकिन, उनका मोबाइल लगातार ऑफ मिला। उद्यान के पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ ओपी साहू ने मामले में कुछ भी कहने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम के बाद जांच जारी है। इससे ज्यादा कुछ भी बताने के लिए मैं अधिकृत नहीं हूं। ज्यादा जानकारी के लिए निदेशक से संपर्क करें। मामले में कुछ भी बताने के लिए वही अधिकृत व्यक्ति हैं।

उल्लेखनीय है कि जिराफ को रखने के लिए भगवान बिरसा उद्यान में पहले से बने बाड़े पर लगभग 60 लाख रुपये खर्च कर उसे बेहतर बनाने का दावा किया गया है। लेकिन, उद्यान प्रबंधन द्वारा यह स्पष्ट नहीं किया जा रहा है कि उक्त राशि खर्च कर बाड़े में कौन सी सुविधाएं बहाल की गयी थीं।

अफ्रीका के क्लाइमेट में विकसित इस वन्यजीव को रांची के पर्यावरण में एक्लेमेटाइज (अनुकूल) करने की आवश्यकता नहीं है। खास बात यह है कि मौत से कुछ घंटे पहले तक मादा जिराफ पूरी तरह स्वस्थ थी और इसने भोजन भी किया था। कुमार अंकित ने बताया कि जिराफ, हिरण जैसे घास पर निर्भर रहने वाले वन्यजीव में कैप्टिव मायोपैथी पाई जाती है। होता यह है कि जैसे ही इन्हें बंद वातावरण में लाया जाता है इनके शरीर में लैक्टिक एसिड का स्राव बढ़ जाता है। इस वजह से इनका मूवमेंट प्रभावित होता है और ये स्थिर हो जाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जिराफ की तुलना में बाघ को पकड़ना और बाड़े में रखना आसान है।

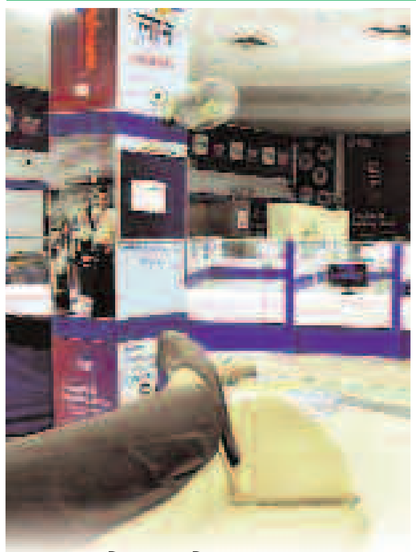

घर बैठे-बैठे भी बैंक की सुविधाओं का फायदा उठा सकती हैं आप

कुछ काम को करना हमें पहाड़ पर चढ़ने के बराबर लगता है। जैसे बैंक जाना। कई बार हमें बैंक से अकेले पैसे निकालकर लाने पर चोरी का भी डर सताता है। साथ ही बैंक जाने के लिए कुछ घंटों को समय निकालना भी मुश्किल हो जाता है। हालांकि जरूरी नहीं है कि बैंक से जुड़े हर काम के लिए आपको वही जाना पड़े। आप घर बैठे-बैठे भी बैंक की सुविधाओं का फायदा उठा सकती हैं। जी हां, ऐसा सच में होता है और इस आर्टिकल में हम आपको इसी विषय के बारे में बताने वाले हैं। डोर स्टेप सर्विस का मतलब है ऐसी सुविधाएं जो आपको बैंक द्वारा घर बैठे-बैठे मिल जाती हैं। अलग-अलग बैंक की तरफ से अलग डोर स्टेप सर्विस दी जाती है जिसमें बहुत सारे विकल्प शामिल होते हैं।

एसबीआई बैंक देता है ये सुविधाएं

अगर आपका खाता भारतीय स्टेट बैंक में है तो आप घर बैठे–बैठे ढेर सारी सुविधाओं का फायदा उठा सकते हैं। अगर एक साथ ढेर सारे पैसे को बैंक से घर या घर से बैंक लेकर जाना चाहते हैं तो एसबीआई की टीम आपकी मदद करेगी। इसके अलावा ड्राफ्ट्स को घर तक पहुंचाने, लाइफ सर्टिफिकेट घर से लेने और केवाईसी अकाउंट लेने जैसी ढेर सारी सुविधाओं के लिए आप एसबीआई की डोर स्टेफ सर्विस का फायदा उठा सकते हैं।

बैंक ऑफ इंडिया देता है ये सुविधाएं

एसबीआई के साथ–साथ बैंक ऑफ इंडिया भी आपको ढेर सारी डोर स्टेप सर्विस देता है। इसमें कैश जमा करना और निकालना, अकाउंट स्टेटमेंट, गिफ्ट कार्ड, चेक बुक और ढेर सारी सुविधाएं शामिल हैं। सर्विस लेने के लिए बैंक की किसी भी ब्रांच के फी नंबर पर कॉल कर सकते हैं।

कौन ले सकता है ये सर्विस

डोर स्टेप सर्विस मिलने के पीछे कुछ शर्ते होती हैं जो हर बैंक की अलग हो सकती हैं। जैसे कुछे बैंक सिर्फ 70 साल से अधिक उम्र के लोगों को यह सुविधा देते हैं। वहीं कुछ बैंक बिमार धारकों को भी डोर स्टेप सर्विस लेने की अनुमति देते हैं।

रिटर्न पर भी रिटर्न देता है एसआईपी

कैसे करें इन्वेस्टमेंट

अगर आप अपने पैसों को इन्वेस्ट करने की सोच रहे हैं तो आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड्स में निवेश कर सकते हैं। ज्यादातर लोग एफडी में निवेश करते हैं जिससे उन्हें उस पर रिटर्न मिलता है लेकिन एसआईपी में आपको रिटर्न पर भी रिटर्न मिलता है। अगर आप इसका लाभ पाना चाहते हैं तो हम आपको बताएंगे कि आप कैसे इसका फायदा उठा सकते हैं और इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं।

एसआईपी यानी सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान में निवेश की शुरुआत करने के लिए आपको केवाईसी को कंप्लीट करना होता है। इसके बाद आपको जिस भी म्यूचुअल फंड में निवेश करना है आप उसमें अपनी जानकारी को भर दें और फिर सारे डॉक्यूमेंट्स को सबमिट कर दें। इसके बाद वेरिफिकेशन होता है जिसमें आपको अपने डॉक्यूमेंट को वेरीफाई करवाना होता है। जब आपका वेरिफिकेशन का प्रोसेस खत्म हो जाएगा तो आपको जिस भी म्यूचुअल फंड में निवेश करना है वह आप सिलेक्ट कर सकते हैं। जब आप नया अकाउंट रजिस्टर कर देते हैं तो आपको एक फॉर्म भरना होता है और अपने बैंक से संबंधित जानकारी को भी भरना होता है। इसके बाद जब आपका रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरा हो जाएगा तो आप निवेश करना शुरू कर सकते हैं।

एसआईपी के फायदे

एसआईपी से कोई भी व्यक्ति अगर नियमित रूप से म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहता है तो वह कर सकता है। इसमें कम पैसों में भी निवेश किया जा सकता है। आपको बता दें कि इसमें निवेश किए गए पैसों को कम या ज्यादा अपने अनुसार कर सकते हैं। आपको बता दें कि इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करने का यह एक बहुत अच्छा ऑप्शन माना जाता है क्योंकि इसमें लाभ की संभावना अधिक होती है। एसआईपी में निवेश किए गए पैसों पर इनकम टैक्स में छूट भी मिल सकती है। इसमें आप हर साल एक लाख की राशि पर छूट पा सकते हैं।
एसआईपी से आप बहुत ही कम पैसों में शेयर बाजार में भाग ले सकते हैं। यह निवेश का ऐसा तरीका है जो आपकी बचत को बढ़ाता है। इन सभी कारणों की वजह से यह एक बचत करने का बेहतर ऑप्शन हो सकता है। आप अपनी सुविधा के अनुसार एसआईपी में निवेश की अवधि को मासिक, तिमाही का ऑप्शन भी चुन सकते हैं। अगर आप आने वाले समय में बैंक अकाउंट में खूब सारे पैसे कम समय में पाना चाहते हैं तो यह ऑप्शन आपके लिए बेहतर साबित हो सकता है।

महिलाएं यहां कर सकती हैं निवेश

जहां एक तरफ सरकार ने बजट में लोगों की आय दर को बढ़ाने के प्लान पेश किए हैं, वहीं दूसरी ओर बचत पर भी सरकार की पैनी निगाहें रहीं। खासतौर पर महिलाओं के लिए सरकार ने एक नई निवेश योजना पेश की है और यह महिलाओं के लिए निवेश का तो अच्छा जरिया बन सकती हैं साथ ही इस योजना में ब्याज भी अच्छा मिलेगा।

महिला सम्मान बचत पत्र योजना

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए इस बार सरकार महिला सम्मान बचत पत्र योजना लेकर आई है। बैंक और पोस्ट ऑफिस के सेविंग अकाउंट के साथ–साथ इस योजना के तहत भी महिलाएं बचत कर सकती हैं। इस योजना के तहत महिलाएं अपने या अपनी बेटी के नाम पर पैसों की बचत कर सकती हैं और अच्छे ब्याज का फायदा उठा सकती हैं। आप इस निवेश योजना में 2 वर्ष तक के लिए 2 लाख रुपये तक जमा कर सकती हैं और उसके बाद आपको 7.5% की दर से ब्याज सहित धनराशि प्राप्त होगी। बेस्ट बात तो यह है कि इस योजना का लाभ किसी भी उम्र की महिलाएं उठा सकती हैं। इस योजना में महिलाओं को आंशिक निकासी की सुविधा प्राप्त होगी। यानि अवधि के पूरा होने से पूर्व ही आप इस योजना के तहत निवेश की गई धनराशि को निकाल सकती हैं।

एनबीएफसी

एनबीएफसी का मतलब है गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां। बैंकों में बचत करने से अब कोई विशेष लाभ आपको बेशक न मिल मगर आप गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में पैसा निवेश कर सकती हैं।
यदि आप एनबीएफसी में पैसा निवेश करना चाहती हैं तो जान लें कि यहां जोखिम का भी खतरा हो सकता है। हालांकि, कंपनी अच्छा बिजनेस कर रही है तो आपको मुनाफा भी तगड़ा होगा मगर आपको पहले यह जान लेना होगा कि कौन सी कंपनी सही है और कौन सी फेक है। अगर अच्छी एनबीएफसी कंपनियों की बात की जाए तो अरविंद जी कुछ नाम बता हैं। वह कहते हैं, बजाज फाइनेंस लिमिटेड, मुथूट फाइनेंस लिमिटेड, आदित्य बिड़ला फाइनेंस लिमिटेड, आईएफसीआई लिमिटेड आदि कुछ अच्छी गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां हैं, जहां पैसा निवेश करने पर आपको अच्छा मुनाफा हो सकता है।

कपल्स के लिए बहुत खास होती है पहली मुलाकात

जब भी कपल्स एक-दूसरे से मिलने के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले जेहन में ये बात जरूर आती है कि आखिर पहली मुलाकात में हम बात क्या करेंगे? यही सवाल हमें परेशान करता रहता है और वैसे भी पहली-पहली मुलाकात तो बहुत खास होती है, जो हमेशा याद रहती है।

लेकिन इस मुलाकात में हम एक–दूसरे से बात ही न कर पाएं या यूं कहें कि उस समय क्या बात करें? ये समझ ही न आए तो क्या करें? क्योंकि हमने आमतौर पर देखा है कि हमारे मन में बातें तो ढेरों रहती हैं, लेकिन पहली मुलाकात पर वे बातें जुबान पर आ ही नहीं पातीं और हम शांत बैठे रह जाते हैं। और यहां–वहां देखकर बस यही सोचते रह जाते हैं कि बातें करें तो क्या?
आखिर क्या बातें फर्स्ट मींटिग में करें? कैसे बातों से एक–दूसरे को समझने में आसानी हो सकती है? ऐसी कौन सी बातें हैं, जो आपके पार्टनर को बोर नहीं होने देंगी? आइए जानते हैं।
जब भी किसी के साथ पहली मुलाकात के लिए जाएं तो बातों की शुरुआत आप उनके प्रोफेशन से कर सकते हैं, क्योंकि अधिकतर लोगों को इसमें इंट्रेस्ट जरूर आता है। चाहे प्रोफेशन के बारे में गॉसिप अच्छी हो या बुरी, इस बारे में बात करना लोग काफी पसंद करते हैं। पार्टनर के फेवरेट एक्टर या एक्ट्रेस के बारे में आप पूछ सकते हैं या अभी रिसेंट उन्होंने कौन सी मूवी देखी है? इस बारे में भी आप बात कर सकते हैं। तारीफ किसको पसंद नहीं आती? जनाब तो कॉम्लीमेंट करना बिलकुल भी न भूलें। उन्हें नोटिस करें और उनकी तारीफ कीजिए। आप उनके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ कर सकते हैं। दोस्तों के बारे में बात करें, क्योंकि लड़का हो या लड़की– सभी को अपने दोस्तों के बारे में बात करना पसंद आता है। तो आप पूछ सकते हैं कि आपके फ्रेंड्स कैसे हैं? किस फ्रेंड्स से अपनी बातें शेयर करते हैं? इस तरह की बातें आपकी मुलाकात को और इंट्रेस्टिंग बनाएंगी। वीकेंड के बारे में पूछें कि उनके इस वीकेंड क्या प्लान हैं? यदि कोई प्लान नहीं हैं, तो आप प्लान कर सकते हैं जिससे कि एक–दूसरे को अच्छे से समझने के लिए और समय मिल सके। अगर बातें बोरिंग हो रही हैं तो आप हंसी–मजाक कर सकते हैं कि उनके साथ ऐसा वाकया कब हुआ, जब उनकी हंसी रुक ही नहीं रही थी। ऐसी कोई फनी बात, जो आपके साथ हुई हो तो वह बात भी आप उनसे शेयर कर सकते हैं।

अगर आप पैसे बचाने के लिए सेकंड हैंड सामान खरीदने का मन बना रही हैं तो ऐसे में आपको कुछ छोटे-छोटे टिप्स को जरूर फॉलो करना चाहिए। इससे आपको बाद में पछताना नहीं पड़ेगा।

क्या आप सेकंड हैंड सामान खरीदने का मन बना रही हैं...

हर इंसान अपनी जरूरतों व इच्छाओं के अनुसार शॉपिंग करना चाहता है। लेकिन हर किसी के पास इतने पैसे नहीं होते हैं कि वे अपनी मनपसंद हर आइटम को खरीद सके। ऐसी सिचुएशन में अधिकतर लोग सेकंड हैंड सामान खरीदने का मन बनाते हैं। इससे उन्हें बेहद कम सामान में अपनी पसंद व जरूरत का सामान मिल जाता है। लेकिन कभी–कभी पैसे बचाने के चक्कर में जब हम सेकंड हैंड सामान खरीदते हैं तो उसकी क्वालिटी उतनी अच्छी नहीं होती है। जिससे हमारे सारे पैसे यूं ही बर्बाद हो जाते हैं। आपके साथ ऐसा ना हो, इसलिए यह जरूरी है कि आप सेकंड हैंड सामान खरीदते समय कुछ छोटी–छोटी बातों पर खास ध्यान दें।

लें जरूरी सामान

कई बार ऐसा होता है कि जब हम सेकंड हैंड सामान खरीदते हैं तो शॉप पर हमें कई चीजें पसंद आ जाती हैं और हम उन सभी चीजों को खरीद लेते हैं। ऐसा करके आप पैसे बचा नहीं रही हैं, बल्कि अतिरिक्त पैसे खर्च कर रही हैं। इसलिए, हमेशा अपने दिमाग में यह रखें कि आपको क्या लेना है और किस तरह का लेना है। मसलन, अगर आपको अपने घर के लिए एक सेकंड हैंड सोफा चाहिए तो वह कैसा होना चाहिए। सोफा कम बेड या फिर एल शेप्ड सोफा या फिर फाइव सीटर। इस तरह जब आप अपने माइंड में क्लीयर पिक्चर रखती हैं तो सही सामान खरीदना काफी आसान हो जाता है।

चेक करें क्वालिटी

सेकंड हैंड सामान में क्वालिटी की गड़बड़ी होने की संभावना काफी हद तक रहती है। इसलिए, कोशिश करें कि आप जिस भी सामान को खरीद (खरीदें सेकेंड हैंड स्कूटी) रही हैं, उसकी क्वालिटी कैसी है। इसके लिए जब आप शॉप पर जाती है तो उस आइटम को देखकर आपको काफी हद तक समझ में आ जाता है। हालांकि, अगर आपको यह समझ में नहीं आ रहा है तो उसका टेस्ट लिया जा सकता है। मसलन, अगर आप सेकंड हैंड कार खरीद रही हैं तो पहले उसे एक टेस्ट ड्राइव पर ले जाएं। साथ ही, उसे खरीदने से पहले एक बार मैकेनिक से भी उसे चेक जरूर करवाएं।

जानें रिटर्न पॉलिसी

अमूमन जब भी हम सेकंड हैंड आइटम खरीदते हैं तो दुकानदार आपको कुछ वक्त के लिए रिटर्न पॉलिसी अवश्य देता है। मसलन, अगर आप सामान खरीदती (ऑनलाइन चीजें खरीदें) हैं और घर ले जाने के बाद वह आपकी उम्मीद के अनुसार नहीं है तो आप एक लिमिटेड टाइम में उसे रिटर्न कर सकती हैं। अक्सर यह समय 15 दिन या एक महीने का होता है। इसके बारे में पूछना बेहद जरूरी है।

जरूर लें रिसिप्ट

सेकंड हैंड सामान खरीदते समय फ्रॉड होने की संभावना काफी अधिक रहती है। आपको किसी तरह का नुकसान न हो, इसलिए यह जरूर ध्यान रखें कि आप जब भी कोई सेकंड हैंड सामान खरीदें तो उसकी रिसिप्ट जरूर लें। इससे अगर आपको किसी तरह की परेशानी आती है तो आप आसानी से सामान को रिटर्न, रिपेयर या फिर चेंज करवा सकती हैं।

सोने का भाव सातवें आसमान पर, लगातार 3 हफ्ते से बढ़ रहा दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी सेंट्रल बैंक की इस महीने होने वाली मीटिंग से पहले सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। चर्चा इस बात की जोरों पर है कि फेड रिजर्व ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। इसी की आहट की वजह से गुरुवार को प्रॉफिट बुकिंग के बाद सोने की कीमतों में एक बार से उछाल दर्ज की गई। एमसीएक्स गोल्ड रेट शुक्रवार को 1,07,807 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। क्लोजिंग के टाईम पर यह 1,07,740 रुपये पर आकर सेटेल हुआ। बीते हफ्ते एमसीएक्स गोल्ड के रेट में 3.80 प्रतिशत की तेजी आई थी। कॉमेक्स गोल्ड रेट शुक्रवार को 3653.30 प्रति ट्रॉय आउंस था। इस साल गोल्ड के बुलियन रन की वजह से सोने का भाव 35 प्रतिशत चढ़ चुका है।

किस वजह से दिखी तेजी एसएस वेल्थस्ट्रीट के फाउंडर सुगंधा सचदेवा कहती हैं, ÷बीते हफ्ते एक बार फिर सोने के भाव 3.82 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,07,807 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। यह लगातार तीसरा हफ्ता था जब गोल्ड की कीमतों में तेजी देखने को मिली थी। फेडरल रिजर्व की तरफ से ब्याज दरों में कटौती की संभावना और वैश्विक स्तर पर बनी अनिश्चितता की वजह से गोल्ड का रेट बढ़ रहा है। अमेरिकी लेबल मार्केट के नए डाटा के अनुसार नॉन-फार्म पेरोल्स में अगस्ते के महीने में 22000 की तेजी आई थी। हालांकि, यह उम्मीद से काफी कम है।÷ सुगंधा सचदेवा कहती हैं, ÷गोल्ड के मौजूदा ट्रेंड्स की वजह से घरेलू स्तर पर 1,05,800 रुपये के आस-पास एक मजबूत बेस बना लिया गया है। इसका अगला टारगेट 1,10,000 रुपये के करीब है। इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड 3640 डॉलर प्रति आउंस के लगभग पहुंच सकता है।÷ रिपोर्ट के अनुसार गोल्ड की कीमतों संभावित तेजी की उम्मीद कर रहा हूं। एक्सपर्ट्स की सलाह है कि सोने में निवेश करने से पहले अपने लक्ष्यों के प्रति स्पष्ट रहें। अगर आप गोल्ड लम्बी अवधि के लिए खरीदना चाहते हैं तो यह एक बेहतर विकल्प हो सकता है।

प्राइम फोकस लिमिटेड में दमानी समेत कई दिग्गजों ने खरीदे शेयर, रणबीर कपूर का भी दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मॉलकैप स्टॉक प्राइम फोकस लिमिटेड में लगातार दूसरे दिन तूफानी तेजी है। प्राइम फोकस के शेयर सोमवार को 10 पर्सेंट उछलकर 173.90 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में शुक्रवार को भी 10 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली थी। प्राइम फोकस, मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी है। यह आगामी रामायण मूवी के लिए प्राइमरी प्रॉडक्शन हाउसेज में से एक है। बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर का भी कंपनी पर दांव है। इसके अलावा, दिग्गज निवेशक रमेश दमानी, उत्पल सेठ और मधु केला के फंड ने भी शुक्रवार को ब्लॉक डील के जरिए प्राइम फोकस के शेयर खरीदे हैं। स्टॉक एक्सचेंजों के डेटा के मुताबिक, दिग्गज इनवेस्टर रमेश दमानी ने प्राइम फोकस लिमिटेड के 8 लाख शेयर खरीदे हैं। दमानी ने यह शेयर 142.55 रुपये के दाम पर खरीदे हैं। वहीं, उत्पल सेठ ने इसी दाम पर प्राइम फोकस लिमिटेड के 17.5 लाख शेयर खरीदे हैं। इसके अलावा, मधुसूदन केला के मालिकाना हक वाले फंड सिंग्युलैरिटी लार्ज वैल्यू फंड द्व ने ब्लॉक डील में 62.5 लाख शेयर खरीदे हैं। ब्लॉक डील में सम्यक एंटरप्राइजेज और एफई सिक्योरिटीज ने भी शेयर खरीदे हैं, दोनों ने 7 लाख से ज्यादा शेयर खरीदे हैं।

अमेरिका की आंखों में चुभ रहे भारत और चीन

● ट्रंप प्रशासन पर दबाव डालने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। इस समय अमेरिका को भारत और चीन अच्छे नहीं लग रहे हैं। आए दिन कोई न कोई अमेरिकी अधिकारी भारत को लेकर गलत बयानबाजी कर रहा है। अब इस बयानबाजी में अमेरिका के ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेन्ट भी कूद गए हैं। उन्होंने भारत और चीन पर रूस के यूक्रेन युद्ध में मदद करने का आरोप लगाया है। उन्होंने रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर और अधिक प्रतिबंध लगाने की बात कही है। उनका कहना है कि ऐसे देशों पर सेकंडरी टैरिफ लगाए जाने चाहिए। ट्रंप प्रशासन और यूरोप को रूस पर और अधिक आर्थिक दबाव डालना चाहिए। ऐसा करने से राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के साथ शांति वार्ता करने के लिए मजबूर हो सकते हैं। बेसेन्ट ने हाल ही में भारत और चीन को रूसी तेल खरीदने पर बुतुकी बयानबाजी की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि ये देश यूक्रेन में रूस के युद्ध का समर्थन कर रहे हैं। अब उन्होंने मॉस्को के साथ व्यापार करने वाले देशों पर और अधिक प्रतिबंध लगाने की मांग की है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, बेसेन्ट ने एनबीसी के मीट द प्रेस में कहा, अगर अमेरिका और ईयू मिलकर रूस के तेल खरीदने वाले देशों पर और अधिक प्रतिबंध लगाते हैं, तो रूसी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाएगी। इससे राष्ट्रपति पुतिन बातचीत की टेबल पर आने को मजबूर हो जाएंगे। बेसेन्ट ने कहा कि ट्रंप प्रशासन रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए तैयार है। भारत ने पश्चिमी देशों की पाखंडी नीति पर सवाल उठाया है। भारत का कहना है कि कई यूरोपीय देश भी रूस से बड़ी मात्रा में ऊर्जा खरीदते हैं। लेकिन उन्हें इस तरह के प्रतिबंधों से छूट दी गई है। बेसेन्ट की यह टिप्पणी डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन के बीच अलास्का में हुई उच्च स्तरीय शिखर बैठक के कुछ हफ्तों बाद आई है। इस बैठक में यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने या रोकने के लिए कोई समझौता नहीं हो सका।

कई कंपनियां कर चुकी हैं कटौती की घोषणा

अमेरिकी टैरिफ का है दबाव

डॉलर के मुकाबले क्यों कमजोर हो रहा रुपया? सीतारमण ने बताया सरकार का रुख, ट्रंप की नीतियों पर फोड़ा ठीकरा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका से टैरिफ पर तनाव के बीच डॉलर लगातार मजबूती के नए आयाम गढ़ रहा है। आलम यह है कि मौजूदा समय में डॉलर इतना ताकतवर हो चुका है कि दुनिया की हर बड़ी मुद्रा के मुकाबले इसका एक्सचेंज रेट यानी इसकी खरीद की दर तेजी से बढ़ी है। रुपया भी इससे अछूता नहीं है। वहीं, रुपये की लगातार गिरावट को लेकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा है कि सरकार रुपये की स्थिति पर लगातार और पैनी निगाह जमाए हुए है। समाचार एजेंसी पीटीआई के साथ एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि डॉलर के मुकाबले न सिर्फ रुपया, बल्कि दुनिया की कई मुद्राएं कमजोर हुई हैं। इस दौरान उन्होंने हाल में किए गए जीएसटी सुधारों का भी जिक्र किया। वित्त मंत्री ने कहा कि इन सुधारों से आम आदमी को बड़ी राहत मिली है।

रुपये के वर्तमान हालात क्या?: रुपया वर्तमान ने अपने अब तक के रिकॉर्ड निचले स्तर पर है। शुक्रवार को रुपया अब तक के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद होकर 88.27 प्रति डॉलर पर आ गया था। दिन में कारोबार के दौरान यह 88.38 तक फिसला था। हालांकि, रिज़र्व बैंक ने सरकारी बैंकों के जरिए दखल देकर और बड़ी गिरावट को रोकने की कोशिश की।

रुपये में गिरावट का क्या है कारण?: रुपये में लगातार हो रही गिरावट का बड़ा कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों को बताया जा रहा है। इनमें

भारत पर लगाए गए भारी टैरिफ प्रमुख हैं।

27 अगस्त से अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर 50 तक टैरिफ लगा दिया है। इसमें 25 अतिरिक्त जुर्माना रूस से कच्चा तेल खरीदने के कारण लगाया गया है। ट्रंप के इस फैसले से भारत के कपड़ा, हीरे-जवाहरात, झींगा, चमड़ा, रसायन, और मशीनरी आदि सेक्टर गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। हालांकि, दवाओं, ऊर्जा उत्पादों और इलेक्ट्रॉनिक्स को छूट दी गई है।

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। 2024-25 में भारत-अमेरिका के बीच 131.8 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ। इसमें भारत का निर्यात 86.5 अरब डॉलर और आयात 45.3 अरब डॉलर रहा। भारत-अमेरिका के व्यापारिक रिश्तों को वित्त मंत्री ने जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि यह रिश्ता भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, लेकिन अनुचित शुल्कों का भारत जवाब देगा।

जीएसटी सुधारों को बताया आम जनता को सीधी राहत

साक्षात्कार में वित्त मंत्री ने जीएसटी में आठ साल बाद किए गए व्यापक सुधारों को जनता के लिए सुधार करार दिया। उन्होंने कहा कि जीएसटी दरों में कमी से हर परिवार को फायदा होगा, खपत बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। आगे सीतारमण ने कहा कि वह खुद व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित करेंगी कि कम हुई इन दरों कका लाभ उपभोक्ताओं तक कीमतों में कमी के रूप में पहुंचे। उन्होंने बताया कि कई कंपनियों ने 22 सितंबर से पहले ही कारों, जूतों, बीमा पॉलिसियों और कपड़ों पर कीमतें घटाने की घोषणा कर दी हैं। सीतारमण ने कहा कि सरकार के निर्णय के कुछ ही दिनों के भीतर कार निर्माताओं से लेकर सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों और जूता एवं परिधान ब्रांडों ने कीमतों में महत्वपूर्ण कटौती की घोषणा कर दी है। नई जीएसटी दरें लागू होने तक बाकी कंपनियों से भी ऐसा ही करने की संभावना है। सीतारमण ने इन सुधारों को 2017 के बाद अब तक का सबसे बड़ा कर सुधार करार दिया। उन्होंने कहा यह ऐसा सुधार है जो 140 करोड़ लोगों के जीवन को प्रभावित करेगा। गरीब से गरीब व्यक्ति भी जो कुछ खरीदता है।

विदेशी निवेशक लगातार बिकवाली कर रहे

वृद्धि के साथ लाभांश देने वाली कंपनियों में करें निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार जब स्थिर हो या बहुत कम फायदा दे रहा हो, तो फ्लैक्सीकैप निवेश एक पसंदीदा विकल्प बन जाते हैं। हालांकि, एक और बढ़िया विकल्प डिविडेंड यील्ड इक्विटी फंड भी है। ये वो फंड होते हैं, जो वृद्धि वाली और साथ ही लाभांश देने वाली कंपनियों में निवेश करते हैं। ये उन कंपनियों पर ध्यान देते हैं, जो अधिक डिविडेंड देती हैं। लेकिन, इससे लंबे समय में पूंजी में वृद्धि कम होती है। इससे रिटर्न भी अक्सर औसत से कम रहता है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल डिविडेंड यील्ड इक्विटी बाकी फंड्स से अलग इसलिए है, क्योंकि ये ऐसी कंपनियों में निवेश करता है, जो न केवल स्थिर लाभांश देती हैं, बल्कि लंबे समय में अच्छे ग्रोथ का भी वादा करती हैं। फंड को बाजार पूंजी और प्रबंधन के तरीके में पूरी आजादी होती है। इसलिए, ये मध्यम से लंबे समय में अपने बेंचमार्क और बाकी फंड्स से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी निफ्टी-500 टीआरआई को देखें तो इसने 2014 से अगस्त, 2025 तक 14.9 फीसदी चक्रवृद्धि दर से रिटर्न दिया है। 10,000 रुपये का मासिक एसआईपी निफ्टी में 32.6 लाख हो गया। इस अवधि में आईप्रू डिविडेंड यील्ड फंड में यह रकम 41.3 लाख रुपये हो गई है। यानी 18.7 फीसदी सालाना रिटर्न मिला है। इस फंड ने एक, तीन, पांच और 10 साल में निफ्टी-500 टीआरआई से 9 फीसदी और कैटेगरी से दो से छह फीसदी ज्यादा फायदा दिया है।

जोखिम पर भी रहता है फंड का नियंत्रण

जोखिम के समय ये फंड अच्छा प्रदर्शन करते हैं। ऐसे फंडों ने पिछले वर्षों में बड़ी पूंजी वाले शेयरों में ज्यादा निवेश किए हैं। 2014 से 2024 के मध्य तक जब मिड और स्मॉल कैप्स अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे तो पोर्टफोलियो में 30-35 फीसदी हिस्सा मिड और स्मॉलकैप का था। लेकिन, जून, 2024 के बाद फंड ने छोटे कैप्स में कम निवेश किया और स्थिर एवं बड़ी कंपनियों में अपना निवेश बढ़ा दिया। 2020 में ज्यादा निवेश आईटी, फार्मा और पावर कंपनियों में था। ये क्षेत्र वृद्धि के साथ लाभांश भी दे रहे थे।

● सबसे महंगा है ये लोन...

कर्ज के दलदल में नहीं फंसना चाहते हैं तो क्रेडिट कार्ड का करें सही इस्तेमाल

● 45 दिन की ब्याज-मुक्त अवधि का करें इस्तेमाल ● हमेशा न्यूनतम रकम से अधिक करें भुगतान

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रेडिट कार्ड कर्ज लेने का एक बेहद उपयोगी साधन है। हालांकि, अगर सही तरीके से इसका इस्तेमाल नहीं किया तो यह काफी महंगा साबित हो सकता है। क्रेडिट कार्ड की ब्याज दरें सालाना 30-42 फीसदी के बीच होती हैं, जो इसे सबसे महंगे कर्ज में से एक बनाती है।

अगर आप पूरे क्रेडिट कार्ड बिल पर एक साल में सिर्फ न्यूनतम राशि के रूप में 50,000 रुपये चुकाते हैं, तो इस पर 15,000 रुपये का अतिरिक्त ब्याज देना पड़ सकता है। हालांकि, क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल में छोटे-छोटे बदलाव कर इस अनावश्यक

कर्ज से बच सकते हैं। इन बदलावों के जरिये न सिर्फ ब्याज भुगतान में कमी आएगी, बल्कि आपके पैसे भी बचेंगे।

क्रेडिट कार्ड पर 45 दिनों का ब्याज-मुक्त क्रेडिट मिलता है। इस अवधि का लाभ उठाने के लिए अपनी बिलिंग तिथि के तुरंत बाद बड़े खर्च करें। अवधि समाप्त होने से पहले आंशिक भुगतान भी ब्याज लागत घटाने में मददगार है। याद रखें, यह नकद निकासी पर लागू नहीं होता है। सिर्फ न्यूनतम देय राशि का भुगतान कर आप डिफॉल्ट से तो बच सकते हैं, लेकिन कर्ज का बोझ बढ़ता ही जाएगा।

बड़ी खरीद को ईएमआई में बदलें

क्रेडिट कार्ड से मोबाइल फोन या लैपटॉप जैसे बड़े खर्च को अगर न चुकाया जाए, तो भारी ब्याज लग सकता है। बकाया राशि को आगे बढ़ाने के बजाय उसे ईएमआई में बदल दें, जिस पर आमतौर पर कम ब्याज लगता है। उदाहरण के लिए, अगर आप 60,000 रुपये की खरीदारी कर बिल नहीं चुकाते हैं, तो इस पर 36 फीसदी की ब्याज दर से एक साल में 21,600 रुपये ब्याज लगता है। वहीं, इसे ईएमआई में बदलवाने पर 18 फीसदी ब्याज दर से एक साल में 5,400 रुपये का ब्याज बनता है।

संभालें अपना सिबिल स्कोर, होम लोन के संकट से ऐसे निकलें

होम लोन: घर से निकलेगा बचने का रास्ता

ई दिल्ली, एजेंसी। कोविड-19 महामारी ने श के आर्थिक हालात को पूरी तरह बदल दिया इसका प्रभाव यह हुआ कि कई लोगों की करियां चली गईं। एक नौकरीपेशा व्यक्ति ामतौर पर अपने खर्चे और जिम्मेदारियां उसी साब से तय करता है, जितनी कमाई होती है। यादातर लोग बैंकों या वित्तीय संस्थानों से होम ोन लेकर घर बनाते हैं।

मार्सेलस इनवेस्टमेंट मैनेजर्स की एक रिपोर्ट ताती है कि कोविड के दौरान कर्ज लेने वाले र 10 मिडिल क्लास परिवार में से एक अपना ोन नहीं चुका पाएगा। इन लोगों के लिए समय र किस्तें भरना मुश्किल हो गया है और अब न्हें बैंक से नोटिस मिल रहे हैं या उनके चेक ाउंस होने की स्थिति पैदा हो रही है। इस समस्या ो लेकर बैंकों ने आरबीआई के समक्ष चिंता ताई है।

कोविड के दौरान लोगों की घटी आय को खते हुए आरबीआई ने कर्जदारों को राहत देने े लिए बड़ा कदम उठाया। इनमें किस्तों पर ोहलत (मोरेटोरियम) देना और कर्ज चुकाने ी अवधि बढ़ाना शामिल था। लेकिन, ये उपाय न्हीं लोगों के लिए पर्याप्त थे, जो कोविड के बाद ी अपनी आर्थिक स्थिति बनाए रख पाए। सबसे

पहले अपनी मासिक किस्त (ईएमआई) चुकाने की प्राथमिकता तय करें। ब्याज दर कम कराने के लिए बैंक से री-नेगोशिएशन करें। अपने खर्चों में कटौती करें और बची रकम अतिरिक्त राशि होमलोन में लगाएं। आवश्यकता पड़ने पर होमलोन बैलेंस ट्रांसफर के विकल्प पर विचार कर सकते हैं।बोनस या अतिरिक्त आय सीधे प्री-पेमेंट में डालें। अगर संकट गहरा हो तो होम लोन लोन की अवधि बढ़वाकर अपनी ईएमआई घटवाएं। बैंक से उतना ही कर्ज लें, जितना आसानी से चुका सकें।लेकिन, कोविड जैसी अप्रत्याशित घटना ने कुछ लोगों की आमदनी और कर्ज का गणित बिगाड़ दिया।होम लोन लेकर घर खरीदने वाले कई लोगों की कोविड के कारणऐसी स्थिति बन गई कि उनके लिए ईएमआई भरना मुश्किल हो गया। अगर आप होम लोन के जाल में फंस गए हैं तो आइए समझते हैं कि आपके पास क्या विकल्प हैं किस्तें भरने में खुद को असमर्थ पा रहे हैं, तो सबसे पहले बैंक से संपर्क करें। अपनी समस्या बताएं और कर्ज के रिस्ट्रक्चरिंग की मांग करें। बैंक आपको कर्ज अवधि बढ़ाने का विकल्प दे सकता है।

निवेश के लिए खरीदा घर तो क्या करें

अगर निवेश के लिए दूसरा घर खरीदा था, तो फिर कर्ज के जाल में फंसे रहना कोई समझदारी नहीं है। ऐसे में अच्छा विकल्प होगा कि बैंक से मिलकर उस प्रॉपर्टी को बेच दें।बिक्री से मिले पैसे से लोन चुका दें। इससे बैंक के साथ आपका रिकॉर्ड साफ-सुथरा रहेगा।

खुद का मकान है तो क्या करें: अगर लोन खुद रहने के लिए लिया है, तो एक रास्ता यह है कि बड़े घर को बेचकर छोटा मकान खरीदें, जिसकी ईएमआई आपकी मौजूदा आय में आसानी से भरी जा सके। आप एक नया, छोटा लोन लेकर पुराने कर्ज को सेटल कर सकते हैं। जरूरी है कि आप बैंक को सब कुछ बताएं और उसके सहयोग से ही कोई कदम उठाएं। सबके लिए बैंक रिकॉर्ड बेहतर रखना जरूरी है, क्योंकि इसका सीधा असर सिबिल स्कोर पर पड़ता है। अगर आपकी किस्तें समय पर नहीं जाती हैं।

लहंगा, शेरवानी खरीदना महंगा

2500 रुपये से ज्यादा के कपड़ों पर जीएसटी बढ़ने से व्यापारी नाराज, प्रधानमंत्री को लिखा लेटर

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी काउंसिल ने रेडीमेड कपड़ों पर लगने वाली जीएसटी दर में बदलाव किया है। अब 22 सितंबर के बाद से 2500 रुपये से अधिक कीमत वाले रेडीमेड कपड़ों पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगेगा, जबकि पहले 12 प्रतिशत जीएसटी लगता था। इसको लेकर कपड़ा कारोबारियों में काफी रोष है। चांदनी चौक (दिल्ली) के कारोबारियों ने इस फैसले पर विरोध जताया है। उनका कहना है कि सूट, शेरवानी, साड़ी, लहंगा समेत कई प्रकार के कपड़ों की कीमत 2500 से अधिक होती है। ऐसे में आम लोगों के साथ कारोबारियों पर जीएसटी का बोझ बढ़ेगा, जिससे कारोबार की रफ्तार धीमी हो सकती है। दिल्ली हिन्दुस्तानी मर्केंटाइल एसोसिएशन ने इस मामले को लेकर प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को पत्र भी लिखा है। डीएचएमए के बैनर तले व्यापारियों ने एक बैठक भी की। इसमें साड़ी लहंगा एसोसिएशन समेत कई व्यापारी संगठन के प्रतिनिधि शामिल रहे। डीएचएमए के महामंत्री श्रीभगवान बंसल ने

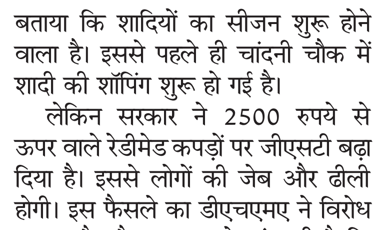

बताया कि शादियों का सीजन शुरू होने वाला है। इससे पहले ही चांदनी चौक में शादी की शॉपिंग शुरू हो गई है।

लेकिन सरकार ने 2500 रुपये से ऊपर वाले रेडीमेड कपड़ों पर जीएसटी बढ़ा दिया है। इससे लोगों की जेब और ढीली होगी। इस फैसले का डीएचएमए ने विरोध जताया है और सरकार से मांग की है कि इस पर भी जीएसटी कम की जाए, ताकि महिला, पुरुष और बच्चों को राहत मिल सके। द बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट योगेश सिंघल ने बताया कि साल 2016 तक ज्वेलरी पर 1 प्रतिशत वैट लगता था। इसके बाद जीएसटी आया और ज्वेलरी पर 3 प्रतिशत जीएसटी लगा दिया गया।

बने नंबर 1

कार्लोस अल्काराज ने सिनर को हराकर जीता यूएस ओपन का खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पेन के टेनिस सुपरस्टार कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन के साथ यूएस ओपन 2025 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ ही उन्होंने जैनिक सिनर को हराकर यूएस ओपन खिताब जीता और विश्व नंबर 1 रैंकिंग भी हासिल की। यूएस ओपन फाइनल में अल्काराज ने इटली के सिनर को चार सेटों में 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से हराकर अपना दूसरा यूएस ओपन और छठा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इस जीत के साथ ही अल्काराज ने सिनर की 65 सप्ताह की विश्व नंबर 1 रैंकिंग को छीनकर फिर से शीर्ष स्थान हासिल किया है।

दरअसल, अल्काराज ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। अल्काराज ने सिनर पर दबदबा कायम रखते हुए पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया। हालांकि, सिनर ने दूसरे सेट में वापसी की और 6-3 से जीतकर मुकाबला बराबर किया। अल्काराज ने तीसरे सेट में शानदार वापसी की और 6-1 से जीत हासिल की। इसके बाद चौथे सेट में 6-4 से जीत हासिल की। अल्काराज ने पूरे टूर्नामेंट में केवल एक सेट गंवाया, जो इस फाइनल में था। इस जीत के बाद कार्लोस अल्काराज जश्न में डूबे नजर आए। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे कुछ लोगों के साथ अपनी जीत को सेलिब्रेट कर रहे हैं। 2025 में अल्काराज और सिनर के बीच यह लगातार तीसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल था। इससे पहले अल्काराज ने फ्रेंच ओपन में सिनर को हराया था, जबकि सिनर ने विंबलडन में जीत हासिल की थी।

अल्काराज छह ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले ब्योर्न बोर्ग के बाद दूसरे सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उनके पास अब फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन में दो-दो खिताब हैं, जिसके साथ वह नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल और मैट्स विलेंडर के साथ उन चुनिंदा पुरुष खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने तीनों सतहों (हार्ड कोर्ट, क्ले और घास) पर कई ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इस जीत के साथ उन्होंने 5 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि भी हासिल की है।

हॉकी एशिया कप 2025:

जीत के रथ पर सवार भारत के सिर सजा एशिया कप का ताज, टूर्नामेंट में दागे सर्वाधिक गोल

राजगीर, एजेंसी। भारतीय हॉकी टीम आठ साल बाद एशिया कप की चैंपियन बनी है। यह उसकी टूर्नामेंट में चौथी खिताबी जीत है। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय टीम ने मौजूदा चैंपियन कोरिया को पराजित कर न सिर्फ ट्रॉफी जीती, बल्कि अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। बिहार के राजगीर में एशिया कप 2025 का खिताबी मुकाबला रविवार को भारत और दक्षिण कोरिया के बीच खेला गया। इस मैच में भारतीय हॉकी टीम ने पांच बार की विजेता कोरिया को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। दिलचस्प बात यह है कि भारतीय टीम इस पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही। भारत आठ साल बाद एशिया कप का चैंपियन बना है। यह उसकी एशिया कप में चौथी खिताबी जीत है।

सुपर-4 चरण में भी अजेय रही भारतीय टीम

सुपर-4 चरण में भी भारत अजेय रहा और अंततः खिताब अपने नाम किया। तीन सितंबर को भारत और कोरिया के बीच मुकाबला 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। अगले ही दिन यानी चार सितंबर को टीम इंडिया ने मलयेशिया को 4-1 से मात देकर धमाकेदार जीत हासिल की। इसके बाद छह सितंबर को भारत ने चीन पर 7-0 से बड़ी जीत दर्ज की।

पूल चरण में अपराजेय रही भारतीय टीम

एशिया कप हॉकी 2025 में भारतीय टीम ने पूल चरण में शानदार प्रदर्शन किया। टीम इंडिया ने लगातार तीन मुकाबले जीतकर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा और नॉकआउट चरण की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।29 अगस्त को भारत ने चीन को रोमांचक मुकाबले में 4-3 से मात दी। इसके बाद 31 अगस्त को जापान के खिलाफ कड़े संघर्ष में भारतीय खिलाड़ियों ने 3-2 से जीत दर्ज की। वहीं, 1 सितंबर को कजाकिस्तान पर टीम इंडिया ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 15-0 से एकतरफा जीत हासिल की। भारतीय खिलाड़ियों का यह प्रदर्शन पूरी तरह आत्मविश्वास और तालमेल से भरा हुआ रहा। तीनों मैचों में जीत दर्ज करने के बाद टीम ने एशिया कप खिताब की प्रबल दावेदारी पेश की।

दक्षिण अफ्रीका को मिली वनडे क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी हार, इंग्लैंड ने 342 रन से हराया

हैम्पशायर, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम को वनडे क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी है। रविवार को खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 342 रन के अंतर से हरा दिया। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था, जो बिल्कुल उल्टा पड़ गया। इंग्लैंड ने 50 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 414 रन बनाए। जैकब बेथेल ने अपना पहला शतक लगाया और 82 गेंद पर 3 छक्के और 13 चौके लगाते हुए 110 रन की पारी खेली। वहीं, जो रूट ने 96 गेंदों पर 6 चौके लगाते हुए 100 रन की पारी खेली। इसके अलावा जोस बटलर ने 32 गेंद पर नाबाद 62 रन की पारी खेली। जेमी स्मिथ ने 48 गेंद पर 62 रन बनाए।

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025:

लक्ष्य चाहर प्री-क्वार्टर फाइनल में, जैस्मिन क्वार्टर फाइनल में; निखत भिड़ेंगी जापान की युना निशिनाका से

नई दिल्ली, एजेंसी। लिवरपूल में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 में भारत के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। पुरुषों के 80 किग्रा भार वर्ग में लक्ष्य चाहर प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ 16) में पहुंच गए हैं, जबकि महिलाओं के 57 किग्रा भार वर्ग में जैस्मिन ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। लक्ष्य चाहर ने पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में दमदार प्रदर्शन करते हुए जॉर्डन के हुसैन इशैश को 5-0 से मात दी। उन्होंने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और पहले राउंड में बढ़त बना ली। दूसरे राउंड में हुसैन ने वापसी की कोशिश की, लेकिन तीसरे राउंड में लक्ष्य ने फिर से दबदबा बनाया और शानदार जीत दर्ज की। सभी पांचों जजों ने सर्वसम्मति से फैसला लक्ष्य के पक्ष में दिया। महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में जैस्मिन ने ब्राजील की जूसिएलन सेर्केरा रोमेउ को 5-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

पवन बर्तवाल का सफर समाप्त पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में भारत के पवन बर्तवाल को उज्बेकिस्तान के मिर्जाखालोलोव मिराजिजबेक के खिलाफ 0-5 से हार झेलनी पड़ी। इसके साथ ही उनकी विश्व चैंपियनशिप की यात्रा यहीं समाप्त हो गई। लवलीना बोरगोहैन बाहर टोक्यो ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहैन पहले दौर में ही बाहर हो गईं। उन्हें महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग में तुर्की की बुसरा इसिलदार ने 5-0 से हराया।

मोहम्मद रिजवान ने अकेले जितवा दिया मैच, पाकिस्तान से बाहर होने के बाद इस टीम के लिए उड़ाए 22 छक्के -चौके

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की एशिया कप की टीम से बाहर होने के बाद मोहम्मद रिजवान ने सीपीएल का रुख किया, जहां उनका करार सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स टीम से हुआ. इसके आगे की कहानी सीपीएल 2025 में बखूबी दिख रही है. गयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ 8 सितंबर को खेले मुकाबले में मोहम्मद रिजवान ने अपनी टीम को अकेले दम पर मैच जिताया. और, इसका इससे बड़ा सबूत और क्या होगा कि गयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ टीम के बनाए टोटल रन में आधे से ज्यादा रिजवान के बल्ले से निकले थे,

रिजवान किसी गेंदबाज से नहीं हुए आउट

गयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी. उसके लिए पारी मोहम्मद रिजवान और आंद्रे फ्लेचर ने पारी की शुरुआत की. ओपनिंग जोड़ी तो ज्यादा देर तक नहीं जमीं पर रिजवान इतनी देर तक विकेट पर जरूर खड़े हो गए, जिससे गयाना अमेजन वॉरियर्स को हराने लायक रन स्कोर बोर्ड पर लग गए. मोहम्मद रिजवान को मैच में गयाना का कोई गेंदबाज आउट नहीं कर सका. बल्कि वो रन आउट हुए. हालांकि, उससे पहले वो अपना काम कर चुके थे.

क्रिस गेल ने किया खुलासा, पंजाब किंग्स में हुआ अपमान, कहा- मैं कोच कुंबले से निराश हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के पूर्व सलामी बल्लेबाज और यूनिवर्स बॉस के नाम से मशहूर क्रिस गेल एक मस्तीखोर इंसान के रूप में जाने जाते हैं। वह जहां भी जाते हैं उनके चेहरे पर एक चमकदार मुस्कान होती है। गेल ने दुनिया भर की कई टी20 फ्रेंचाइजी के लिए खेला है। 2021 में पंजाब किंग्स के साथ उनका आईपीएल करियर अचानक खत्म हो गया। उन्होंने बीच में ही फ्रेंचाइजी छोड़ने के लिए बबल थकान का हवाला दिया। लेकिन अब सालों बाद उन्होंने फ्रेंचाइजी पर उनका अनादर करने का आरोप लगाया है। गेल ने शुभंकर मिश्रा को उनके यूट्यूब शो पर कहा, ओह, मेरा आईपीएल समय से पहले ही समाप्त हो गया। आप जानते हैं पंजाब के साथ ईमानदारी से कहूं तो। हां मेरा मतलब है कि फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स इलेवन में मेरा अनादर किया गया। आप जानते हैं। मुझे ऐसा लगा कि एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में मेरे साथ ठीक से व्यवहार नहीं किया जा रहा था। जिसने लीग के लिए इतना कुछ किया। आप जानते हैं फ्रेंचाइजी के लिए भी इतना मूल्य लाया। और फिर आपका अनादर किया जाता है और वे आपके साथ एक बच्चे की तरह व्यवहार करते हैं और फिर मैं लगभग ऐसा महसूस करता हूं जैसे मुझे लगा कि इमारत मेरे कंधे पर है। यह मेरे जीवन में पहली बार था जब मैंने अवसाद की स्थिति महसूस की। इसलिए जब लोग अवसाद के बारे में बात करते हैं तो मुझे इसका थोड़ा सा आभास हो जाता है और यह मेरे लिए नहीं था।गेल ने याद करते हुए कहा, तो मुझे पता है कि हम इस बारे में बात कर रहे हैं कि यह हमारा काम है। लेकिन उस स्तर पर पैसा कुछ भी नहीं है। आपको वहां पैसे की जरूरत नहीं है।

एशिया कप से बाहर होने पर श्रेयस अय्यर का छलका दर्द, बोले- मेहनत करते रहो, चाहे कोई...

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 की शुरुआत 9 सितंबर (मंगलवार) से हो रही है. इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात (८श्च) के खिलाफ मुकाबले से करेगी. फिर टीम इंडिया को पाकिस्तान का सामना करना है. भारत-पाकिस्तान का मुकाबला 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ही खेला जाना है. एशिया कप में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव कप्तानी करने जा रहे हैं. वहीं शुभमन गिल को भारतीय टीम का उप-कप्तान बनाया गया है. टीम में स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को जगह नहीं मिली है, जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में पंजाब किंग्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया था. श्रेयस अय्यर का टीम में ना होना फैन्स और क्रिकेट विशेषज्ञों को हैरान कर गया. अब श्रेयस ने एशिया कप स्क्वॉड में नहीं चुने जाने पर अपनी चुप्पी तोड़ी है. श्रेयस ने टीम से बाहर किए जाने पर खिलाड़ियों को होने वाली मानसिक चुनौतियों के बारे में भी बात की. श्रेयस का इस दौरान दर्द भी छलक पड़ा. श्रेयस का मानना है कि एक खिलाड़ी को मेहनत करते रहना चाहिए, चाहे कोई उसे देखे या ना देखे. श्रेयस के मुताबिक टीम से बाहर होने पर निराश होना स्वाभाविक है क्योंकि खिलाड़ी मेहनत करते हैं और खुद पर भरोसा रखते हैं.

8 टीमों वाले एशिया कप की 8 बड़ी बातें, मुकाबला देखने से पहले इनके बारे में जानना है जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप का 17वां सीजन आज से शुरू होने जा रहा है. इस बार 8 टीमों के बीच इसके मुकाबले 9 सितंबर से 28 सितंबर तक अबू धाबी और दुबई शहर में खेले जाएंगे. सभी मुकाबले भारतीय समय से रात के 8 बजे शुरू होंगे. 17वें सीजन में सिर्फ एक डबल हेडर डे, 15 सितंबर को होगा. उस दिन पहला मैच भारतीय समय से शाम के साढ़े 5 बजे शुरू होगा. जबकि दूसरा मैच रात के 8 बजे से होगा.

अब सवाल है कि एशिया कप इस बार यूएई में क्यों खेला जा रहा है? तो इसके पीछे भारत-पाकिस्तान के राजनीतिक हालात काफी बड़ी वजह है. भारत एशिया कप 2025 का आधिकारिक मेजबान था, लेकिन पाकिस्तान के साथ तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के कारण, अब दोनों टीमें एक-दूसरे के देश में नहीं खेलतीं. अगर भारत इस टूर्नामेंट की मेजबानी करता, तो पाकिस्तान से जुड़े मैच किसी न्यूट्रल वेन्यू पर खेले जाते, जैसे 2025 चैंपियंस ट्रॉफी की मेज़बानी के दौरान भारत के मैच यूएई में खेले गए थे. इसलिए, जबकि बीसीसीआई आधिकारिक मेज़बान बना हुआ है, इस बार मैच यूएई में खेले जाएंगे.

एशिया कप का पहला आयोजन साल 1984 में हुआ था. मतलब पहले वनडे वर्ल्ड कप के ठीक 9 साल बाद. पहले एशिया कप में सिर्फ भारत-पाकिस्तान और श्रीलंका ने हिस्सा लिया था. भारत एशिया कप का ना सिर्फ डिफेंडिंग चैंपियन है बल्कि इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम भी है. भारत ने 2023 में वनडे फॉर्मेट में खेले एशिया कप के फाइनल में श्रीलंका को रौंदकर 8वीं बार खिताब पर कब्जा किया था. भारत के बाद श्रीलंका दूसरी सबसे सफल टीम है, जिसने 6 बार ट्रॉफी उठाई है. वहीं पाकिस्तान सिर्फ 2 एशिया कप जीतकर लिस्ट में तीसरे नंबर पर है.

एशिया कप की शुरुआत हुई तो वनडे टूर्नामेंट के तौर पर थी. मगर पिछले एक दशक से इसमें टी20 फॉर्मेट का भी तड़का लगता दिखा है. ये इस पर निर्भर

करने लगा है कि आने वाला वर्ल्ड कप किस फॉर्मेट का है. 2023 में जो पिछला एशिया कप खेला गया था, वो वनडे फॉर्मेट में था. वो टूर्नामेंट उस साल हुए वनडे वर्ल्ड कप से कुछ महीने पहले खेला गया था. इस बार का एशिया कप टी20 फॉर्मेट में है क्योंकि अगले साल फरवरी में टी20 वर्ल्ड कप होने वाला है.

सबसे ज्यादा टीमों वाला एशिया कप यही है जो इस बार खेला जा रहा है. एशिया कप 2025 में सिर्फ भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान ही नहीं बल्कि उन्हें मिलाकर कुल 8 टीमें पहली बार खेल रही हैं. भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान डायरेक्ट क्वालिफिकेशन वाली 5 टीम हैं. जबकि बाकी की 3 टीम८श्च, ओमान और हॉन्ग-कॉन्ग हैं. ये तीनों टीमें पिछले साल मेंस८ष्ट प्रीमियर कप में अच्छा प्रदर्शन किया था.

नेपाल के एशिया कप 2025 में नहीं होने की वजह पिछले साल मेंस८ष्ट प्रीमियर कप में उसका प्रदर्शन है. नेपाल की टीम अपने ग्रुप में टॉप पर रही थी पर सेमीफाइनल में उसे यूएई के हाथों और फिर तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में हॉन्ग कॉन्ग से हार का सामना करना पड़ा था.

8 टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है. ग्रुप ए में भारत के अलावा ओमान, पाकिस्तान और यूएई है. जबकि ग्रुप बी में बांग्लादेश, श्रीलंका, हॉन्ग-कॉन्ग और ओमान है. दोनों ग्रुप की टॉप 2 टीम सुपर फोर राउंड के लिए क्वालिफाई करेगी, जहां वो एक दूसरे के खिलाफ करेगी. फिर उनमें 2 टीमें 28 सितंबर को टूर्नामेंट का फाइनल खेलेंगी.

हां. पहले भले ही इसे लेकर अनिश्चितताओं के बादल थे. लेकिन, भारत सरकार के ताजा स्टैंड के बाद एशिया कप 2025 में उनके खेलने का रास्ता साफ हो गया है. भारत सरकार ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान बाइलेटरल टूर्नामेंट नहीं खेल सकते मगर वो मल्टी नेशन टूर्नामेंट में खेल सकते हैं.

Naagin7:

धांसू कमबैक के लिए तैयार हुई नागिन

एकता कपूर के सुपरनैचुरल सीरियल नागिन 7 का पोस्टर हाल ही में रिलीज कर दिया गया है. इस पोस्टर में नागिन 7 की मेन लीड के लुक से पर्दा हटा दिया गया है. एकता कपूर का सुपरहिट सुपरनैचुरल शो नागिन 7 जल्द ही टीवी पर दस्तक देने वाला है. हाल ही में एकता कपूर ने नागिन 7 का टीजर शेयर करके हंगामा मचा दिया था. जिसके बाद से ही दावा किया जा रहा है कि प्रियंका चहार चौधरी और ईशा मालवीय नागिन 7 में धमाल मचाएंगी. इसी बीच सोशल मीडिया पर नागिन 7 का फर्स्ट लुक शेयर कर दिया गया है. जी हां, सही सुना आपने... कुछ देर पहले ही एकता कपूर के नागिन 7 का फर्स्ट लुक फैंस के साथ शेयर कर दिया गया है. नागिन 7 के पोस्टर में एक हसीना धरती की तरफ रुख करती नजर आ रही है. तस्वीर में इस बार की नागिन मॉर्डन लुक में नजर आ रही है. येलो कलर के आउटफिट पहनकर नागिन लहराती बलखा रही है. नागिन का ये अंदाज देखकर साफ पता चल रहा है कि वो अपने एक एक दुश्मन का सफाया करके ही दम लेगी.

'नागिन' सीरियल को ट्रोल करने वालों पर भड़के अर्जुन बिजलानी

साल 2015 में टीवी पर नागिन शो की शुरुआत हुई थी। एकता कपूर के इस शो को काफी पसंद भी किया गया। हालांकि इस शो में वास्तविक कहानी ना दिखाए जाने के कारण इसे आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। अब इसी मामले पर शो में मुख्य भूमिका में नजर आने वाले अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने शो का बचाव किया है।

नागिन शो की टीआरपी पर बोले अर्जुन

अर्जुन बिजलानी हाल ही में सिद्धार्थ कन्नन के साथ एक इंटरव्यू में शामिल हुए, जहां उन्होंने नागिन टीवी शो को लेकर बात की। उन्होंने शो की लोकप्रियता को लेकर कहा, 'यह सिर्फ छोटे शहरों में ही नहीं, बल्कि मुंबई में भी काफी लोकप्रिय था। जब दूसरे शोज की टीआरपी 2 थी, तब इसे 6 टीआरपी मिली। असल में, यह 5 टीआरपी पर ही खत्म हुआ। यह मेरे पिछले शो मिले जब हम तुम से भी बड़ा था। 'नागिन' के बाद, जिंदगी की एक अलग कहानी थी। मुझे लगता है कि सीजन 1 सबसे अच्छा था।'

'स्पाइडर मैन' से की तुलना

आगे बात करते हुए अर्जुन बिजलानी ने शो की आलोचना करने वालों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'रिग्रेसिव तब होता है जब आप इन सभी चीजों को एक यथार्थवादी कहानी में दिखाते हैं। नागिन को एक काल्पनिक कथा के रूप में प्रदर्शित किया गया था। स्पाइडर-मैन क्या है? क्या यह असली है? क्या नागिन असली है? यह असली नहीं है। तो, आलोचना कहाँ थी? पूरी दुनिया इसे देख रही थी, टीआरपी ने यह साबित कर दिया।

इसकी आलोचना केवल उन लोगों ने की जो बिना किसी काम के घर पर बैठे थे। इस दुनिया में ऐसा कोई नहीं है जिसकी आलोचना न की जाए, चाहे वह विराट कोहली हों, शाहरुख खान हों या सलमान खान। लेकिन किसे परवाह है? आपको अपना काम करना होगा और आगे बढ़ते रहना होगा।'

कार्तिक आर्यन ने तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग को लेकर दिया अपडेट

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने फिल्म की शूटिंग को लेकर एक बड़ा अपडेट दिया। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वह फिल्म के कलाकारों के साथ जश्न मनाते हुए नजर आ रहे हैं। कार्तिक ने वीडियो के साथ एक पोस्ट भी लिखी है। इसमें उन्होंने बताया है कि फिल्म की शूटिंग समाप्त हो चुकी है। कार्तिक आर्यन ने सोशल मीडिया पर जो वीडियो शेयर किया है, उसमें देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति एलान करता है कि फिल्म की शूटिंग समाप्त हो चुकी है। इसके बाद कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे के साथ वहां मौजूद सभी लोग खुश हो जाते हैं। कई लोग एक साथ मिल कर केक काटते हैं। लोग एक दूसरे से गले मिलते हैं और डांस करते हैं। इस दौरान कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे काफी खुश हैं।

कार्तिक आर्यन ने लिखी पोस्ट

वीडियो के साथ कार्तिक आर्यन ने एक पोस्ट लिखी है। इसमें उन्होंने लिखा है न भुलाया जाने वाला अनुभव, तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी का सफर बहुत अच्छा रहा। 57 दिनों में फिल्म की शूटिंग समाप्त हुई। यह सफर रेमो डिसूजा, अमृता महल और अनाइता श्रॉफ के बिना मुम्किन नहीं था। उन्होंने निर्देशक समीर विद्वांस और अनन्या पांडे की भी तारीफ की। पोस्ट पर अनन्या पांडे ने कमेंट करते हुए लिखा आपके साथ अच्छा लगा। आपके साथ और फिल्में करना चाहूंगी।

फिल्म के बारे में

फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी के निर्देशक समीर विद्वांस हैं। फिल्म को करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्वा मेहता और किशोर अरोड़ा प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फिल्म 13 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे के अलावा नीना गुप्ता, जैकी श्रॉफ, महिमा चौधरी, मुश्ताक खान और गौरव पांडे होंगे।

मुंबई में 'मिर्जापुर द फिल्म' की शूटिंग शुरू

2024 में 'मिर्जापुर- द फिल्म' की आधिकारिक घोषणा हुई थी। सोमवार को इसकी शूटिंग शुरू हो गई। अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है। 'मिर्जापुर' सीरीज ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। इसकी कहानी दर्शकों को काफी पसंद आई। उन्होंने इसे छोटे पर्दे पर ही देखा था। अब दर्शकों को इसके बड़े पर्दे पर रिलीज होने का इंतजार है। फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग अभिनेत्री रसिका दुग्गल के साथ मुंबई में शुरू हुई है। इसमें वह बीना त्रिपाठी के रोल को निभाती दिखाई देंगी। उन्हें इस किरदार में दर्शकों ने खूब पसंद किया था। फिल्म से जुड़े सूत्र ने कहा, रसिका ने इस भूमिका के लिए बहुत अच्छी तैयारी की है और आसानी से बीना की दुनिया में वापस आ गई हैं। लोग उन्हें पूरी कास्ट के साथ देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एक बात जो रोमांचक है, वह यह है कि उनका किरदार कितना प्रभावशाली बन रहा है। अब तक हमने जो कुछ भी देखा है, उससे ऐसा लगता है कि बीना त्रिपाठी मिर्जापुर की दुनिया में कुछ ऐसा लेकर आएंगी, जो पहले कभी नहीं देखा गया है। बताया जा रहा है कि 'मिर्जापुर' फिल्म में दमदार एक्शन और गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों का संसार दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इस फिल्म से सीरीज के किरदारों की बड़े पर्दे पर वापसी होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। फिल्म में अभिनेता विक्रांत मैसी भी थे, उन्हें अपने बबलू पंडित के रोल को आगे बढ़ाने का ऑफर मिला था, लेकिन विक्रांत ने इसे ठुकरा दिया था।

बीना त्रिपाठी के अवतार में लौटीं रसिका दुग्गल

अहाना एस कुमरा पहली बार रियलिटी शो राइज़ एंड फॉल में नज़र आएँगी

स्क्रीन पर अपनी एक्टिंग से पहचान बना चुकीं अहाना एस कुमरा अब एक नया कदम उठाने जा रही हैं। वे अपने पहले रियलिटी शो राइज़ एंड फॉल से जुड़ रही हैं। लंबे समय से इस फॉर्मेट में आने का सही मौका तलाश रहीं अहाना अब इस नए सफर के लिए काफी उत्साहित हैं। इस शो के ज़रिए वे दर्शकों को अपना असली रूप दिखाना चाहती हैं और खुद को और अच्छे से जानना चाहती हैं। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने इस शो के लिए हाँ क्यों कहा, तो अहाना ने बताया, कई सालों से मेकर्स के साथ खतरों के खिलाड़ी करने की बात हो रही थी। इस साल जब उन्होंने मुझसे संपर्क किया, तो मैं पूरी तरह तैयार थी, क्योंकि मुझे पता था कि इस बार मुझे यह करना है। मुझे एडवेंचर स्पोर्ट्स बहुत पसंद हैं और खतरों के खिलाड़ी इसके लिए सबसे अच्छा है, क्योंकि इसमें एडवेंचर करते हुए आपको भुगतान भी मिलता है। लेकिन, इस साल खतरों के खिलाड़ी कैंसिल हो गया और इसके बाद अहाना राइज़ एंड फॉल तक पहुँचीं। अहाना ने कहा, मुझे एक बार फिर उस ख्वाब को छोड़ना पड़ा। लेकिन जब उन्होंने राइज़ एंड फॉल के लिए कॉल किया, तो मुझे दिलचस्पी हुई। मुझे मेरे दोस्त (जो कास्टिंग डायरेक्टर भी हैं) का फोन आया और उन्होंने कहा कि टीम से मिल लो। जब मैं उनसे मिली तो बहुत अच्छा लगा, क्योंकि पहली बार यह शो भारत में हो रहा है और मेरे लिए भी यह पहला मौका है किसी रियलिटी शो का हिस्सा बनने का। शो का कैप्टिव फॉर्मेट अहाना को रोमांचित भी करता है और नर्वस भी। उन्होंने बताया, यह बहुत चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि मैं हमेशा दोस्तों और परिवार से जुड़ी रहती हूँ, बात करती हूँ और घर पर रहती हूँ। अब सब से पूरी तरह कट जाना मुश्किल होगा। मुझे देखना है कि मैं कितने समय तक डटी रह सकती हूँ और यही वजह है कि मैंने यह शो करने का फैसला किया। राइज़ एंड फॉल में कुल 16 कंटेस्टेंट होंगे, जिनमें अर्जुन बिजलानी, किकू शारदा, कुब्रा सैत, धनश्री वर्मा, अरबाज़ पटेल, आरुष भोला और नयनदीप रक्षित शामिल हैं। शो का प्रसारण 6 सितंबर से शुरू होगा और इसकी मेज़बानी शार्क टैंक फेम अशनीर ग्रोवर करेंगे।

बिग बॉस 19 के पहले वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट होंगे शहबाज

'बिग बॉस 19' के वीकेंड का वार एपिसोड में सलमान खान ने बताया था कि इस सप्ताह बिग बॉस हाउस में एक वाइल्ड कार्ड एंट्री होगी। इसका नाम तो शेयर नहीं किया गया था, लेकिन लोगों को शो के कुछ प्रोमो देख पता लग गया था कि वह अभिनेत्री शहनाज गिल के परिवार से हो सकता है। अब इस बात का खुलासा हो गया है कि ये कंटेस्टेंट कोई और नहीं, शहनाज गिल के भाई शहबाज बदेशा हैं। वो इस सप्ताह बिग बॉस 19 के घर में वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी के रूप में प्रवेश करेंगे। अपने भाई के बिग बॉस के घर में जाने पर अभिनेत्री शहनाज बहुत खुश हैं।

अदा ने कर दिखाया कुछ ऐसा

जिसे दुनिया में सिर्फ एक फीसदी इंसान कर सकते हैं

अभिनेत्री अदा शर्मा ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। यह काफी मजेदार है। अदा का कहना है कि वे जो कर रही हैं, ऐसा दुनिया में सिर्फ एक फीसदी लोग कर पाते हैं।

अदा शर्मा अपनी अदाकारी के लिए मशहूर हैं। फिल्म द केरल स्टोरी ने उनकी लोकप्रियता में जबर्दस्त इजाफा किया। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और फैंस के साथ अपडेट शेयर करती रहती हैं। आज रविवार को उन्होंने एक मजेदार वीडियो शेयर किया है। इसमें वे अपनी मां के साथ नजर आ रही हैं।

यूजर्स से पूछा- आप एलियन हो या इंसान?

अदा शर्मा ने इंस्टाग्राम पर अपनी वीडियो शेयर की है। वे अपने अंगूठे और उंगलियों से कुछ मुद्राएं बनाने की कोशिश करती हैं। हालांकि, वे परफेक्ट तरीके से ऐसा करने में सफल नहीं होतीं और फिर उनकी मां इसे

बखूबी करके दिखाती हैं। अदा शर्मा दावा करती हैं कि ऐसा सिर्फ दुनिया में एक फीसदी लोग कर सकते हैं या फिर एलियन। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, क्या आप एलियन हो या इंसान?

अदा की आंखों की खूबसूरती में खोए फैंस

अदा शर्मा के इस वीडियो पर यूजर्स के मजेदार कमेंट्स आ रहे हैं। अधिकांस यूजर्स उनकी आंखों की खूबसूरती की तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, बिना मेकअप के भी अदा शर्मा कितनी खूबसूरत लगती हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा, हम तो सिर्फ आपकी आंखें ही देख रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, वैसे आपकी मम्मी किस प्लेनेट से हैं? एक यूजर ने लिखा, आपने सबको अच्छी ड्यूटी पर लगा दिया है। आपकी अदा पर दुनिया फिदा।

अनन्या की कॉल मी बे को एक साल पूरा

अभिनेत्री अनन्या पांडे की पहली वेब सीरीज कॉल मी बे को रिलीज हुए पूरे एक साल हो गए हैं। इस मौके पर अनन्या ने सोशल मीडिया के जरिए अपने प्रशंसकों का आभार जताया। अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म के सीन की तस्वीर पोस्ट की, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, कॉल मी बे को एक साल पूरा हो गया है और मैं आप सबकी बहुत आभारी हूं कि हमें आज भी इतना प्यार मिल रहा है।

सीजन 2 का ऐलान

लोग अब भी मुझसे पूछते हैं कि सीजन-2 कब आ रहा है, और वह बहुत जल्दी आने वाला है! मैं फिर से अपनी शानदार टीम के साथ काम करने और बे की हील्स (जूते) पहनने का इंतजार नहीं कर सकती। वह सच में सबसे प्यारी लड़की है।

साभार एजेंसी